शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा के कार्यकाल में अधिक वक्फ नोटिस जारी किए गए: परमेशर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 26 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-326

संविधान 'पॉकेटमार' गिरोह की असलियत पहचानिए...

नेता भड़काएंगे दंगा तो कैसे संभलेगा संभल?

संभल एक टेस्ट केस है। अदालत ने संभल स्थित जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश दिया है। इस्लामिक कट्टरपंथियों और उनके रहनुमा सियासतदानों को यह बात पच नहीं रही है। संभल में हुआ दंगा उसी अपच का परिणाम है। समाजवादी पार्टी के संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क हों, विधायक इकबाल महमूद हों, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव हों या इन सबके सूत्र षडयंत्रकारी राहुल गांधी हों... ये सब संविधान पॉकेट में लिए घूमते हैं और संविधान-संविधान रोते हैं, लेकिन सबसे अधिक संविधान और कानून की ऐसी-तैसी यही लोग करते हैं। अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का विरोध क्या संविधान का सम्मान है? सर्वेक्षण के खिलाफ मुस्लिम कट्टरपंथियों को भड़काना क्या संविधान का सम्मान है? कट्टरपंथियों को दंगे के लिए उकसाना क्या संविधान का संरक्षण है? दंगाइयों के पक्ष में अखिलेश यादव, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी या इंडी-चौकड़ी के अन्य सदस्यों का बोलना क्या संविधान का सम्मान है? दंगा फैलाने की तैयारियां करना, हजारों पत्थरबाज गोलीबाज और उपद्रवियों को जुटाना और ट्रकों में भर भरकर पत्थर जमा करना क्या संविधान और कानून की सुरक्षा है? ये गंभीर सवाल सामने हैं, लेकिन इन सवालों का कोई जवाब आना नहीं है। दंगाइयों की मातमपुर्सी और अदालत के अपमान के सारे डायलॉग दोहराए जाएंगे और पॉकेट में रखे संविधान पर नेताओं का ध्यान भी नहीं जाएगा और उन्हें कतई शर्म भी नहीं आएगी। अदालत के आदेश पर 19 नवंबर 2024 को जब पहली बार संभल की जामा मस्जिद का सर्वे हुआ था, तब भी आसपास की छतों पर लोग जमा हो गए थे। लेकिन सर्वे में कोई व्यवधान नहीं आया। पर 24 नवंबर को जैसे ही टीम दोबारा सर्वे के लिए मस्जिद पहुंची तो कट्टरपंथी मुस्लिमों की भीड़ ने धावा बोल दिया। कुछ इस तरीके से हमला किया गया जैसे दंगाई इस हिंसा के लिए तैयार बैठे थे।

किसने जुटाए हजारों पत्थरबाज, चार ट्रक पत्थर और फायरिंग स्क्वाड?

शुभ-लाभ प्रश्न

पत्थरबाजी हुई। आगजनी की गई। फायरिंग तक हुई जिसमें पुलिसकर्मी घायल भी हुए हैं। पांच लोगों की मौत हुई है। पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। आंसू गैस के गोले दागने पड़े। वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर आकर मोर्चा सँभालना पड़ा। आखिर 5 दिनों में ही ऐसा क्या हुआ कि संभल में उपद्रव हो गया? इतनी बड़ी संख्या में भीड़ कहां से आई? इतने पत्थर एक साथ कैसे बरसे कि उससे सड़क पट गई, ट्रैक्टरों में पत्थरों को लादकर ले जाना पड़ा?

जब इन सवालों के जवाब तलाशें तो 19 से 24 नवंबर के बीच ही 22 नवंबर भी पड़ता है, जिस दिन जुमे पर इसी जामा मस्जिद में सामान्य से अधिक जमावड़ा देखने को मिला था। इसी बीच में सपा के स्थानीय सांसद जियाउर्रहमान बर्क का मस्जिद ही रहेगी वाला वह बयान आया, जिसने मुस्लिमों को एक अदालती कार्यवाही के खिलाफ उकसाने का काम किया। 24 नवंबर की हिंसा के बाद भी पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सहित सपा के अन्य ▶10 पर

संसद सत्र की शुरुआत पर बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जनता ने बार-बार नकारा, वे ही लोकतंत्र का अनादर कर रहे

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत में मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी सांसदों से संसद में स्वस्थ चर्चा करने की अपील की। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए संसद में चर्चा न होने देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि साल 2024 का ये अंतिम कालखंड चल रहा है। देश पूरे उमंग और उत्साह के साथ 2025 के स्वागत की तैयारी में लगा हुआ है। संसद का यह सत्र अनेक प्रकार से विशेष है। अब सबसे बड़ी बात है कि हमारे संविधान की 75 साल की यात्रा, 75वें साल में उसका प्रवेश, ये अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक बहुत ही उज्जवल अवसर है।

प्रधानमंत्री ने कहा कल संविधान सदन में सब मिलकर के इस संविधान के 75वें वर्ष के उत्सव की मिलकर शुरुआत करेंगे। संविधान निर्माताओं ने संविधान निर्माण करते समय एक-एक बिंदू पर बहुत विस्तार से बहस की है, तब जाकर ऐसा उत्तम दस्तावेज हमें प्राप्त हुआ है। इसकी महत्वपूर्ण ईकाई है हमारी संसद।

हमारे सांसद भी और हमारी संसद भी। संसद में स्वस्थ चर्चा हो, ज्यादा से ज्यादा लोग चर्चा में अपना योगदान दें। मुट्ठी भर लोगों की हुड़दंग बाजी से कंट्रोल करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनका अपना मकसद तो संसद की

मुट्ठी भर लोग संसद को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे

विपक्ष ने फिर शुरू किया हंगामा सदन बुधवार तक स्थगित

दुर्भाग्य से कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए, जिनको जनता ने अस्वीकार किया है, वे संसद को भी, गतिविधि रोकने से ज्यादा सफल नहीं होता और देश की जनता उनके सारे व्यवहारों को देखती है ▶10 पर

अडाणी और संभल के बहाने विपक्ष ने किया हंगामा

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में जबरदस्त हंगामा हुआ। दोनों ही सदनों में अमेरिका में अडाणी के खिलाफ लगे आरोपों और यूपी के संभल में हुई हिंसा को लेकर चर्चा की मांग की गई। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। आखिरकार दोनों ही सदनों को बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। बताया गया है कि राज्यसभा में विपक्ष ने मणिपुर हिंसा और केरल के वायनाड में आई आपदा को लेकर भी स्थगन प्रस्ताव दिए थे। हालांकि, इन मुद्दों पर चर्चा नहीं हो पाई। इस बीच विपक्षी सांसदों ने भाजपा को संभल हिंसा के मुद्दे पर घेरा। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव और कुछ अन्य पार्टी सदस्यों ने इस दौरान जोर जोर से अपनी बात रखने की कोशिश की। इस दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी खड़े रहे। अन्य विपक्षी दलों के सदस्य भी विभिन्न मुद्दों को उठाने का प्रयास कर रहे थे। ▶10 पर

संभल के हिंसा प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू जैसे हालात

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने भड़काया दंगा!

सांसद बर्क और विधायक इकबाल के बेटे पर एफआईआर

2500 दंगाइयों पर केस, दो महिलाओं समेत 25 गिरफ्तार

संभल, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

संभल में अदालत के आदेश पर हुए जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान रविवार को भड़की हिंसा के बाद सोमवार सुबह से पूरे शहर में तनाव का माहौल है। हिंसा प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू जैसे हालात हैं। प्रशासन ने स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। डीआईजी मुनिराज जी के नेतृत्व में पुलिस बल ने हिंसा प्रभावित इलाकों में फ्लैग मार्च किया। शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर बैरिकेडिंग की गई है, और प्रवेश मार्गों पर पुलिस तैनात है। पुलिस ने अभी तक 25 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं, इलाके में बाहरी लोगों के आने पर भी रोक लगा दी गई है। इंटरनेट अब कल तक बंद रहेगा।

संभल जिले में हिंसा फैलाने के मामले में दो थानों में मुकदमे दर्ज किए गए हैं। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क पर मुकदमा दर्ज किया गया है। सांसद के अलावा स्थानीय सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे पर भी मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों पर ही दंगाइयों को भड़काने का आरोप लगा है। इनके साथ 2500 लोगों पर भी केस दर्ज किया गया है। जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने एक दिसंबर तक जिले में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि हिंसा में शामिल आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई की जाएगी। रविवार को भड़की हिंसा में पांच युवकों की मौत हो गई। सीओ अनुज चौधरी और एसपी के पीआरओ को गोली लगी है। एसपी समेत कुल 22 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। मृतकों को देर रात सुपुर्दे-खाक किया गया। मरने वालों मे मोहल्ला कोट तबेला निवासी नईम (35), फतेह उनला सराय निवासी बिलाल (22), हयातनगर निवासी रोमान (40), तुर्तीपुर इला निवासी कैफ (19) और कोट गर्दी निवासी अयान (19) शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि अदालत के आदेश पर जामा मस्जिद का सर्वे करने गई टीम कोर्ट कमिश्नर चंदौसी के वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश सिंह राघव की अगुवाई में आई थी। संभल के डीएम डॉ. राजेंद्र पैसिया और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई भी टीम के साथ थे। बाहर हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने आंसू गैस के गोले और ▶10 पर

संविधान दिवस उत्सव का भी विरोध कर रहा पॉकेट-संविधान गिरोह

यह राजनीति से अलग, देश का उत्सव है : रिजिजू

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

मंगलवार 26 नवंबर 2024 को संविधान दिवस को 75 साल पूरे हो रहे हैं। इस उपलक्ष्य में पूरे साल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सबसे पहले पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल और संविधान सदन में कार्यक्रम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संबोधित करेंगी।

संसद में मंगलवार को होने वाले संविधान दिवस कार्यक्रम को लेकर सरकार और विपक्ष आमने-सामने है। विपक्ष ने मांग की है कि संविधान दिवस समारोह के दौरान दोनों सदनों में विपक्ष के नेताओं को बोलने की अनुमति दी जाए। इसे लेकर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पलटवार किया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संविधान दिवस का कार्यक्रम राजनीति से ऊपर है और देश का उत्सव है। उन्होंने पूरे कार्यक्रम की जानकारी दी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यह सिर्फ भारत की संसद का उत्सव नहीं है। ▶10 पर

बांग्लादेश में हिंदू विरोधी सरकारी कार्रवाइयां अब इंतिहा पर

ढाका एयरपोर्ट पर इस्कॉन के चिन्मय प्रभु गिरफ्तार

ढाका, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

इस्कॉन के प्रमुख सदस्य चिन्मय कृष्ण दास सोमवार को ढाका से चटगांव जाने के लिए हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे ही थे कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। चिन्मय प्रभु ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों के विरोध में कई रैलियां की हैं। इन रैलियों में उन्होंने लगातार अंतरिम सरकार के खिलाफ हमला बोला है। चिन्मय प्रभु बांग्लादेश में सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता के रूप में भी काम कर रहे हैं।

30 अक्टूबर को बांग्लादेश में राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के आरोप में

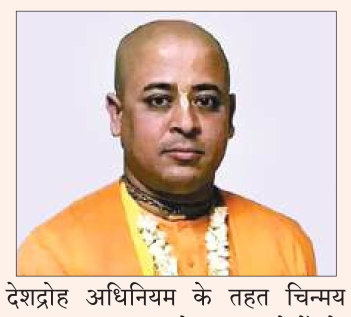

देशद्रोह अधिनियम के तहत चिन्मय कृष्ण दास प्रभु समेत 19 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। आरोप है कि पांच अगस्त को हुए जन आंदोलन के बाद छात्रों ने न्यू मार्केट चौराहे पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। 25 अक्टूबर को लाल दिग्गी रैली के दिन सांप्रदायिक धार्मिक समूह इस्कॉन का गेरुआ रंग का धार्मिक झंडा फहराया गया। यह राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर लगा दिया गया।

बीते अगस्त में एक छात्र आंदोलन के चलते शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतत्व में एक कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश में प्रशासन कर रही है, लेकिन शेख हसीना की सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने दो दिन बाद सुनाया अपना फैसला

संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद शब्द हटाने की मांग खारिज

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

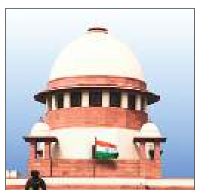

संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद शब्द हटाने की मांग वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। ये याचिकाएं पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य के द्वारा दायर की गईं थी। गौरतलब है कि साल 1976 में पारित हुए संविधान संशोधन के तहत धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद जैसे शब्दों को जोड़ा गया था। बीते शुक्रवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिका को खारिज करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इस याचिका पर विस्तार से सुनवाई करने की जरूरत नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द 1976 में संविधान संशोधन के जरिए जोड़े गए थे और इनसे 1949 में अपनाए गए संविधान पर कोई फर्क नहीं पड़ता। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,150/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,200/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 22°

बांग्लादेश में न्याय और मानवीयता गई ताक पर

ईशनिंदा पर सुप्रीम कोर्ट देगा मौत की सजा

धर्मांधता की सुप्रीम नीचता

ढाका, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में न्याय और मानवीयता ताक पर रख दी गई है। बांग्लादेश की सर्वोच्च अदालत भी इस्लामिक कट्टरपंथ के नीच रास्ते पर उतर आई है। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने भी ईशनिंदा पर मौत की सजा देने की सिफारिश की है। बांग्लादेश के संविधान में संशोधन की तैयारियां पहले से चल रही हैं। संविधान से धर्मनिरपेक्ष और आमार बांग्ला शब्द हटाने की तैयारी है। बांग्लादेश अब पाकिस्तान बनने के लिए तैयार हो रहा है। बांग्लादेश सरकार के प्रमुख मोहम्मद

यूनुस ने यह भी ऐलान किया है कि सऊदी अरब की तर्ज पर चटगांव में भी भव्य मदीना मस्जिद बनाई जाएगी। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता पलट के बाद देश का इस्लामीकरण तेज हो गया है। इस इस्लामीकरण में अब यूनुस सरकार के साथ ही देश की न्यायपालिका भी शामिल हो गई है। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने इस्लाम या पैगंबर की निंदा पर मौत की सजा लागू करने की सिफारिश की है। वहीं यूनुस सरकार ने कहा है कि बांग्लादेश में चटगांव स्थित एक मस्जिद को सऊदी अरब की मदीना मस्जिद की तरह विकसित किया जाएगा। ▶10 पर

बांग्लादेश की मिट्टी के असली संतान हिंदू हैं: चिन्मय कृष्ण

ढाका, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली इस्लामिक कट्टरपंथी सरकार लगातार अल्पसंख्यकों खासतौर पर हिंदुओं को प्रताड़ित कर रही है। बीएनपी की अगुवाई और सहयोग में कट्टरपंथी जमात ए इस्लामी खुलेआम इस्कॉन भक्तों की हत्या करने की धमकी दे रहा है। इसी क्रम में बांग्लादेश इस्कॉन के आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण प्रभु ने हिंदुओं को बांग्लादेशी सरजमी की असली संतान करार दिया ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

सदस्यों के लिए ट्रेकिंग और टीम बिल्डिंग गेम्स का आयोजन

जीतो बेंगलूरु साउथ का आऊट-डोर कार्यक्रम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सदस्यों के लिए नित नई तरह की कार्यविधियों के आयोजन के क्रम में इस बार जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर ने सदस्यों के लिए शहर के बाहरी क्षेत्र में ट्रेकिंग, टीम - बिल्डिंग गेम्स व स्पोर्ट्स का आयोजन किया, जिसमें 190 लोगों ने भाग लिया। स्टेंसिल द्वारा प्रायोजित इस आयोजन का आकर्षण प्राकृतिक परिवेश में ट्रेकिंग का लुफ्त उठाना और डिस्कवरी विलेज में टीम बिल्डिंग गेम्स व खेल कूद की गतिविधियों में भाग लेना था। मनभावन मौसम में, सौंदर्य से लबरेज रमणीय पहाडी, हैदरअली बेट्टा पर करीब 150 सदस्यों ने ट्रेकिंग की। इसके उपरांत 190 सदस्यों और उनके परिवारों ने विविध तरह की खेल प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया। इसका मकसद सदस्यों के बीच नेटवर्किंग को मजबूती देना था। परिवार के सदस्यों ने भी बड़े ही उत्साह के साथ मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया। इस अवसर पर एक विशेष संगीत प्रस्तुति रखी गई थी। कार्यक्रम के प्रायोजक स्टेंसिल प्रतिष्ठान के लूनिया परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया गया। संस्था के मुख्य सचिव नितिन लूनिया ने आगामी कार्यक्रम की घोषणा की और बताया कि ग्लोरियस गुजरात यात्रा का आयोजन किया जाएगा। पांच दिनों की इस पर्यटन यात्रा में गुजरात के सिरमौर स्थानों के अवलोकन का मौका मिलगा। ट्रेकिंग व टीम बिल्डिंग कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार करने तथा सुचारू रूप से कार्यान्वित करने में स्पोर्ट्स संयोजक चेतन बोहरा, सह- संयोजक चेतन लाढानी और महावीर भंसाली की भूमिका उल्लेखनीय रही। समस्त प्रबंधन समिति सदस्यों के सहयोग से इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर जीतो केकेजी जोन के कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश जैन, जीतो बेंगलूरु साउथ के उप चेयरमैन महेंद्र रांका, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपडा, सह कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाडिया और प्रबंध समिति के सदस्य भी परिवार सहित उपस्थित थे। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कहा कि यह खुशी की बात है कि ट्रेकिंग और टीम बिल्डिंग गेम्स को लेकर सदस्यों ने उल्लेखनीय उत्साह दिखाया है। इससे सदस्यों के बीच नेटवर्किंग और परिवार सदस्यों के बीच आपसी रिश्ता और मजबूत बन सकेगा। उन्होंने कार्यक्रम को प्रायोजित करने वाले प्रतिष्ठान स्टेंसिल का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी तरह के समर्थन की आशा व्यक्त की।

अलसूर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शिवाजी नगर के विधायक रिजवान अरशद ने सोमवार को अपने विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत अलसूर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

शहर के राम कृष्ण मठ रोड की मरम्मत के बाद रोड के नवीनीकरण पर स्वयं उपस्थित रह कर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए और स्थानीय लोगों से समस्याओं के बारे में संवाद किया। इस अवसर पर प्रवासी जैन समाज ने अपने जन प्रतिनिधि का शॉल माला से सम्मान कर अभिनंदन किया। अलसूर जैन समाज के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने अभिनंदन समारोह में विधायक की सहज उपलब्धता की प्रशंसा की और क्षेत्र के नागरिकों की आम समस्याओं को आवाज दी। महावीर चोरड़िया ने परिसर सफाई के लिए विधायक का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर गौतम चंद चोरड़िया, पुखराज खींचा, जगन्नाथ रेड्डी, गौतम चंद छाजेड़, भरत रेड्डी, केवलचंद लोढ़ा, पदम तातेड, दिलीप भंडारी आदि अनेक जन उपस्थित थे।

शिविर में सैकड़ों लोगों ने किया रक्तदान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में अग्रवाल समाज कर्नाटक, अग्रवाल महिला मंडल, अग्रवाल युवा संघ बेंगलूरु सेन्ट्रल राउंड टेबल 90 और बेंगलूरु सेंट्रल महिला सर्कल 36 के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया, महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल, सचिव सुनीति अग्रवाल और कोषाध्यक्ष कविता तायल ने द्वीप प्रज्वलित किया। रक्तदान शिविर में मिसेज इंडिया निवर्ति गुप्ता मुख्य अतिथि व विशेष अतिथि के रूप में एसीपी वेदिका तलरेजा उपस्थित थी। शिविर में करीब 100 लोगों ने रक्तदान किया।

भारतीय स्टेट बैंक में राजभाषा पुरस्कार वितरण का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्टेट बैंक के बेंगलूरु स्थित स्थानीय प्रधान कार्यालय में वार्षिक राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। उप महाप्रबंधक (सतर्कता) उदय कुमार बिस्वास ने महाप्रबंधक एवं उपस्थित सभी स्टाफ-सदस्यों का स्वागत किया।

महाप्रबंधक नेटवर्क-3 प्रफुल्ल कुमार जेना ने समारोह की अध्यक्षता की। इस समारोह में राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के पुरस्कार महाप्रबंधक के कर कमलों से वितरित किए गए। इसके अलावा, हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों को राजभाषा शील्ड प्रदान किए गए। अपने संबोधन में समारोह के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक कुमार जेना ने शील्ड एवं पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और हम सभी को अपने कार्यों में हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने स्टाफ सदस्यों से यह भी कहा कि हिंदी के प्रति प्यार, स्नेह और उत्साह कामकाज में भी दिखना चाहिए। सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) कोंगे दत्तात्रेय राव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन शिव कुमार सिंह ने किया।

लोकगीतों से गूँज उठा चहुँदिशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच की सशक्त शाखा प्रेरणा लोक मंच की गोष्ठी रविवार को सफलता पूर्वक गूगल मीट पर संपन्न हुई। सभा में लोकगीत से देश का प्रांत - प्रांत गूँज उठा और उनकी खुशबू से सभा महक उठी। 9 रसों में समाहित था उनका रहन- सहन, वेश- भूषा जिसको सभी ने लोकगीतों के जरिए तरो- ताजा किया। चारों तरफ के लोकगीतों से सभा सज रही थी। लोकगीत जो आधारशिला है गीतों का, अब धूमिल होने लगा। लोकगीत आज की पीढ़ी में लुप्त होता नजर आ रहा है तो वही पुरानी पीढ़ी शान से जीवित रखने में सक्षम है। इसी कड़ी को संजोता यह कार्यक्रम रखा गया। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉक्टर प्रेम तन्मय ने की। बतौर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध गजलकार कमल पुरोहित अपरिचित मौजूद थे। बतौर विशिष्ट अतिथि अभ्युदय अंतरराष्ट्रीय की संस्थापक अध्यक्ष डॉक्टर इंदु झुनझुनवाला एवं वरिष्ठ रचनाकार विद्या कृष्णा उपस्थिति रहीं। डॉक्टर शैलजा की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। स्वागत ज्योति तिवारी ने किया। लोकगीत गायन में विद्या कृष्णा, निर्मला कर्ण, पुष्पा पांडे, मधु मनमौजी, रीतू प्रज्ञा, शशि रंजन वर्मा, इरा जौहरी, डॉक्टर शैलजा, देवानंद साहा, ज्योति तिवारी, मधु दाहिमा, अनीता सोनी, रतिंदर कौर, संध्या अब्राहम, वीणा मेदनी, इंदु झुनझुनवाला, कमल पुरोहित अपरिचित, प्रेम तन्मय ने भाग लिया। संचालन निर्मला कर्ण ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापित वीणा मेदनी ने किया।

सबका प्यारा श्याम हमारा भजन संध्या 29 दिसम्बर को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्थानीय धार्मिक संस्था श्याम दीवाने द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सबका प्यारा श्याम हमारा भजन संध्या की द्वादश प्रस्तुति का आयोजन 29 दिसम्बर को सुगनना कल्याण मंडपम, होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन के पास विजयनगर में आयोजित किया जाएगा। इस भजन संध्या में मशहूर भजन गायक रामकुमार लख्खा नोएडा, राहुल गहरवार कोलकाता भजनों की प्रस्तुति देंगे। नरेश पुनिया एंड पार्टी संगीत देगी। संस्था के संस्थापक सदस्यों ने बताया कि इस भजन संध्या के लिए कोलकाता के कारीगरों द्वारा बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया जाएगा। श्याम दीवाने के सदस्य इस भव्य महोत्सव की शानदार तैयारी के लिए जोरशोर से जुटे हुए हैं।

नर्सों की कुशलता बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण की आवश्यकता: मंत्री दिनेश गुंडूराव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारत के सबसे बड़े कैंसर देखभाल नेटवर्क एचसीजी द्वारा आयोजित पांचवें वार्षिक राष्ट्रीय नर्सिंग सम्मेलन - 2024 का उद्घाटन करते हुए स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा कि नर्सों के कौशल को बढ़ाने के लिए उन्नत प्रशिक्षण की आवश्यकता है। डॉक्टर जितनी परिपक्व नर्सें हमारे स्वास्थ्य की देखभाल कर रही हैं और वे संपूर्ण स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ हैं। नर्सों ने कोविड के दौरान मरीजों की सेवा के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है। यदि किसी डॉक्टर द्वारा इलाज किया जाता है, तो नर्सें मरीज की तब तक देखभाल करती हैं जब तक उसे अस्पताल से छुट्टी नहीं मिल जाती। नर्सों का काम एक सम्मानजनक पेशा है और हर किसी को उनकी निस्वार्थ सेवा को याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि नर्सों के कौशल को और बढ़ाने के लिए उन्नत प्रशिक्षण की आवश्यकता है। भारत में नर्सिंग पेशे में अपार संभावनाएं हैं, हमारी नर्सें अपनी विशेषज्ञता और प्रतिबद्धता के लिए विश्व स्तर पर पहचानी जाती हैं। उन्होंने कहा हमें प्रशिक्षण, सुविधाओं और भावनात्मक भलाई को प्राथमिकता देकर उनका समर्थन करना चाहिए। एचसीजी के सीईओ राज गोरे ने कहा नर्सों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए इस सत्र की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एचसीजी नर्सों को विशेष दर्जा दिया गया है और हम उन्हें समय के अनुसार प्रशिक्षण देकर उन्नत करने का काम कर रहे हैं। सम्मेलन में कई विषयों पर चर्चा हुई।

अपहरण और जबरन वसूली के आरोपी सीजीएसटी अधिकारी को किया सेवा से बर्खास्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जबरन वसूली और अपहरण के आरोपों का सामना कर रहे बेंगलूरु के एक कर अधिकारी को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। बेंगलूरु दक्षिण आयुक्तालय में तैनात इंस्पेक्टर सोनाली सहाय पर तीन अन्य लोगों के साथ, बेंगलूरु के चार व्यापारियों का अपहरण करने और फिरौती के लिए उन्हें बंधक बनाने का आरोप है। बेंगलूरु दक्षिण आयुक्तालय के केंद्रीय कर आयुक्त के कार्यालय से जारी बर्खास्तगी आदेश में कहा गया है कि एफआईआर, जांच अधिकारी की रिपोर्ट, रिमांड आवेदन और मजिस्ट्रेट की अदालत की कार्यवाही सहित उपलब्ध सामग्री की विस्तृत समीक्षा से स्पष्ट रूप से संकेत मिलता है कि सोनाली सहाय ने अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर मेसर्स मेक्सो सॉल्यूशंस के कर्मचारियों को आतंकित, धमकाया और डराया-धमकाया। उस समय इंटेलिजेंस ऑफिसर के पद पर तैनात सोनाली सहाय पर तीन अन्य जीएसटी अधिकारियों, अभिषेक कुमार, सेंट्रल टैक्स के अधीक्षक, साउथ कमिश्नरेट, बेंगलूरु जोन और जीएसटी इंटेलिजेंस, बेंगलूरु जोन के वरिष्ठ खुफिया अधिकारी मनोज सैनी और नागेश बाबू के साथ मिलकर अगस्त 2024 में एक व्यापारी केशव टाक और मेक्सो सॉल्यूशंस के उनके तीन सहयोगियों का अपहरण करने, उन्हें अवैध रूप से बंधक बनाने और उनकी रिहाई के लिए उनसे पैसे ऐंठने का आरोप है। आरोपियों ने कथित तौर पर 3 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी और उन्हें 1.5 करोड़ रुपये दिए गए।

आध्यात्म के रंग परिवार के संग एक पारिवारिक कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री उदितयशाजी के पावन सानिध्य में सोमवार को संयुक्त रूप से सभा, महिला, तेयुप राजाजीनगर द्वारा आध्यात्म के रंग परिवार के संग नामक कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। साध्वी के मुखारविंद से पंचपरमेष्ठी नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। साध्वी भव्य यशाजी ने गीतिका द्वारा कार्यशाला का शुभारंभ किया। उन्होंने कहानी के माध्यम से बताया कि परिवार के लिए सहनशीलता होना बहुत जरूरी है, जिससे परिवार में खुशी बनी रहे। साध्वी श्री उदित यशाजी ने आचार्य श्री तुलसी द्वारा लिखित पंचसूत्रम ग्रंथ का उल्लेख करते हुए बताया कि अनुशासन सुत्र, व्यवस्था सुत्र, आज्ञा सुत्र, आलंबन सुत्र, शांत सहवास सुत्र इन पांच नियमों की अनुपालना से परिवार स्वर्ग से सुंदर बन सकता है। हर परिवार को अपना संविधान और हाजिरी पत्र बनाना आवश्यक है। इससे परिवार के हर सदस्य की मौलिक मर्यादा तय होती है। इससे आध्यात्मिक गुणों का विकास और खुशहाल परिवार का सपना साकार होता है। इस कार्यशाला में साध्वी भव्य यशाजी के संसार पक्षिय माताजी का तेरापंथ महिला मंडल द्वारा जैन पट्ट से अभिनंदन किया गया। कार्यशाला में श्रावक श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही। कुशल मंच संचालन सतीश पोरवाड़ ने किया, जबकि कमलेश चौरडिया ने आभार जताया।

सीएम ने देवी चामुंडेश्वरी के लिए सोने के रथ के निर्माण के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने का दिया निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राजस्व विभाग के धार्मिक बंदोबस्ती विभाग के प्रधान सचिव को मैसूरु में देवी चामुंडेश्वरी के लिए स्वर्ण रथ बनाने के मामले की जांच करने और तुरंत एक प्रस्ताव प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। इस संबंध में सीएम ने विधायक दिनेश गूलीगौड़ा के अनुरोध पर विचार करते हुए अधिकारियों को यह आदेश दिया है। देवी के लिए स्वर्ण रथ बनाने की भक्तों की मांग के बाद सीएम ने यह आदेश दिया। सीएम के आदेश ने अब उस प्रयास में पहला कदम बढ़ा दिया है। चामुंडेश्वरी देवी कन्नड़ की देवी हैं। वह कन्नड़ लोगों की धार्मिक प्रतिनिधि हैं। मैसूरु में चामुंडी पहाड़ी में स्थित इस मंदिर की देवी की पौराणिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। इसीलिए मैसूरु में दशहरा को नाडा उत्सव के नाम से जाना जाता है। भक्तों की मांग है कि देवी को स्वर्ण रथ में प्रतिष्ठित किया जाए। इस संबंध में सीएम सिद्धरामैया से व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात कर मांग की गई और सलाह दी गई। स्वर्ण रथ के निर्माण की लागत सरकार को साझा करनी चाहिए और स्वर्ण रथ के निर्माण की अनुमानित लागत का प्रस्ताव सरकार को तैयार करना चाहिए। इसके लिए मंदिर में एक अलग पेटी रखना चाहिए। भक्तों को इसमें पैसा और सोना डालने की इजाजत मिलनी चाहिए। दिनेश गूलीगौड़ा ने कहा कि उन्होंने अनुरोध किया है कि सरकार को एकत्रित दान राशि से अधिक धनराशि देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि मुख्यमंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और आदेश दिया।

फिल्म कंतारा के छह जूनियर कलाकार दुर्घटना में हुए घायल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ ब्लॉकबस्टर फिल्म कंतारा के प्रीक्वल के छह जूनियर कलाकार उस वक्त घायल हो गए, जब वे जिस बस में यात्रा कर रहे थे वह जिले में पलट गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, दुर्घटना रविवार रात जडकल के पास हुई, जब फिल्म के क्रू को ले जा रही मिनी बस पलट गई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, यह घटना उस समय हुई जब वे जडकल के मुदूर में शूटिंग पूरी करने के बाद कोल्लूर लौट रहे थे।

घटना के दौरान मिनी बस में 20 जूनियर कलाकार सवार थे। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए जडकल और कुंदापुर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कोल्लूर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अब मंत्री एमबी पाटिल के खिलाफ राज्यपाल के समक्ष शिकायत दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल के खिलाफ भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के आरोपों को लेकर राज्यपाल थावरचंद गहलोत के समक्ष सोमवार को शिकायत दर्ज कराई गई है। आरटीआई कार्यकर्ता दिनेश कल्लहल्ली ने अपनी शिकायत में कहा है कि मंत्री पाटिल इंजीनियर बीआर वीरभद्रैया के भ्रष्ट कार्यों में सहायता करके कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। दिनेश ने राज्यपाल से आग्रह किया है कि मैं आपसे कांग्रेस सरकार को इस संबंध में जांच शुरू करने और कार्रवाई करने का निर्देश देने का अनुरोध करता हूं। दिनेश ने आरोप लगाया है कि बेंगलूरु के बाहरी इलाके में देवनहल्ली के पास धारवाड़ तालुक, बेंगलूरु ग्रामीण जिले, मुद्देनहल्ली और हरालुरू क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए केआईएडीबी द्वारा बुलाई गई निविदाओं और अन्य परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है। उन्होंने दावा किया फर्जी बिल बनाए गए और बिना टेंडर के ही सैकड़ों करोड़ रुपये के काम आवंटित कर दिए गए। इन सबकी गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कथित तौर पर रिश्वत और कमीशन के लिए नियमों का उल्लंघन करते हुए ई-पोर्टल पर जल्दबाजी में टेंडर आमंत्रित किए गए। इस संबंध में सरकारी परिपत्रों की अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि पारदर्शी प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया नहीं अपनाई गई, जिससे राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और बोली में भाग लेने वाली एजेंसियां पात्र नहीं थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने बोलीदाताओं के साथ मिलीभगत करके पृष्ठभूमि की जांच किए बिना परियोजनाओं को मंजूरी दे दी और उद्धृत कीमतों से अधिक राशि के लिए निविदाओं को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों और एजेंसियों द्वारा प्रदान की गई सुरक्षा जमा राशि के संबंध में कुप्रबंधन है। उन्होंने कहा कि केआईएडीबी इस संबंध में जानकारी छिपा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि निविदाएं वरिष्ठ अधिकारी बी.आर. वीरभद्रैया के साझेदारों द्वारा संचालित एजेंसियों को दी गईं। उन्होंने कहा मैं राज्य सरकार को मामले की जांच करने और आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश देने की प्रार्थना करता हूं। उक्त कंपनियों को काली सूची में डाला जाना चाहिए।

भाजपा के कार्यकाल में अधिक वक्फ नोटिस जारी किए गए: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि कर्नाटक में भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान वक्फ बोर्ड को संपत्तियों और भूमि के स्वामित्व का दावा करने वाले अधिक नोटिस जारी किए गए थे। सदाशिवनगर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को वक्फ नोटिस के संबंध में कर्नाटक सरकार पर लगाए गए आरोपों की सच्चाई सामने आ गई है, जबकि भाजपा इस मुद्दे पर कांग्रेस सरकार के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन की योजना बना रही है। सच्चाई को लंबे समय तक छिपाया नहीं जा सकता। आरोप लगाए गए थे कि हमारी सरकार ने किसानों को नोटिस जारी किए। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्रियों बी.एस. येदियुरप्पा और बसवराज बोम्मई के कार्यकाल के दौरान अधिक

नोटिस जारी किए गए थे। अब भाजपा को इस बारे में क्या कहना है?

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान पूर्व विधायक कुमार बंगारप्पा की समिति ने करीब 2,900 एकड़ जमीन पर नोटिस जारी किए थे। इसके विपरीत, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के कार्यकाल में सिर्फ 300 एकड़ जमीन पर नोटिस जारी किए गए। उन्होंने कहा भाजपा नेता, जो अब वक्फ मुद्दों पर राज्यव्यापी अभियान की योजना बना रहे हैं, उन्हें समझना चाहिए कि किसने ज्यादा नोटिस जारी किए और किसे दोषी ठहराया जाना चाहिए। विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा आयोजित जागरूकता अभियान और आंदोलन पर टिप्पणी करते हुए राज्य के गृह मंत्री ने दावा किया कि यतनाल वास्तव में वक्फ मुद्दे पर भाजपा नेताओं को शर्मिंदा करने का काम कर रहे हैं। परमेश्वर ने कहा वे इस तथ्य को उजागर कर रहे हैं कि येदियुरप्पा और बोम्मई के कार्यकाल के दौरान अधिक नोटिस जारी किए गए थे, जिससे भाजपा हलकों में बेचैनी पैदा हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया, जब हम विपक्ष में थे, तो हमें किसानों को जारी किए गए नोटिसों के बारे में पता नहीं था। अब जब मामला हमारे ध्यान में आया है, तो हम आवश्यक कदम उठा रहे हैं और सावधानी से काम कर रहे हैं। भाजपा एमएलसी, सी.टी. रवि द्वारा कांग्रेस पार्टी के उन राज्यों में ईवीएम की खराबी के बयानों की आलोचना का जवाब देते हुए, जहां वह हारती है, परमेश्वर ने कहा हमने हमेशा कहा है कि ईवीएम का चयनात्मक दुरुपयोग होता है। यह कोई नया बयान नहीं है। 2014 के बाद से, हमने लगातार आरोप लगाया है कि ईवीएम को हैक किया जा रहा है। महाराष्ट्र चुनावों के दौरान भी इस पर चर्चा हुई थी। अगर मैं ही ऐसा कह रहा होता तो इसे गलत माना जा सकता था, लेकिन पूरे देश में लोगों ने इस मुद्दे को उठाया है। रवि हमारे बयानों को समझने में विफल रहे हैं। कांग्रेस विधायक सीपी योगेश्वर के इस दावे पर कि वे एक महीने के भीतर सभी जेडी-एस विधायकों को कांग्रेस में ला सकते हैं, परमेश्वर ने कहा इसकी कोई जरूरत नहीं है। भाजपा के विपरीत, कांग्रेस 'ऑपरेशन लोटस' में शामिल नहीं है। हम ऐसा करने की योजना नहीं बना रहे हैं। अगर योगेश्वर ने ऐसा बयान दिया है, तो इसकी कोई जरूरत नहीं है। 138 विधायकों के साथ, हमारी सरकार स्थिर है, और किसी और को लाने की कोई जरूरत नहीं है।

वक्फ बिल में संशोधन मामला

मुस्लिम समुदाय के पास लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं: नसीर अहमद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद ने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, मुस्लिम समुदाय के विद्वानों और नेताओं के साथ मिलकर वक्फ बिल में संशोधन का विरोध करेगा, जिसे केंद्र सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में पेश करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के पास वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ लड़ने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा है। नसीर अहमद ने बताया ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की बैठक कर्नाटक में हो रही है। दिल्ली मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के विद्वान भी इस बिल पर चर्चा करने के लिए दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित करेंगे, जिसे केंद्र सरकार भारत में मुस्लिम समुदाय पर लागू करने की कोशिश कर रही है। हम भारत में अल्पसंख्यकों और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि हैं। हम सभी

केंद्र सरकार से वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा करने के लिए कह रहे हैं। सरकार के साथ - साथ जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) भी इस कानूनी बाधा में मुस्लिम समुदाय का समर्थन करने के बजाय इसे थोपने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस एमएलसी अहमद ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक जेपीसी का गठन किया है और इसमें केवल उनके गुट के नेता शामिल हैं जो भारत में मुस्लिम समुदाय के हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा केंद्र सरकार जो इस संशोधन को मौजूदा कानून में लाने पर अड़ी हुई है, वह मुस्लिम समुदाय से जुड़े विचारों और मुद्दों पर विचार नहीं कर रही है। कांग्रेस नेता ने कहा यही कारण है कि बेंगलूरु में दिल्ली से ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्यों ने भविष्य की कार्रवाई पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। उन्होंने आगे कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के सभी हितधारक बैठक में भाग लेंगे और चर्चा करेंगे कि हम मुस्लिम समुदाय पर संशोधन लागू करने के बजाय केंद्र सरकार को निर्णय वापस लेने के लिए कैसे मजबूर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में मस्जिद सर्वेक्षण, लिंचिंग, धार्मिक स्वतंत्रता और समान नागरिक संहिता सहित कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

वक्फ पर अतिक्रमण की जानकारी जुटाने के लिए 4 से 6 दिसंबर तक जिला भ्रमण

सरकार गलत कामों को प्रमाणित करने के लिए मतदाताओं का उपयोग कर संविधान का अपमान न करें: राजीव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव ने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों द्वारा कांग्रेस सरकार के गलत कामों की पुष्टि के लिए मतदाताओं का उपयोग करना लोकतंत्र का अपमान है।

उन्होंने इसे संविधान का अपमान बताया। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार खुद को घोटाले-मुक्त नहीं कह सकती, क्योंकि उसने उप-चुनावों में 3 निर्वाचन क्षेत्र जीते हैं। सिद्धरामैया दिखावा कर रहे हैं कि उन पर लगे आरोप झूठे हैं। हालाँकि, आपने जो घोटाले और अनियमितताएँ की हैं, वे अक्षम्य अपराध हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि भाजपा इसे लेकर और जमकर संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि लोग इस सरकार की अनियमितताओं और घोटालों को स्वीकार और माफ नहीं कर सकते। 3 सीटों पर जीत की पृष्ठभूमि में पी. राजीव ने चुनौती दी कि खुद सिद्धरामैया जो कि एक वकील हैं, उन्हें सभी केस रद्द करने का हलफनामा कोर्ट में देना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनावी जीत को न्यायिक व्यवस्था के लिए आड़ के तौर पर इस्तेमाल करना अक्षम्य अपराध है।

भाजपा के संघर्ष का परिणाम वाल्मीकि निगम के मंत्री का इस्तीफा एवं गिरफ्तारी है। सीएम के लिए यह एक झटका है। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट ने भी कहा है कि जांच होनी

चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की पदयात्रा के कारण मुख्यमंत्री के लिए 14 प्लॉट वापस करने की अपरिहार्य स्थिति आ गयी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह गलती स्वीकार करने जैसा नहीं है। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले आम चुनाव में जनता इस कांग्रेस को करारा जवाब देगी। राज्य में वक्फ विवाद छिड़ गया था। भाजपा ने इसका सफलतापूर्वक सामना किया और बताया कि कैसे राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाला प्रशासन तुष्टिकरण की पराकाष्ठा पर पहुंच रहा है और कैसे तुष्टिकरण की नीति के तहत निर्दोष किसानों की बलि दी जा रही है। उन्होंने बताया कि हमारे संघर्ष के फलस्वरूप किसान कांग्रेस की इस नीति की घोर निंदा कर रहे हैं।

सत्र 9 दिसंबर से शुरू होगा और भाजपा सदन के अंदर किसानों के पक्ष में जमकर संघर्ष जारी रखेगी। सदन में प्रवेश से पहले प्रदेश भर में 3 टीमें गठित की जाएंगी जो 4 से 6 दिसंबर तक संबंधित जिलों का दौरा कर सदन में आएंगी।

प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी इन टीमों का नेतृत्व करेंगे। हम वक्फ तुगलक नीति की निंदा करने जा रहे हैं। भाजपा अनुशासन की पार्टी है। प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश कोर कमेटी से विचार-विमर्श कर निर्णय लेते हैं। अगर यतनाल पार्टी के नियमों का उल्लंघन कर कोई बयान देते हैं और निजी हित की लड़ाई लड़ते हैं तो इसका पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। यतनाल को अपने संघर्ष के लिए राष्ट्रीय नेताओं की अनुमति नहीं मिली। प्रदेश नेताओं, जिला नेताओं से भी अनुमति नहीं ली।

इसलिए यह कोई पार्टी संघर्ष नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह पार्टी की अनुशासनहीनता भी बन जायेगी। अब तक हमने राज्य स्तर पर समस्या का समाधान करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हमें यह मंजूर नहीं है और हम यतनाल की इस हरकत को राष्ट्रीय नेताओं के ध्यान में लाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह उनके खिलाफ राष्ट्रीय नेताओं को रिपोर्ट करेंगे। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता अशोक गौड़ा, वेंकटेश डोड्डेरी उपस्थित थे।

3 निर्वाचन क्षेत्रों की जीत कांग्रेस के भ्रष्टाचार को जनता द्वारा दिया गया लाइसेंस नहीं: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि क्या डीके शिवकुमार इस बात से सहमत हैं कि महाराष्ट्र राज्य के सभी कांग्रेसियों ने इस बार भाजपा का समर्थन किया और इसके कारण हमें जीत मिली? यहां मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उपचुनावों में 3 सीटों पर जीत हासिल करने वाली कांग्रेस पार्टी ऐसे फलफूल रही है जैसे उसने 3 राज्यों में जीत हासिल की हो। उन्होंने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के इस दावे की निंदा की कि जेडीएस-भाजपा नेताओं ने उनका समर्थन किया, जो कि पूरी तरह से झूठ और गलत दावा है। सिद्धरामैया और डी.के.शिवकुमार को बता दें कि 3 निर्वाचन क्षेत्रों की जीत कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार को लोगों द्वारा दिया गया लाइसेंस नहीं है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जो कांग्रेसी यह दावा करते थे कि हर बार हार के बाद ईवीएम से छेड़छाड़ की गई, उन्हें यहां 3 सीटें जीतने के बाद शायद यह विश्वास हो गया है कि ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं हुई है। उन्होंने पूछा कि अगर महाराष्ट्र में ईवीएम में धांधली हुई तो भाजपा झारखंड

और वायनाड में ईवीएम में धांधली क्यों नहीं कर पाई। ऐसा लग रहा था मानो कांग्रेस को वायनाड के अलावा कुछ भी जीतने की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने दिखा दिया है कि उनके लिए परिवार महत्वपूर्ण है और अन्य राजनीति महत्वपूर्ण नहीं है।

वक्फ बोर्ड मामले को लेकर चार दिसंबर से टीमें जिलों का दौरा कर रही हैं। संविधान में वक्फ बोर्ड का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस बारे में झूठ बोल रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि भाजपा-आरएसएस एक जहरीले सांप की तरह है। खड़गे ने कहा कि वह इसे खत्म करना चाहते हैं। लेकिन मै पूछना चाहता हूं कि जहरीले सांप क्या हैं? देशभक्तों की तुलना जहरीले सांपों से करते हुए आप देशद्रोहियों, आतंकवादियों को दबाने और मारने की बात क्यों नहीं करते? क्या आप उनके लिए हैं? उन्होंने पूछा कि क्या यही कांग्रेस की नीति है। उन्होंने कहा आप देशद्रोहियों और आतंकवादियों के बारे में बात नहीं करते हैं। इस सरकार में वन अधिकारी भी वक्फ बोर्ड की तानाशाही की तरह तानाशाही दिखा रहे हैं। कोलार में रमेश कुमार ने वन भूमि से कब्जा नहीं हटाया है। एक-दो एकड़ जमीन पर लंबे समय से फसल उगा रहे किसानों को एक साथ लाया जा रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा अगर यतनाल पार्टी के नाम पर लड़ना चाहते हैं तो उन्हें इसे प्रदेश अध्यक्ष के ध्यान में लाना चाहिए था। उनका विश्वास हासिल करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम एक अनुशासित पार्टी हैं। नेताओं का प्राथमिक कर्तव्य कुछ ऐसे लोगों को सुधारना है जो अनुशासन से परे चले गए हैं। प्रदेश अध्यक्षों और अन्य लोगों ने अनुशासनहीनता की ओर आलाकमान का ध्यान खींचने का काम किया है। इससे पहले केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा था कि चन्नपट्टना में कांग्रेस की जीत का कारण भाजपा का समर्थन और जद (एस) का सहयोग है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी ने कहा है कि चन्नपट्टना की हार एक साजिश थी। चन्नपट्टना की हार एक साजिश है तो बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में डीके सुरेश की हार को क्या कहा जाए। डॉ. सीएन मंजूनाथ को भाजपा ने उतारा और वह जीत गए? क्या यह एक साजिश नहीं है? जिस दिन से चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र खाली हुआ है, मैंने अंजनेय मंदिर में पूजा की है और विधानसभा क्षेत्र में घर-घर जाकर समस्या सुनी है। घर की जमीन की कमी, खेती की समस्या, सिंचाई, सड़क समेत कई समस्याएं हैं। आने वाले दिनों में उन सभी का समाधान कर लिया जाएगा।

उन्होंने कहा, बेलगावी सत्र से पहले जीत हासिल करने वाले सीपी योगेश्वर और मैं प्रगति समीक्षा बैठक करेंगे और विकास पर ध्यान केंद्रित करेंगे। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ 16 हजार वोट मिले थे। भाजपा ने हमें उपचुनाव जीतने में मदद की है। उनका प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष समर्थन बहुत महत्वपूर्ण था। जेडीएस ने भी हमारी मदद की।

इसीलिए कांग्रेस का वोट शेयर बढ़ा है। हमने अपने नेताओं पर भरोसा किया जिसने सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी को जीत दिलाई। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने योगेश्वर के विकास के लिए वोट किया, उन्हें इसका श्रेय दिया जाना चाहिए। हमारा उद्देश्य जिले को जेडीएस मुक्त बनाना नहीं है। पार्टी के पास पहले 19 विधायक थे। उन्होंने कहा कि अब यह घटकर 18 रह गई है।

वेतन वृद्धि और बकाया सहित विभिन्न मांगों को लेकर

केएसआरटीसी, बीएमटीसी सहित चार निगमों के परिवहन कर्मचारी हड़ताल पर जाने की बना रहे योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केएसआरटीसी, बीएमटीसी सहित चार निगमों के परिवहन कर्मचारी वेतन वृद्धि और बकाया सहित विभिन्न मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर हड़ताल पर जाने की योजना बना रहे हैं। राज्य सरकार ने पिछले कई महीने से बकाया का भुगतान नहीं किया है। जनवरी में ही सैलरी बढ़ जानी चाहिए थी।

लेकिन नवंबर आते-आते कोई सुराग नहीं है। इसी पृष्ठभूमि में ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने बेलगावी सत्र में सरकार को नोटिस जारी कर ट्रांसपोर्ट हड़ताल की तैयारी की है। परिवहन कर्मचारियों के वरिष्ठ नेता अनंत सुब्बाराव ने अगले महीने 31 दिसंबर से परिवहन हड़ताल का आह्वान किया है। प्रक्रिया के मुताबिक, 9 दिसंबर को बेलगावी सत्र के दौरान बेलगावी चलो का आह्वान किया जाएगा और राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मांगों को पूरा करने का अनुरोध किया जाएगा। औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा-22 के अनुसार हड़ताल से 21 दिन पहले नोटिस देना होगा।

इसी पृष्ठभूमि में 9 दिसंबर को नोटिस देकर 31 दिसंबर से ट्रांसपोर्ट हड़ताल करने का निर्णय लिया गया।

छह परिवहन श्रमिक संगठनों के परिसंघ द्वारा एक संयुक्त कार्रवाई समिति का गठन किया गया है, और उन छह संगठनों ने हड़ताल के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। मांगों को पूरा करने में सरकार विफल रही तो बस यातायात बंद कर दिया जायेगा। परिवहन कर्मचारी नेता अनंत सुब्बाराव ने कहा आप जानते हैं कि केएसआरटीसी की हड़ताल कैसी होती है। वे हमें फोन करके हड़ताल वापस लेने की धमकी नहीं दे सकते। हम हड़ताल का फैसला तभी वापस लेंगे जब हमारी मांगें पूरी होंगी। हमारी संयुक्त कार्रवाई समिति के सभी संगठन सहमत हैं। हम हड़ताल की तैयारी के लिए अपने सभी कर्मचारियों को बुलाएंगे। हम सभी को जागरूक करेंगे। राज्य सरकार ने केएसआरटीसी, बीएमटीसी समेत चार निगमों के कर्मचारियों को 38 महीने का बकाया जारी नहीं किया है। जनवरी 2024 तक कर्मचारियों की सैलरी में बढ़ोतरी होनी चाहिए थी। लेकिन नवंबर का महीना आ जाने के बावजूद सरकार ने अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का पैसा जारी नहीं किया गया है। 1750 करोड़ रुपये बकाया है। उन्होंने कहा कि ग्रेच्युटी का पैसा करीब 399.29 करोड़ रुपये है। अब देखना यह है कि सीएम परिवहन कर्मियों की मांगों को पूरा करेंगे या नहीं।

नवीनतम वायु गुणवत्ता बुलेटिन में कर्नाटक के सात शहरों में स्वच्छ हवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपसीबी) द्वारा जारी वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बुलेटिन में भारत के 13 अच्छी वायु गुणवत्ता वाले शहरों में कर्नाटक के सात शहरों को सूचीबद्ध किया गया है।

जारी किए गए इस बुलेटिन में पिछले 24 घंटों के आंकड़ों के आधार पर देश भर के 262 शहरों की वायु गुणवत्ता को रैंक किया गया है। कर्नाटक के चामराजनगर, बागलकोट, हावेरी, कोलार, मदिकेरी, मेंगलूरु और विजयपुरा में एक्यूआई का स्तर 0 से 50 के बीच है, जो न्यूनतम वायु प्रदूषण और नगण्य स्वास्थ्य प्रभावों को दर्शाता है। अच्छी वायु गुणवत्ता वाले अन्य शहरों में आइजोल (मिजोरम), कड्डलुर, तंजावुर, तिरुनेलवेली (तमिलनाडु) और कन्नूर, त्रिशूर (केरल) शामिल हैं। हालांकि इन शहरों में स्वच्छ हवा का आनंद लिया जा रहा है, लेकिन दिल्ली, मुंबई और नागपुर जैसे कई अन्य शहरों में वायु गुणवत्ता खराब है, जबकि धनबाद और विशाखापत्तनम बहुत खराब श्रेणी में आते हैं। एक्यूआई की गणना हवा में पाँच प्रमुख प्रदूषकों की सांद्रता के आधार पर की जाती है, पीएम2.5 (पार्टिकुलेट मैटर), पीएम10, कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ), नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (एनओ2), और ओजोन (ओ3)। प्रत्येक प्रदूषक को एक मान दिया जाता है जो एक विशिष्ट एक्यूआई श्रेणी से मेल खाता है, जो अच्छा (0-50) से लेकर गंभीर (401-500) तक होता है। इन प्रदूषकों के बीच उच्चतम एक्यूआई मान किसी विशेष स्थान के समग्र एक्यूआई को निर्धारित करता है। पीएम हवा में निलंबित छोटे कणों या बूंदों को संदर्भित करता है। ये कण ठोस या तरल हो सकते हैं और उनके आकार के आधार पर वर्गीकृत किए जाते हैं। पीएम 2.5 2.5 माइक्रोमीटर या उससे छोटे व्यास वाले कणों को संदर्भित करता है, जबकि पीएम10 10 माइक्रोमीटर या उससे छोटे कणों को संदर्भित करता है। जब एक्यूआई 0-50 के बीच होता है, तो इसका स्वास्थ्य पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है। 51-100 रेंज में, संवेदनशील व्यक्तियों को सांस लेने में थोड़ी परेशानी हो सकती है और 101-200 रेंज में, फेफड़े, अस्थमा या हृदय की बीमारी वाले लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

मुडा घोटाला मामला

याचिकाकर्ता का आरोप, लोकायुक्त अधिकारी आरोपियों को बचाने की कर रहे कोशिश

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय में सुनवाई की पूर्व संध्या पर, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से जुड़े मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में याचिकाकर्ता ने मामले की जांच कर रहे लोकायुक्त अधिकारियों पर आरोपियों को बचाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

मैसूरु में मीडिया से बात करते हुए याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने कहा कि यह बात सामने आई है कि लोकायुक्त से जुड़े अधिकारी आरोपियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने सीबीआई जांच की अपनी मांग दोहराते हुए कहा कि जिस जांच एजेंसी पर आरोपियों का पक्ष लेने का आरोप है, उसके लिए मुडा मामले की जांच करना उचित नहीं है। मुझे विश्वास है कि उच्च न्यायालय, जो मुडा घोटाले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग करने वाली मेरी याचिका पर विचार कर रहा है, मेरी मांग पर विचार करेगा। यह मामला मंगलवार को उच्च न्यायालय में आने की संभावना है। स्नेहमयी कृष्णा ने आरोप लगाया कि लोकायुक्त अधिकारी कांग्रेस सरकार के मंत्रियों से निर्देश ले रहे थे, जिससे गड़बड़ी का संदेह पैदा हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले से जुड़े कुछ दस्तावेज भी नष्ट कर दिए गए या छिपा दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया, 28 जून को मुडा कार्यालय पर छापेमारी के लिए सर्च वारंट जारी किया गया था, लेकिन लोकायुक्त ने अभी तक जांच नहीं की है। उन्होंने यह भी मांग की कि मामले की अब तक जांच में शामिल लोकायुक्त अधिकारियों को भविष्य की जांच से बाहर रखा जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने मुडा जांच में अनियमितताओं का आरोप लगाया और दावा किया कि लोकायुक्त द्वारा जांच को अचानक रोक दिया गया। लोकायुक्त एक विशेष अदालत के आदेश के बाद मुडा मामले की जांच कर रहे हैं। मुडा मामले में सीएम सिद्धरामैया के परिवार को 14 भूखंडों/साइटों का कथित अवैध आवंटन शामिल है। इसमें सीएम सिद्धरामैया और अन्य राजनेताओं के समर्थकों को हजारों साइटों का कथित अवैध आवंटन भी शामिल है।

7 महीनों में 135 नवजात शिशुओं और 28 माताओं की मौत

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। गत अप्रैल से नवंबर 2024 तक सात महीनों की अवधि में, जिले में कुल 135 नवजात शिशुओं और 28 माताओं की मृत्यु हुई है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शनुमुकप्पा एच. ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा पिछले सात महीनों में, चिगाटेरी सरकारी अस्पताल में 111 नवजात शिशुओं की मृत्यु हुई है, और दावणगेरे के चामराजपेट में महिला और बाल अस्पताल में 24 नवजात शिशुओं की मृत्यु हुई है। इस प्रकार से कुल मिलाकर 135 मौतें हुई हैं।

इसके अलावा, सरकारी अस्पतालों में 23 माताओं की मृत्यु हुई और निजी प्रसूति अस्पतालों में 5 की मृत्यु हुई, जिससे मातृ मृत्यु की कुल संख्या 28 हो गई। डॉ. शनुमुकप्पा के अनुसार, इन सात महीनों में, चिगाटेरी अस्पताल में 1,103 शिशुओं को भर्ती कराया गया, और 882 शिशुओं को छुट्टी दे दी गई। 44 शिशुओं को अन्य अस्पतालों में रेफर किया गया। महिला एवं बाल अस्पताल में 732 बच्चे भर्ती हुए, 657 शिशुओं को छुट्टी दी गई और 34 शिशुओं को अन्य अस्पतालों में भेजा गया। चिगाटेरी अस्पताल और दावणगेरे में महिला एवं बाल अस्पताल दोनों में नवजात शिशु देखभाल इकाइयाँ (एनसीयू) हैं। डॉ. शनुमुकप्पा ने कहा कि आसपास के जिलों और तालुक अस्पतालों में नवजात शिशु देखभाल इकाइयों और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण अक्सर अंतिम चरण में मामलों को दावणगेरे के अस्पतालों में भेजा जाता है, जिससे उच्च मृत्यु दर होती है। यह मृत्यु दर केवल सरकारी अस्पतालों के आँकड़ों को दर्शाती है। अगर हम निजी अस्पतालों के आँकड़ों पर विचार करें, तो यह दर और भी अधिक हो सकती है। बड़ी संख्या में मामले पड़ोसी जिलों से आते हैं।

जबकि दावणगेरे जिले में समग्र मृत्यु दर अपेक्षाकृत कम है, लेकिन मौतों की उच्च संख्या मुख्य रूप से चित्रदुर्ग, हरपनहल्ली, रानीबेन्नूर और शिवमोग्गा सीमा क्षेत्र जैसे आस-पास के जिलों से रेफरल के कारण होती है। अगर हम जिले के अपने आँकड़ों की जाँच करें, तो मृत्यु दर लगभग 69 प्रतिशत कम है। हालांकि, जब अन्य जिलों के मामलों को शामिल किया जाता है, तो कुल मृत्यु दर बढ़ जाती है। समय से पहले जन्म, केवल 500-600 ग्राम वजन वाले बच्चे, और यांत्रिक जन्म शैली या जन्म दोष जैसी जटिलताओं के कारण अक्सर उपचार विफल हो जाता है और मृत्यु हो जाती है।

खाकी को वही होना चाहिए जो होना चाहिए कांग्रेसी नहीं बनना चाहिए: विधायक सुनील कुमार

पुलिस विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। करकला के विधायक सुनील कुमार ने पुलिस अधीक्षक और पुलिस विभाग के खिलाफ आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा खाकी को खाकी ही रहना चाहिए, खाकी को कांग्रेसी नहीं बनना चाहिए। झूठे मुकदमों के जरिए हिंदू कार्यकर्ताओं के कथित दमन की निंदा करने के लिए आयोजित यह विरोध प्रदर्शन सोमवार को ऑस्कर फर्नांडीस सर्किल पर हुआ। सभा को संबोधित करते हुए सुनील कुमार ने कहा पुलिस अधिकारियों द्वारा बिना किसी सार्वजनिक अशांति के हिंदू संगठनों के खिलाफ मुकदमा दायर करके उन्हें निशाना बनाना अस्वीकार्य है। विभाग को निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए और कांग्रेस पार्टी की कठपुतली की तरह काम नहीं करना चाहिए। राज्य सरकार मुस्लिम समुदाय का पक्ष लेती दिखती है, उनके संगठनों को स्वतंत्र रूप से काम करने की अनुमति देती है, जबकि हिंदू संगठनों को ज्ञापन सौंपने के लिए भी मुकदमों का सामना करना पड़ता है। उडुपी में, हिंदू कार्यकर्ताओं को अपनी बात कहने के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। हम इस पक्षपात की निंदा करने के लिए सत्र में एक प्रस्ताव पेश करने की योजना बना रहे हैं। 10 से अधिक कार्यकर्ताओं पर अन्यायपूर्ण तरीके से कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस को अपने कर्तव्यों पर ध्यान देना चाहिए और कांग्रेस की ओर से काम नहीं करना चाहिए।

ऐसा लगता है कि राज्य सरकार हिंदू संगठनों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने पर आमादा है। हिंदू मेलों में मुस्लिम स्टॉल को लेकर विवाद पर टिप्पणी करते हुए सुनील कुमार ने कहा कानून में स्पष्ट किया गया है कि हिंदू मेलों में केवल हिंदू स्टॉल लगाने की अनुमति है। अगर हिंदुओं को हिंदू मंदिरों में व्यापार करने का अवसर देने की वकालत करना गलत माना जाता है, तो ऐसा लगता है कि हमें अपनी चिंताओं को व्यक्त करने का कोई अधिकार नहीं है। बजरंग दल के सुनील केआर ने आरोप लगाया कि उडुपी एसपी अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए राज्य सरकार के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी ऐसी घटनाएं हुई हैं, जहां मस्जिद की जांच कर रही पुलिस पर हमला किया गया, जिससे कई लोग हताहत हुए। मेंगलूरु में भी ऐसी ही घटनाएं हुई हैं। हमारी आजादी युवा हिंदुओं के बलिदान से हासिल हुई थी, फिर भी आज देश और हिंदुओं के लिए काम करने वाले देशभक्तों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। न्याय के लिए बनी भारतीय दंड संहिता का इस्तेमाल राजनीतिक एजेंडे के कारण राष्ट्रवाद के लिए काम करने वालों को दबाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा पुलिस को राष्ट्रवादियों और हिंदू विरोधियों के बीच अंतर करना चाहिए और स्थितियों को व्यावहारिक रूप से देखना चाहिए। हिंदू मेलों में, अगर कार्यकर्ता जिहादियों द्वारा स्टालों का विरोध करते हैं, तो उनके खिलाफ मामले दर्ज किए जाते हैं। जब हिंदू कार्यकर्ता अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाते हैं, जैसे कि दलित लड़की को नशीला पदार्थ खिलाकर बलात्कार करना, तो उन्हें समर्थन के बजाय कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ता है। जबकि पुलिस लोगों के अनुकूल होने का दावा करती है, वे हमारे खिलाफ तुरंत नोटिस जारी करते हैं। मुख्यमंत्री इसे हिंदुत्व की फैक्ट्री कहते हैं, लेकिन यह पाकिस्तान नहीं है, यह हिंदुत्व की फैक्ट्री है, और हम अवैध गतिविधियों में शामिल हुए बिना राष्ट्र और धर्म के लिए खड़े हैं। हिंदू जागरण वेदिके के प्रशांत ने कहा हम कानून का सम्मान करते हैं और डॉ. बी.आर. अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान के तहत काम करते हैं। एसपी को इस जिले की भावनाओं को समझना चाहिए और जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। हिंदू कार्यकर्ताओं का मजाक उड़ाकर आप अपनी भूमिका को कमजोर कर रहे हैं और विरोध को भड़का रहे हैं। इस जिले में अपने तबादले के बाद से एसपी ने सामाजिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ कई कानूनी मामले दर्ज किए हैं, लेकिन अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहे हैं। उनकी अपमानजनक टिप्पणी और सत्ता का दुरुपयोग बेकार नहीं जाएगा। हिंदू जागरण वेदिके न्याय मिलने तक अपना विरोध जारी रखेगा। बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद महानिरीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा गया।

मैं अब भी मूल जेडीएस का हूं अध्यक्ष : सी एम इब्राहिम

जीटी देवेगौड़ा से की मुलाकात

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री और पूर्व एमएलसी सी एम इब्राहिम ने दावा किया कि वे अब भी मूल जेडी(एस) के अध्यक्ष हैं और उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री और पार्टी सुप्रीमो एचडी देवगौड़ा से भाजपा से नाता तोड़ने को कहा, ताकि पार्टी को फिर से मजबूत किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जेडी(एस) को मजबूत करने या एक नई क्षेत्रीय पार्टी बनाने के विकल्प तलाशे जा रहे हैं। वे सोमवार को मैसूरु में जेडी(एस) विधायक और पूर्व मंत्री जी टी देवगौड़ा से मुलाकात के बाद मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे, जिन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई है कि उन्हें पार्टी में दरकिनार कर दिया गया है और पार्टी नेताओं ने उनके राजनीति से संन्यास लेने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा अगर जीटी देवगौड़ा पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस में शामिल होते, तो वे अब मंत्री होते। हमने पार्टी को मजबूत करने के लिए उन्हें जेडी(एस) में बनाए रखा। अब, देवगौड़ा के राजनीतिक करियर को खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

मैंने जीटी देवगौड़ा से सभी मामलों पर चर्चा की है। दो दिन में मैं कर्नाटक का दौरा करूंगा और कुछ नेताओं से मिलूंगा। उसके बाद मैं फिर देवेगौड़ा से मिलूंगा और फिर आगे की रणनीति तय करूंगा। इब्राहिम ने कहा असली जेडी(एस) हमारी है। मैं अभी भी इसका प्रदेश अध्यक्ष हूं। सभी दस्तावेज और खाते हमारे नाम पर हैं। अब भी अगर देवेगौड़ा भाजपा का साथ छोड़कर वापस आते हैं तो हम फिर से जेडी(एस) बनाएंगे। अन्य विकल्पों पर बोलते हुए इब्राहिम ने कहा हमने अभी तक कांग्रेस के साथ जाने का फैसला नहीं किया है। हम केवल तीसरा मोर्चा बनाने पर विचार कर रहे हैं। चाहे वह एक नई क्षेत्रीय पार्टी की स्थापना हो, तीसरा मोर्चा बनाना हो या जेडी(एस) को मजबूत करना हो, इस पर जल्द ही फैसला किया जाएगा। इससे पहले दिन में देवगौड़ा से मुलाकात से पहले इब्राहिम ने कहा था कि जेडी(एस) के 12 से 13 विधायक पार्टी से असंतुष्ट हैं, लेकिन देवगौड़ा की तरह ही वे भी दर्द सह रहे हैं। उन्होंने कहा अब मैंने उन्हें एकजुट करने का काम शुरू कर दिया है। जेडी(एस) के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपने विधायकों की शिकायतों को दूर करूं। इस समय जेडी(एस) में आग लगी हुई है और जेडी(एस) के सभी विधायक अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र को बचाना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने एक-एक करके बोलना शुरू कर दिया है।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी को अपने तौर-तरीके सुधारने चाहिए और जेडी(एस) को एक परिवार के स्वामित्व वाली कंपनी बनाना बंद करना चाहिए। जेडी(एस) की स्थिति निराशाजनक हो गई है। भाजपा के प्रति उसका प्रेम खत्म हो गया है। उन्हें यह समझना चाहिए। जब मैं कुमारस्वामी के साथ था, तो उन्होंने चन्नपट्टना में सिर्फ 4 करोड़ रुपये खर्च किए और 20,000 वोटों से जीते। अब, मेरे बिना, उन्होंने 150 करोड़ रुपये खर्च किए और फिर भी 25,000 वोटों से हार गए। मुसलमानों के समर्थन के बिना, जेडी(एस) एक भी सीट नहीं जीत सकती। अब, यह साबित हो गया है कि 2023 में जेडी(एस) के 19 विधायक मुसलमानों की वजह से जीते हैं।

कोर्ट ने 69 लाख के अमेजन घोटाले मामले में एफआईआर रद्द करने की याचिका की खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन से 69 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने के आरोपी दो व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर को रद्द करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने इस मामले को आधुनिक युग के अपराध का उदाहरण बताया। याचिकाकर्ता सौरीश बोस और दीपन्विता घोष ने एफआईआर और मामले का संज्ञान लेने वाले मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को रद्द करने की मांग की थी। दोनों के खिलाफ 2017 में मामला दर्ज किया गया था, जब अमेजन के एक कर्मचारी ने उनकी कथित धोखाधड़ी गतिविधियों का खुलासा किया था, जो कथित तौर पर वर्षों से चल रही थीं। शिकायत के अनुसार, बोस अपने बैंक खाते का उपयोग करके अमेजन से उच्च-स्तरीय उत्पाद मंगवाते थे, उन्हें घोष के पते पर डिलीवर करवाते थे और 24 घंटे के भीतर वापसी का अनुरोध करते थे। रिफंड प्राप्त करने के बाद, बोस कथित तौर पर असली वस्तुओं को सस्ते नकली सामानों से बदल देते थे, उन्हें फिर से पैक करते थे और उन्हें वापस अमेजन भेज देते थे। अभियोजन पक्ष ने कहा कि वापसी के पते कभी-कभी घोष के निवास से जुड़े होते थे, जबकि अन्य बार वे बेंगलूरु में विभिन्न स्थानों से जुड़े होते थे। बोस और घोष पर भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति की डिलीवरी के लिए प्रेरित करना) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी के तहत आरोप लगाए गए हैं, जो ऑनलाइन धोखाधड़ी से संबंधित है। मामले को रद्द करने की उनकी याचिका को उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया।

वैष्णो देवी में रोप-वे का विरोध हिंसक हुआ, पत्थरबाजी में दर्जनों जख्मी

जम्मू, 25 नवंबर (ब्यूरो)। विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल वैष्णो देवी में रोप-वे के विरोध में आरंभ हुआ आंदोलन आज उस समय हिंसक हो गया जब आंदोलनकारियों ने कटड़ा में कई स्थापनों पर पुलिस पर पत्थर फैंके। दरअसल वैष्णो देवी मंदिर की ओर जाने वाले ट्रेक मार्ग पर प्रस्तावित रोप-वे परियोजना के खिलाफ दुकानदारों और मजदूरों द्वारा निकाले गए मार्च के दौरान, कुछ प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प हो गई थी।

पुलिस का कहना था कि कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई है और स्थिति को शांत करने के लिए बातचीत की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि प्रदर्शनकारियों द्वारा हाथापाई के बाद एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। जबकि अपुष्ट समाचारों के अनुसार, दर्जनभर लोग पथराव में जख्मी हुए हैं। घायलों में कोई श्रद्धालु शामिल नहीं है। सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित तीर्थस्थान में आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए बेस कैंप कटड़ा शहर में मार्च और धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने, जिन्होंने शुरू में 72 घंटे की हड़ताल का आह्वान किया था, रविवार देर रात इसे 24 घंटे के लिए बढ़ा दिया।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा ताराकोट मार्ग से सांझी छत के बीच 12 किमी लंबे मार्ग पर 250 करोड़ रुपए की लागत वाली यात्री रोप-वे परियोजना को लागू करने की घोषणा के बाद दुकानदारों, टट्टू और पालकी मालिकों का विरोध चल रहा है। उनका कहना है कि माता वैष्णो देवी रोप-वे परियोजना लागू हो जाने से हम बेरोजगार हो जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने प्रस्ताव को तत्काल वापस लेने और परियोजना से प्रभावित होने वाले सभी परिवारों के समुचित पुनर्वास की मांग की। माता वैष्णो देवी रोप-वे परियोजना के तहत वैष्णो देवी दरबार तक जाने के लिए भक्तों को रोप-वे की सुविधा दी जाएगी। इस फैसिलिटी की मदद से तकरीबन एक घंटे में भवन तक का सफर पूरा कर सकेंगे। जानकारी के मुताबिक, ये प्रोजेक्ट 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है और करीबन 1000 लोग इस रोप-वे से सफर कर पाएंगे।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) ने तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक और त्वरित बनाने के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित रोप-वे परियोजना को लागू करने का निर्णय लिया था। एसएमवीडीएसबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुल गर्ग ने कहा था कि रोप-वे परियोजना एक परिवर्तनकारी परियोजना होगी, विशेषकर उन तीर्थयात्रियों के लिए, जिन्हें गुफा तक जाने के लिए 13 किमी की खड़ी चढ़ाई चढ़ना चुनौतीपूर्ण लगता है। अंशुल गर्ग के बकौल, रोप-वे से विशेष रूप से बुजुर्ग तीर्थयात्रियों और उन लोगों को लाभ होगा जो शारीरिक कमियों या हेलीकाप्टर सेवाओं की सीमित क्षमता के कारण कठिन यात्रा पूरी नहीं कर सकते। इसके अलावा, बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया कि परियोजना के कार्यान्वयन के दौरान स्थानीय हितधारकों की चिंताओं पर भी विचार किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि निर्णय को अंतिम रूप दिए जाने के बाद बोर्ड का लक्ष्य जल्द ही जमीनी कार्य शुरू करना है।

अधिकारियों के अनुसार, रोप-वे ताराकोट मार्ग को मुख्य तीर्थ क्षेत्र भवन से जोड़ेगा। उन्होंने बताया कि पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है, जिससे श्रद्धालुओं को त्रिकुटा पहाड़ियों के शानदार दृश्य देखने को मिलेंगे, जिससे आध्यात्मिक और सुंदर अनुभव में वृद्धि होगी। रोप-वे से प्रतिदिन कई हजार श्रद्धालुओं के आवागमन की उम्मीद है, जिससे पारंपरिक पैदल पथ पर भीड़भाड़ काफी कम हो जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि घंटों लंबी यात्रा की तुलना में यह यात्रा कुछ ही मिनटों की रह जाएगी। पर स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं।

बर्फ से गुलजार हुआ गुलमर्ग, आने लगे सैलानी

जम्मू, 25 नवंबर (ब्यूर)। उत्तरी कश्मीर में स्थित गुलमर्ग का सुरम्य स्थान, बर्फ से ढके परिदृश्यों से सुसज्जित एक मनोरम स्वर्ग में बदल चुका है, जो रोमांच और शांति की तलाश करने वाले पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। बर्फ से ढका गुलमर्ग पर्यटकों और साहसिक खेलों के प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर देने वाला अनुभव प्रदान कर रहा है। यही कारण है कि बर्फ के गिरते ही विश्व प्रसिद्ध पर्यटनस्थल गुलमर्ग सैलानियों को पुकारने लगा है क्योंकि जम्मू कश्मीर के पहाड़ी इलाके में बसा गुलमर्ग सर्दियों और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरा है।

समुद्र तल से लगभग 8,694 फीट की ऊंचाई पर, गुलमर्ग सर्दियों के महीनों के दौरान एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण बन चुका है। बर्फ से ढका यह इलाका आगंतुकों और साहसिक प्रेमियों को एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला अनुभव प्रदान कर रहा है, जो इसे एक पसंदीदा गंतव्य बना रहा है। बर्फबारी के बाद राष्ट्रीय स्तर के शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए प्रसिद्ध गुलमर्ग, खुद को शीतकालीन खेल केंद्र के रूप में स्थापित कर चुका है। इस क्षेत्र में विश्व स्तरीय स्की रिसॉर्ट हैं, जो स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और विभिन्न शीतकालीन खेलों के अवसर प्रदान कर रहे हैं। इसका आकर्षक इलाका दुनिया भर से साहसिक चाहने वालों और पेशेवर एथलीटों को आकर्षित कर रहा है।

गुलमर्ग में केबल कार की सवारी गोंडोला दुनिया की सबसे ऊंची केबल कारों में से एक है, जो लुभावनी यात्रा पर निकलने वाले आगंतुकों को एक शानदार अनुभव प्रदान कर रही है। गोंडोला की सवारी माउंट अफरवाट तक जाती है, जहां आगंतुकों को विस्मयकारी मनोरम दृश्यों का आनंद मिलता है। बर्फ से ढकी चोटियां और शांत सफेद परिदृश्य का विशाल विस्तार। बेंगलुरु की एक पर्यटक विधि के शब्दों में, गुलमर्ग मनोरम और आकर्षक है, यह अब तक हमारे द्वारा देखी गई सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। गुलमर्ग उन सभी लोगों के लिए शीतकालीन स्वर्ग है जो अद्वितीय और दुनिया से अलग अनुभव के साथ प्रकृति की गोद में जाना चाहते हैं। हम यहां आकर रोमांचित हैं।

जबकि मुंबई से आए पर्यटकों के एक समूह का कहना था कि गुलमर्ग की अपील इसके साहसिक खेलों से कहीं आगे तक फैली हुई है। प्रकृति की भव्यता के बीच शांति चाहने वालों के लिए यह शहर एक शांत स्थान प्रदान करता है। बर्फ से ढके देवदार के जंगल, जमी हुई झीलें, दुनिया से बाहर का दृश्य प्रस्तुत करते हैं। इन दिनों चूंकि कश्मीर में बर्फबारी हो रही है, इसलिए रिकार्ड संख्या में पर्यटक गुलमर्ग में शांति और आसपास की सुंदरता का आनंद लेने के लिए पहुंच रहे हैं। मध्य प्रदेश से आई एक पर्यटक श्रीषा ने कहा कि बर्फ से ढके परिदृश्य और कश्मीरी आतिथ्य की गर्माहट अविस्मरणीय है, हम जीवन भर याद रखने योग्य यादें अपने साथ ले जा रहे हैं।

सर्दियों के मौसम की शुरुआत के साथ, गुलमर्ग का मनमोहक स्की रिसॉर्ट दुनिया भर के पर्यटकों के लिए बर्फ से ढके स्वर्ग में बदल जाता है, जो अपनी भव्यता और राजसी सुंदरता से आकर्षित और आश्चर्यचकित हो जाते हैं। साहसिक प्रेमियों के लिए रोमांचकारी, गुलमर्ग उन पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है जो बर्फ से लदी ढलानों के रोमांच के बीच प्रकृति की भव्यता का आश्रय लेना चाहते हैं।

विदेश में बैठे तस्कर कम उम्र के युवाओं से करा रहे ड्रग्स की तस्करी

पठानकोट (पंजाब), 25 नवंबर (एजेंसियां)। पठानकोट के बॉर्डर क्षेत्र में नशा तस्करी बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। अभी तक अवैध खनन के लिए बदनाम इस क्षेत्र में युवा बड़े स्तर पर नशा तस्करी में शामिल हो रहे हैं। यह खुलासा पंजाब पुलिस की जांच में हुआ है। जांच के अनुसार विदेश में बैठे तस्कर 18 से 20 साल के युवाओं से बॉर्डर में ड्रोन मूवमेंट और ड्रग्स तस्करी करा रहे हैं। पठानकोट के एसएसपी दलजिंदर सिंह ढिल्लों ने कहा, पठानकोट के सीमावर्ती क्षेत्र में बड़े पैमाने पर ड्रोन मूवमेंट, नशा तस्करी और अवैध माइनिंग हो रही है। जेएंडके और हिमाचल प्रदेश से सटा हुए पठानकोट क्षेत्र के युवाओं को पैसों का लालच दिया जा रहा है। कुछ समय पहले विदेश में बैठे अमृतसर, तरनतारन और फिरोजपुर के जिलों के युवकों ने करीब एक साल पहले जेएंडके के कठुआ में एक पार्टी के दौरान यह गिरोह बनाया था। इसके बाद युवक विदेश चले गए और वहां से अन्य युवकों को अमीर बनने का लालच देकर बॉर्डर क्षेत्र में तस्करी के लिए ऑनलाइन लोकेशन मंगवाने लगे। जम्मू कश्मीर से एक युवक उन्हें पैसे ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करवाता था।

एसएसपी ने कहा कि विदेश में बैठे तस्कर 18-20 साल तक के युवकों को गिरोह में शामिल करने लगे हैं। अब जो नशा तस्करी और ड्रोन मूवमेंट हो रही है, उसमें भी उनका हाथ है।

बॉर्डर क्षेत्र के चार ऐसे गांव हैं, जहां ड्रोन से सबसे ज्यादा नशा गिराया जा रहा है। अब वहां पुलिस ने टेंट लगाकर पोस्टें बनाई हैं।

यहां क्यूआरटी, ईआरटी व्हीकल, घातक कमांडो भी तैनात किए जा रहे हैं। एसएसपी का कहना है कि नशा तस्करी के अलावा अवैध खनन भी यहां बड़ी चुनौती है। पठानकोट में 144 क्रशर है। उन्होंने आशंका जताई कि आने वाले समय में यहां अवैध खनन से जुड़ा अपराध बढ़ सकता है।

एक क्रशर पर अगर गैर कानूनी माइनिंग ढंग से खनन सामग्री आ रही है तो उनके साथ बदमाश भी आने लगे हैं। माइनिंग माफिया से जुड़े लोग हिमाचल व पंजाब सीमा पर अवैध माइनिंग करने से पहले एरिया को गूगल पर सर्च करते हैं।

जम्मू कश्मीर सीमा क्षेत्र : दुश्मनी की बंदूकें शांत, मगर घुसपैठ थम नहीं रही

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 25 नवंबर।

पाकिस्तान से सटी 1202 किमी लंबी एलओसी तथा समा पर लाखों लोगों की खुशी का दूत बनने वाला सीजफायर आज रात को 21 साल पूरे कर रहा है। जम्मू कश्मीर की 1202 किमी लम्बी एलओसी रेखा तथा सीमाओं पर 21 साल पहले लागू हुए इस सीजफायर ने लोगों की जिन्दगी में खुशहाली लाने के साथ ही उन्हें जिन्दगी के सही अर्थ समझा दिए हैं। हालांकि पिछले 20 सालों से सीमाओं पर दो 'परम्परागत' दुश्मन सेनाओं की बंदूकें तो काफी हद तक शांत हैं मगर घुसपैठ के न रूकने से भारतीय बंदूकों को अक्सर आग उगलनी पड़ रही है।

इस सीजफायर की जिम्मेदारी निभाने वाली सेना की उत्तरी कमान के रक्षा प्रवक्ता ने कहा, इतने वर्षों में पहला अवसर है कि पूरे 21 साल हो गए और सीमाओं व एलओसी पर पर तोपों की गूंज नहीं सुनाई दी है। दोनों सेनाओं ने एक दूसरे पर एक भी गोली नहीं दागी है। लेकिन इतना जरूर है कि भारतीय सैनिकों को अपनी बंदूकें के मुंह उस समय जरूर खोलने पड़ रहे हैं जब उस ओर से धकेले गए घुसपैठियों को मार गिराने की कार्रवाई करनी पड़ती है।

वर्ष 2002 में भी ऐसा ही सीजफायर एलओसी पर घोषित हुआ था। मगर वह छह माह तक ही जीवित रह पाया था क्योंकि पाक सेना ने उसका बार-बार उल्लंघन करते हुए भारतीय सेना को मजबूर किया था कि वह उसके नापाक इरादों का मुहंतोड़ जवाब देने की खातिर अपनी बंदूकों और तोपों का मुहं खोले। मगर इस बार ऐसा कुछ नहीं है। अगर कुछ है तो दोनों देशों को बांटने वाली सीमा रेखा से सटे खेतों में कार्य करते दोनों मुल्कों के किसान दिखते हैं तो विश्व के सबसे ऊंचाई वाले युद्ध स्थल सियाचिन हिमखंड में ढंके हुए तोपों के मुंह ही नजर आते हैं।

कई सालों के बाद अपने खेतों में हल चलाने वाला मच्छेल का अली मुहम्मद कहता है, खुदा ऐसी ही शांति ताउम्र दे ताकि हमारे बच्चे भी देख सकें हमारा इलाका किसी जन्नत से कम नहीं है। इसी प्रकार अभी तक सीमांत क्षेत्रों की जिन्दगी को नारकीय जीवन कहने वाले चिकन नेक के शाम लाल के लिए अब सीमांत गांव का जीवन सबसे अच्छा लगता है क्योंकि वह शहर के प्रदूषण और परेशानी भरे माहौल से दूर रहना चाहता है।

सच्चाई यह है कि सीमांत क्षेत्रों में खुशहाल माहौल में खुशियों से लबालब जनता को अक्सर यह खटका लगा रहता है कि कहीं आतंकियों की घुसपैठ सीजफायर पर भारी साबित न हो। ऐसी चिंता के पीछे के स्पष्ट कारण भारतीय सेना की चेतावनी है जिसमें वह चिंता प्रकट करती है कि घुसपैठ न रुकने के कारण संबंध खराब भी हो सकते हैं।

ऐसा भी नहीं है कि सेना को सीजफायर से खुशी न हो बल्कि सबसे अधिक सहूलियत उसे हुई है। अगर उसे अपनी मोर्चाबंदी मजबूत करने का अवसर मिला है तो उसने एलओसी के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तारबंदी के कार्य को बिजली की तेजी के साथ पूरा कर लिया है। अगर सीजफायर न होता तो तारबंदी का कार्य न ही इतनी जल्दी संपन्न होता और न ही इतनी आसानी से, सीमा सुरक्षा बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था जो तारबंदी के कार्य से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ था।

हालांकि सीजफायर सेना के लिए चिंता का विषय भी है। उसकी चिंता पाकिस्तानी सेना की मोर्चेबंदी की तैयारियां हैं। अगर पाक सेना ने जम्मू सीमा के सामने वाले क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर सीमा से सटे इलाकों में मोर्चाबंदी करने के अतिरिक्त रक्षा बांध का निर्माण कर लिया है वहीं एलओसी के क्षेत्रों में वह उन स्थानों पर चौकियां स्थापित करने में कामयाब हुई है जहां वह आजादी के बाद के सालों में एक इंच भी आगे नहीं बढ़ पाई थी। वैसे भारतीय पक्ष की ओर से इन निर्माणों पर विरोध तो दर्ज करवाया है लेकिन उसका कोई प्रभाव नहीं हुआ।

महाकुंभ 2025 : 45 करोड़ लोगों के संगम स्नान के लिए बना त्रिस्तरीय सुरक्षा चक्र

महाकुंभ में हर आपात स्थिति से निपटने के लिए जल पुलिस मुस्तैद

प्रयागराज, 25 नवंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 को सनातन धर्म का सबसे बड़ा आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में 45 करोड़ लोगों के संगम स्नान का पूरा प्लान तैयार कर लिया गया है। इसके लिए जल पुलिस के लिहाज से त्रिस्तरीय सुरक्षा चक्र बनाया गया है जिसमें बाकायदा एक-एक श्रद्धालु पर फोकस किया जाएगा। वीआईपी मूवमेंट वाले किला घाट पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। यहां पर स्पेशल फोर्स की तैनाती की जा रही है, जिससे देश-विदेश से आने वाले एक भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की दिक्कत न होने पाए। यही नहीं, सरस्वती घाट से लेकर संगम घाट तक कड़ी सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जा रहे है। यहां डीप बैरिकेडिंग की जा रही है। इसके अलावा घाट पर चौतरफा जाल लगाने का काम अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है।

किला थाना की जल पुलिस के प्रभारी जनार्दन प्रसाद साहनी ने बताया कि महाकुंभ से पहले ही एक-एक बोट की जांच की जा रही है। इसके लिए टेस्टर बोट की व्यवस्था की गई है। सबसे पहले टेस्टर बोट किसी भी बोट की जांच करेगी। पूरी तरह से संतुष्टि मिलने के बाद ही पानी में कोई बोट उतारी जाएगी। संगम नोज से किलाघाट तक सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया जा रहा है। इसके लिए पीएसी, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के जवान मिलकर श्रद्धालुओं की हिफाजत में तैनात रहेंगे। जनार्दन प्रसाद साहनी ने बताया कि महाकुंभ के दौरान स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं के बाहर निकलने में किसी भी प्रकार की दिक्कत न आने पाए, इसके लिए भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। नाव पर एक विशेष प्रकार की लाल पट्टी लगाई जाएगी, जो पर्यटकों को सतर्क करेगी।

महाकुंभ के दौरान देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा में कोई भी परेशानी न होने पाए, इसके विशेष इंतजाम किए गए हैं। यहां संगम में स्नान करने वाले लोगों की निगहबानी के लिए पुलिस का झंडा लगी नाव 24 घंटे तैनात रहेगी। किसी भी खतरे का अंदाजा होते ही पलक झपकते सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अफसरों को स्पष्ट निर्देश है कि महाकुंभ में आने वाले एक भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।

इस लिहाज से एक-एक घाट को बाकायदा जांचने के बाद ही उसे श्रद्धालुओं के लिए खोला जाएगा। अरैल, झूसी, फाफामऊ व सोमेश्वर घाट पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। रसूलाबाद से किला घाट और ककहरा घाट तक स्नानार्थियों के लिए हर तरह के वाजिब इंतजाम किए जा रहे हैं।

जल पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किया है। इसके तहत त्रिस्तरीय सुरक्षा चक्र बनाया गया है। पहली टीम क्राउड मैनेजमेंट के लिए घाट के बाहर तैनात रहेगी। वहां अत्यधिक भीड़ होने पर श्रद्धालुओं को अलग-अलग रास्ते से डायवर्ट किया जाएगा। दूसरा सुरक्षा चक्र स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नाव पर तैनात रहेगा। इसके साथ ही कोई भी सुविधा होने पर तत्काल जरूरतमंद लोगों तक आसानी से फोर्स पहुंच जाएगी। तीसरा सुरक्षा चक्र स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर जाने में मदद के लिए तैनात रहेगी।

सिलेंडर ब्लास्ट में पिता-पुत्र की मौत

रेस्टोरेंट में लगी आग को बुझाने गए थे दोनों

भागलपुर (एजेंसियां)। भागलपुर के जोकशर थाना इलाके के खरमनचक मोहल्ले में एक रेस्टोरेंट में गैस सिलेंडर ब्लास्ट से पूरा इलाका दहल गया। इसमें पिता-पुत्र की मौत हो गई। दोनों में रेस्टोरेंड में आग बुझाने गए थे। इसी दौरान रसोई गैस सिलेंडर ब्लास्ट कर दिया। धमाका इतना तेज था कि इसकी गूंज करीब एक किमी दूर तक सुनाई पड़ी। रेस्टोरेंट के बगल के मकानों में दरारें आ गई। आग बुझाने गए पिता-पुत्र दूर फेंका गए। पिता की मौत पर ही मौत हो गई जबकि पुत्र को लोगों ने अस्पताल में भर्ती करवाया लेकिन वहां उसने दम तोड़ दिया। मरने वालों की पहचान खरमनचक निवासी किशन कुमार झुनझ-ुनवाला और उसके बेटे कन्हैया कुमार उर्फ प्रसून झुनझुनवाला के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट में शॉर्ट सर्किट से आग लगने लगी थी। अब ब्लास्ट का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि वहां गेट खोलकर आग बुझाने जा रहे पित-पुत्र जब गेट के करीब पहुंचे तो गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया। एक शख्स दूर फेंका गया। हादसा इतना भीषण था कि रेस्टोरेंट का मलबा 65 मीटर दूर जाकर गिरा। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों की भीड़ लग गई। इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने फायर ब्रिगेड की टीम की मदद से आग पर काबू पाया।

वहीं मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने बताया कि शॉर्ट-सर्किट की वजह से आग लग गई। आग ने गैस सिलेंडर को अपनी जद में ले लिया। धमाके में दो लोगों की मौत हो गई। आसपास के घरों में दरार आ गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस और फायरब्रिगेड की टीम आगे की कार्रवाई कर रही है।

रोहिंग्या घुसपैठियों को किराए पर घर देने वालों पर एफआईआर

जम्मू, 25 नवंबर (एजेंसियां)। रोहिंग्या घुसपैठियों को अपना मकान किराए पर देने के मामले में जम्मू के कुछ मकान मालिकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पांच मकान मालिकों के खिलाफ जानबूझकर या अनजाने में रोहिंग्या समुदाय के लोगों को घर किराए पर देने का मामला दर्ज किया है। उनमें से दो के खिलाफ नोवाबाद पुलिस स्टेशन में और तीन अन्य के खिलाफ बहू फोर्ट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

जम्मू कश्मीर के इन मकान मालिकों के खिलाफ बीएनएस की धारा 223 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश का पालन न करना) के तहत अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई है। गौरतलब है कि रोहिंग्या म्यांमार से आए शरणार्थी हैं। पुलिस ने कहा कि जिन रोहिंग्या लोगों को मकान मालिकों ने संपत्ति किराए पर दी थी, वे बिना दस्तावेज के थे और सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते थे। जम्मू पुलिस ने कहा कि इस संबंध में व्यापक जांच शुरू की गई है।

पुलिस ने इस कार्रवाई को रोहिंग्या शरणार्थियों की अवैध एंट्री को रोकने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। पुलिस ने जम्मू जिला आयुक्त द्वारा जारी आदेश का भी हवाला दिया, जिसमें जिले के सभी संपत्ति मालिकों के लिए किराएदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है।

लखनऊ विवि और लखनऊ पुलिस ने दिया महिला सुरक्षा का संदेश

लखनऊ की सड़कों पर निकली आकर्षक पिंक स्कूटी रैली

लखनऊ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार प्रदेशभर में महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर विभिन्न कार्यक्रम चला रही है।

सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेशभर में लगातार मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्राओं और लखनऊ पुलिस की ओर से पिंक स्कूटी रैली निकाली गयी। रैली के माध्यम से प्रदेशभर में महिला सुरक्षा के प्रति जागरुकता फैलाने का संदेश दिया गया। रैली को वीसी और मिशन शक्ति नोडल अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में 250 से अधिक पिंक स्कूटी शामिल हुईं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक राय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरुप सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्थापक दिवस पर मिशन शक्ति फेज-5 के तहत विवि के गेट नंबर 3 से लखनऊ पुलिस के सहयोग से 250 से अधिक पिंक स्कूटी रैली को रवाना किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में बेटियां और महिला आरक्षी शामिल हुईं।

इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेशभर में महिला सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाना है। विवि मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के 'मिशन शक्ति' अभियान से आज प्रदेश की महिलाएं स्वयं को सशक्त और सुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने बताया कि रैली को सुबह 9 बजे रवाना किया गया, जो हनुमान सेतु स्थित हनुमान मंदिर, हजरतगंज चौराहा, गवर्नर हाउस, लोरेटो चौराहा होते हुए 1090 चौराहे पर 10:30 बजे समाप्त हुई। वीसी ने कहा कि पिंक स्कूटी रैली मिशन शक्ति अभियान का हिस्सा है, जो महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। कुलपति ने महिला सशक्तिकरण के लिए शैक्षणिक संस्थानों, पुलिस विभाग और समुदाय के बीच सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

मिशन शक्ति पिंक स्कूटी रैली में बड़ी संख्या में छात्रों, डीन, विभागाध्यक्षों और संकाय सदस्यों ने बाइक और कार से भाग लिया। महिला पुलिसकर्मियों ने पिंक स्कूटी और एसयूवी पर भागीदारी निभायी। सभी ने मिलकर जागरूकता बढ़ाने और मिशन शक्ति के उद्देश्यों को सशक्त करने का संदेश दिया।

प्रो-वाइस चांसलर प्रो. मनुका खन्ना ने शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, जो महिलाओं के अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता फैलाने पर आधारित रहा। विवि की मिशन शक्ति नोडल अधिकारी डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर से बाहर निकलकर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। साथ ही लखनऊ पुलिस के साथ मिलकर यह संदेश फैला रहा है कि मिशन शक्ति आंदोलन को आगे ले जाने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। यह रैली भी उसी का हिस्सा है।

उपचुनाव में जीत के बाद 2027 के चुनाव की तैयारी में जुटेगी भाजपा

योगी मंत्रिमंडल में जल्द होगा फेरबदल और विस्तार

लखनऊ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कुछ महीने पहले जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आए थे तो योगी आदित्यनाथ के कामकाज पर सवाल उठने लगे थे। यहां तक कि जब उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने यह कहा कि संगठन सरकार से बड़ा है तो इसे लेकर भी पार्टी संगठन और सरकार के बीच खींचतान की खबरें सामने आई लेकिन अब जब उपचुनाव के नतीजों में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया है तो इससे लोकसभा चुनाव में मिली हार के जख्म काफी कुछ भर गए हैं। उत्तर प्रदेश में 9 सीटों के लिए हुए विधानसभा उपचुनाव में भाजपा और एनडीए की भारी जीत के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सियासी कद में निश्चित रूप से इजाफा हुआ है।

बताया जा रहा है कि अब जल्द ही योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रिमंडल में फेरबदल होगा क्योंकि फरवरी 2027 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा का चुनाव होना है। उत्तर प्रदेश बहुत बड़ा राज्य है और ऐसे राज्य में चुनाव के लिए सवा 2 साल का वक्त ज्यादा नहीं है। माना जा रहा है कि भाजपा अब 2027 के चुनावी समर के लिहाज के अपनी नई टीम को तैयार करेगी।

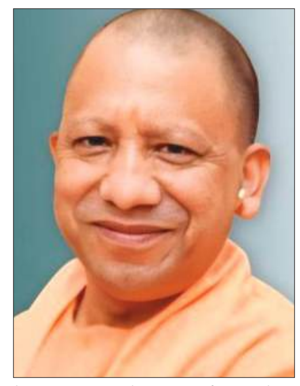

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन में शामिल दलों सपा और कांग्रेस के हौसले बुलंद थे। इन दलों की ओर से लगातार यह कहा जा रहा था कि वह इस उपचुनाव में भी सभी सीटों पर जीत हासिल करेंगे लेकिन सपा सिर्फ दो सीटों पर जीती है। कांग्रेस ने चुनाव नहीं लड़ा था। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस उपचुनाव को बेहद गंभीरता से लिया। हालात यह थे कि योगी सरकार के मंत्रियों को इन विधानसभा सीटों का प्रभारी बनाया गया था। पार्टी संगठन के कई बड़े नेता इन विधानसभा सीटों पर प्रचार कर रहे थे और उन्हें इस बात का टास्क दिया गया था कि उपचुनाव में भाजपा और एनडीए को ज्यादा ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करनी है।

उत्तर प्रदेश के विधानसभा उप-चुनाव के नतीजों में एक बात यह भी महत्वपूर्ण है कि मुस्लिम बहुल मतदाताओं वाली कुंदरकी सीट पर भाजपा को जीत मिली है। एक और ऐसी ही सीट मीरापुर में भी भाजपा के सहयोगी दल राष्ट्रीय लोकदल ने जीत का परचम लहराया है। करहल सीट पर भी भाजपा का प्रदर्शन 2022 के मुकाबले काफी अच्छा रहा है। निश्चित रूप से इस प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी ताकत के साथ जुटेंगे।

बात अगर मंत्रिमंडल विस्तार की करें तो योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रिमंडल में संगठन से भी कुछ नेताओं को शामिल किया जा सकता है। इन दिनों भाजपा में संगठन के चुनाव हो रहे हैं। इसके तहत पूरे प्रदेश में बूथ, मंडल और जिला स्तर पर कमेटियों के चुनाव के बाद प्रदेश स्तर पर भी एक नई टीम देखने को मिलेगी और ऐसे में पार्टी किसी नए चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष बना सकती है। उपचुनाव में प्रदर्शन के बाद यह माना जा रहा है कि मंत्रिमंडल के विस्तार में योगी आदित्यनाथ की राय को केंद्रीय नेतृत्व निश्चित रूप से तवज्जो देगा। भाजपा इस विस्तार में जातियों को साधने पर भी काम करेगी क्योंकि समाजवादी पार्टी पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यक (पीडीए) कार्ड चल रही है इसलिए भाजपा योगी के मंत्रिमंडल में पिछड़ी और दलित जातियों के नेताओं को प्रमुखता दे सकती है।

मुस्लिम मतों में सेंध और सपा की अंतर्कलह ने डुबोया

लखनऊ, 25 नवंबर (एजेंसियां)। सपा अपने गढ़ कुंदरकी में इस बार हवा का रुख नहीं भांप पाई। भाजपा का बूथ मैनेजमेंट, मुस्लिम मतों तक उसकी पहुंच और सपा की अंतर्कलह से बाजी ही पलट गई। शेख और तुर्कों के आपसी अंतर्विरोध ने भी सपा को नुकसान पहुंचाया और तीन दशक बाद यह सीट भाजपा की झोली में 1.70 लाख से ज्यादा मतों के अंतर से चली गई।

कुंदरकी में मुस्लिमों को रिझाने के लिए जहां भाजपा ने मुस्लिम पन्ना प्रमुख बनाए, अल्पसंख्यक सम्मेलन करवाया, वहीं उसके प्रत्याशी रामवीर सिंह का बूथ मैनेजमेंट व मुस्लिम मतदाताओं से उनके जुड़ाव ने इतिहास रच दिया। इस सीट पर लगातार दो चुनाव हारने और 2022 के चुनाव में टिकट कटने के बाद भी रामवीर क्षेत्र में डटे रहे। भाजपा से दूर रहने वाले मुस्लिम मतदाताओं को जोड़ना उनकी अहम रणनीति रही। मुस्लिमों में हाजी रिजवान के विरोध को भांपते हुए चुनाव को भाजपा बनाम सपा नहीं बनने दिया। इस सीट को जीतने के लिए सीएम योगी ने जिन चार मंत्रियों धर्मपाल सिंह, गुलाब देवी, जेपीएस राठौर और जसवंत सैनी को जिम्मेदारी सौंपी थी, वे भी वहीं डेरा डाले रहे। इससे भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं की हौसला अफजाई होती रही। इसका असर यह हुआ कि रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीतकर रामवीर कुंदरकी से भाजपा के दूसरे विधायक बने। इससे पहले कुंदरकी से भाजपा को 1993 में चंद्र विजय सिंह ने जीत दिलाई थी। करीब 65 फीसदी मुस्लिम आबादी वाली इस सीट पर सभी की नजरें सपा के परंपरागत मुस्लिम मतों पर ही रहीं।

भाजपा को छोड़ सभी प्रमुख दलों ने मुस्लिम प्रत्याशियों पर ही दांव लगाया। निर्दलीय उम्मीदवार भी मुस्लिम जमात से ही रहे। वहीं सम्मेलनों में रामवीर सिंह का टोपी लगाकर मंच पर बैठना भी मुस्लिमों से भाजपा की दूरी को कम करने में कारगर साबित हुआ। इससे मुस्लिम मतदाताओं के बीच यह संदेश गया कि यहां भाजपा प्रत्याशी के जीतने से क्षेत्र का विकास होगा। वैसे भी इस सीट के जीतने से यूपी में सपा की सरकार तो बन नहीं जाएगी। इसलिए रामवीर को भी आजमा कर देख लिया जाए। सपा में जिले की सियासत में खींचतान चल रही है। करीब छह महीने बाद भी जिला कार्यकारिणी नहीं बन पाई है। इसका असर कुंदरकी उपचुनाव पर भी पड़ा। सपा के जनप्रतिनिधियों ने बड़े नेताओं के साथ मंच तो साझा किए, लेकिन क्षेत्र में प्रचार-प्रसार में हिस्सा लेने से बचते रहे। वहीं, कांग्रेस के ज्यादातर नेताओं ने भी चुनाव प्रचार से दूरी बनाए रखी।

एक ही जाति के दो समुदायों के बीच पुरानी सियासी लड़ाई भी सपा की हार का कारण बना। कुंदरकी सीट पर सबसे अधिक आबादी मुस्लिमों की है। इसमें तुर्क और शेखों की संख्या लगभग बराबर ही है। इसके बावजूद हर चुनाव में सपा तुर्क मुसलमानों पर ही दांव लगाती रही है। इस बार सपा ने इसी समाज के मो. रिजवान को मैदान में उतारा था। सूत्रों का कहना है कि लगातार तुर्क मुसलमानों को ही आगे बढ़ाने को लेकर शेखों में नाराजगी थी, इसलिए शेखजादों ने अपनी उपेक्षा का बदला लेने के लिए भाजपा को वोट देकर अपनी नाराजगी का इजहार किया है।

लखनऊ से दुधवा हवाई सेवा और लखीमपुर महोत्सव-24 का श्रीगणेश हुआ

लखनऊ/लखीमपुर खीरी, 25 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वहीं प्रदेश के प्रमुख ईको पर्यटन क्षेत्रों में एयर कनेक्टिविटी सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को लखनऊ से दुधवा राष्ट्रीय उद्यान लखीमपुर खीरी के लिए ईको टूरिज्म के तहत हवाई सेवा शुरू हुई। सीएम योगी के निर्देश पर पर्यटन एवं वन मंत्री ने हवाई सेवा से लखनऊ से दुधवा राष्ट्रीय उद्यान पहुंचकर सेवा का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने खीरी की अनूठी पहल तराई की मिट्टी का उत्सव, लखीमपुर महोत्सव-24 का उद्घाटन किया। इसी के साथ महोत्सव का श्री-गणेश हो गया, जो 28 नवंबर तक विभिन्न जगहों पर चलेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर ईको टूरिज्म एवं पर्यटकों को एयर कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करने के लिए लखनऊ से दुधवा हेलीकॉप्टर सुविधा का शुभारंभ किया गया। यह सुविधा पर्यटकों को महज प्रति पर्यटक 5 हजार रुपए में उपलब्ध होगी। इससे पर्यटकों का काफी समय बचेगा। उन्होंने बताया कि अभी लखनऊ से दुधवा राष्ट्रीय उद्यान सड़क मार्ग से पहुंचने में 4:30 घंटे का समय लगता है। वहीं हवाई सेवा के जरिये पर्यटक 45 मिनट में दुधवा पहुंच सकेंगे। योगी सरकार की पहल से दुधवा में पर्यटकों की संख्या में खासा इजाफा होगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना सोमवार को हवाई सेवा से पलिया हवाई पट्टी पर पहुंचे। यहां पर डीएम दुर्गाशक्ति नागपाल ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इसके बाद दोनों मंत्री दुधवा राष्ट्रीय उद्यान पहुंचे, जहां पर तराई की मिट्टी का उत्सव, लखीमपुर महोत्सव-24 का उद्घाटन किया। यह सुविधा पर्यटकों को सप्ताह में चार दिन मिलेगी। इसमें हर शनिवार और रविवार को विशेष रूप से हवाई सेवा की सुविधा मिलेगी। वहीं जल्द अन्य दो दिन हवाई सेवा के निर्धारित कर दिये जाएंगे। उन्होंने बताया कि हवाई सेवा के सफल परिणाम को देखते हुए आने वाले दिनों में सेवा सातें दिन मिलेगी।

पर्यटन एवं वन मंत्री ने दीप जलाकर खीरी के पहले महोत्सव 'तराई की मिट्टी का उत्सव, लखीमपुर महोत्सव-24' का उद्घाटन किया। इस दौरान ईको विकास समिति की महिला कलाकारों ने थारू संस्कृति के रंग बिखेर सभी का मन मोह लिया। उन्होंने पारंपरिक थारू नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मंत्रमुग्ध कर दिया। डीएम दुर्गाशक्ति नागपाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के हर जिले की विरासत, संस्कृति और पौराणिक धरोहर का प्रचार प्रसार और संरक्षित करने पर जोर देते हैं।

इसी क्रम में पहली बार खीरी में लखीमपुर महोत्सव-24 का आयोजन किया गया। इसी थीम तराई की मिट्टी का उत्सव, लखीमपुर महोत्सव-24 रखी गई है। उन्होंने बताया कि महोत्सव 28 नवंबर तक विभिन्न पौराणिक स्थानों पर रोजाना होगा। डीएम दुर्गाशक्ति नागपाल ने बताया कि 25 नवंबर को दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में प्रकृति एवं परमात्मा की भूमि शीर्षक पर महोत्सव का आगाज किया गया। इसी तरह शाम को लखीमपुर उत्सव- रंग, तरंग, मनोरंजन मंच, 26 को कोटवारा ग्राम में लोक कला का संगम, 27 को छोटी काशी में आध्यात्मिक शांति का केंद्र और 28 नवंबर को मेंढक मंदिर में हमारी विरासत शीर्षक पर आधारित महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

पौराणिक कथाओं से राष्ट्रीय एकता व राष्ट्रधर्म को मजबूती : योगी

वाराणसी, 25 नवंबर (एजेंसियां)। सीएम योगी ने कहा कि पावन कथाओं ने साबित किया है कि देश धर्म की बात को सुन रहा है और भगवान वेदव्यास का सम्मान कर रहा है। व्यास पीठ सुनाने को तैयार है तो भक्त सुनने को भी तैयार हैं। इन पावन कथाओं के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को संबल व राष्ट्रधर्म को मजबूती मिलती है। हमारा ध्येय अपने ईष्ट, देवी-देवताओं, समाज के प्रति होना ही चाहिए, लेकिन हम सबका लक्ष्य होना चाहिए कि राष्ट्र की एकता व अखंडता को कोई चुनौती न देने पाए, क्योंकि उसी में देश, धर्म, समाज, कथाओं की पावन परंपरा बची हुई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को वाराणसी के सतुआ बाबा गोशाला डोमरी में चल रहे श्रीशिव महापुराण कथा में शामिल हुए। इस कथा के व्यासपीठ पर पूज्य संत पं. प्रदीप मिश्र भक्तों को कथा का श्रवण करा रहे हैं। सीएम ने पं. प्रदीप मिश्र से कहा कि यह यात्रा सनातन धर्म व भारत के लिए इसी वृहद रूप में बढ़ती रहे। समूचे उत्तर प्रदेश की शुभकामना आपके साथ है।

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज की पावन धरती पर 13 जनवरी से 26 फरवरी (पौष पूर्णिमा से महाशिवरात्रि) तक दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक व सामाजिक समागम 'महाकुंभ-2025' का आयोजन होने जा रहा है। इससे ठीक पहले काशी की धरती पर इस पावन कथा के माध्यम से इस कुंभ का दर्शन हो रहा है। यहां हर कोई अनुशासन व श्रद्धाभाव के साथ पावन कथा का श्रवण कर रहा है। मैं भगवान शिव का भक्त, सनातन धर्मावलंबी होने के कारण सबका अभिनंदन करता हूं।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पावन कथा का यह दृश्य देखकर अभिभूत हूं। सीएम ने कहा कि गत माह पं. प्रदीप मिश्र जी की कथा हापुड़ में होने वाली थी, लेकिन प्रशासन ने अचानक आयोजन को निरस्त कर दिया। शाम को जानकारी मिलने पर मैंने पूछा कि ऐसा क्यों किया गया, बताया गया कि भीड़ ज्यादा हो सकती है। मैंने कहा कि उनकी कथा की चर्चा ही इस बात के लिए होती है कि वहां हजारों में नहीं, बल्कि लाखों में गिनती होती है और वे सभी श्रद्धालु-परमभक्त होते हैं। परमभक्त की सबसे बड़ी पहचान होती है कि वह अनुशासित होता है। जिसका आत्मानुशासन है, उसका भौतिक द्रव्यों पर भी अनुशासन होता है। मैंने कहा कि कथा को अनुमति दी जाए। जो भी वहां गया, अभिभूत था। यही दृश्य फर्रुखाबाद में भी था। सीएम योगी ने कहा कि सबकी अपनी-अपनी दृष्टि होती है, यह दृश्य हमारे लिए सनातन धर्म, लघु भारत का रूप और सामाजिक समता का प्रतीक है। सीएम ने कहा कि कौन कहता है कि हम आपस में बंटे हैं। कथा में सीएम योगी ने पूछा कि कहां है जातिवाद-संप्रदायवाद, उपासना विधि का विवाद। हम सब एक होकर पावन कथा के माध्यम से अपने राष्ट्रधर्म के निर्वाह के लिए धर्म योद्धा के रूप में अपने आप को समर्पित कर रहे हैं। यह कथा उसका उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

कथा के विहंगम दृश्य को देख सीएम ने कहा कि सतुआ बाबा ने ऐसे स्थल का चयन किया कि जहां बाबा विश्वनाथ, बाबा भैरवनाथ, मां गंगा व अन्नपूर्णा के दर्शन हो जाएं। यहां सिर्फ भक्त ही नहीं, बल्कि साक्षात देवाधिदेव बाबा विश्वनाथ, कालभैरव, मां गंगा व मां अन्नपूर्णा भी कथा सुन रही हैं। इतना विहंगम दृश्य, उन लोगों के लिए जवाब है, जो हमें जाति, क्षेत्र, भाषा आदि तमाम वादों के नाम पर बांटते हैं। इस कथा का विहंगम दृश्य उनकी आंखों को खोलने के लिए पर्याप्त है। सीएम योगी ने कहा कि जिस पवित्र पीठ को व्यास पीठ कहते हैं, वह वेदव्यास की पवित्र परंपरा है। भगवान वेदव्यास ने चारों वेदों का संग्रह करके आने वाली पीढ़ी को दिया। गुरु-शिष्य की परंपरा वेदों के संरक्षण के लिए कैसे बननी है। इसे भी भगवान वेदव्यास ने दिया। महाभारत जैसे एक लाख श्लोकों का महाप्रबंधन काव्य की टीम का नेतृत्व दिया। श्रीमद्भागवत महापुराण जैसा ज्ञान भक्ति व वैराग्य की अद्भुत त्रिवेणी यानी जीवन की सफलता का रहस्य जिसमें छिपा है, वह वेदव्यास ने दिया।

उपचुनाव जीतने के बाद काल भैरव और बाबा विश्वनाथ का आशीष लेने पहुंचे सीएम

वाराणसी, 25 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव में जीत के बाद सोमवार को काशी कोतवाल काल भैरव व बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने पहुंचे। दस दिन के भीतर सीएम योगी ने दूसरी बार बाबा के चरणों में श्रद्धा निवेदित की। मुख्यमंत्री इसके पहले 15 नवंबर को देव दीपावली पर वाराणसी आए थे। इस दौरान उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने काशी कोतवाल बाबा काल भैरव के दर्शन-पूजन कर आरती उतारी। उन्होंने यहां विधि विधान से पूजा की। इसके बाद उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। बाबा के गर्भगृह में जाकर षोडशोपचार पूजन कर उन्होंने लोक कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के उद्घोष से उनका स्वागत किया तो मुख्यमंत्री ने भी हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकारा। बाबा विश्वनाथ के दर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री श्री काशी विश्वनाथ द्वार से जल मार्ग के जरिये डोमरी में चल रहे सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा में शामिल हुए।

संपादकीय

महिलाओं का 'गेमचेंजर' जनादेश

महाराष्ट्र का जनादेश भाजपा और झारखंड का जनादेश झामुमो के पक्ष का जनादेश है। 'महायुति' गठबंधन का भी उतना ही योगदान है, लेकिन महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन को सुनामी-सा जनादेश मिला है। बेशक यह जीत प्रचंड, ऐतिहासिक और अभूतपूर्व रही है, तो उतनी ही अपमानजनक पराजय कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और एनसीपी (शरद) के गठबंधन 'महा विकास अघाड़ी' की है। चूंकि सबसे बड़ी पार्टी भाजपा रही है, लेकिन इतनी बड़ी जीत की कल्पना भाजपा नेतृत्व ने भी नहीं की थी। मतदान से एक दिन पहले तक 'महायुति' 165-170 सीटों का आकलन कर रहा था। भाजपा भी 105-108 सीटें जीतने को आश्वस्त थी, लेकिन जो जनादेश सामने आया है, उसे खुद भाजपा-महायुति के बड़े नेता भी 'अप्रत्याशित' और 'अविश्वसनीय' मान रहे हैं। भाजपा को अकेले ही 132 सीटों पर जनादेश हासिल हुआ है और उसका स्ट्राइक रेट करीब 90 फीसदी रहा है। शिवसेना (शिंदे) का भी स्ट्राइक रेट 71 फीसदी रहा है और एनसीपी (अजित) का करीब 80 फीसदी रहा है। यह वाकई शानदार और अकल्पनीय जनादेश रहा है। चुनावी मुकाबला भी एकतरफा साबित हुआ। शिवसेना की कुल 57 सीटें विपक्षी अघाड़ी की कुल 48 सीटों से भी अधिक हैं। भाजपा के संदर्भ में गौरतलब यह रहा कि उसने 2014 की 'मोदी लहर' में अकेले ही चुनाव लड़कर 122 सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार जनादेश ऐसा है कि सामान्य बहुमत का आंकड़ा 145 सिर्फ 13 सीट दूर है। इस जनादेश की 'गेमचेंजर' रही-'लाडली बहिन योजना।' यह विचार मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों को दिया था। शिवराज इसे मप्र के चुनाव में सफलतापूर्वक आजमा चुके थे। उनका आग्रह था कि तुरंत प्रभाव से योजना लागू कर दी जाए, लिहाजा जुलाई से ही महाराष्ट्र की करीब 2.34 करोड़ महिलाओं के खातों में 1500 रुपए प्रति माह भेजने का सिलसिला शुरू हुआ। नवंबर में चुनाव तक हरेक महिला के खाते में 7500 रुपए पहुंच चुके थे। नतीजा सामने है। महिलाओं ने कुल 65 फीसदी से ज्यादा मतदान किया। खास तौर पर 15 सीटें ऐसी थीं, जहां महिलाओं ने सुनामी-सा जनादेश दिया। उनमें से 12 सीटें 'महायुति' ने जीतीं। मप्र का प्रयोग महाराष्ट्र में भी सफल रहा। अब भाजपा अन्य चुनावी राज्यों में भी इसे आजमाएगी। इसी तर्ज पर झारखंड में सोरेन सरकार की 'मईयां योजना' का फायदा झामुमो गठबंधन को मिला। मध्य वर्ग से निचली जमात की महिलाओं ने अपने पुरुषों के वोट संबंधी आदेश को खारिज कर दिया और सवाल किया कि क्या आप 1500 रुपए महीना हमें दे सकते हैं? इस सवाल के साथ ही 'महायुति' को महिलाओं का व्यापक जनादेश हासिल हुआ। हालांकि 'अघाड़ी' ने महिलाओं को 3000 रुपए माहवार देने की चुनावी घोषणा की थी, लेकिन विश्वास उस पर किया गया, जो 7500 रुपए उनके खातों में भेज चुका है। अब 'महायुति सरकार' 2100 रुपए हर महीने महिलाओं को देगी। बहरहाल महाराष्ट्र का चुनाव इसलिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा था, क्योंकि यह देश का सबसे समृद्ध राज्य है। सबसे अधिक जीडीपी, कर-संग्रह और प्रति व्यक्ति आय भी महाराष्ट्र के हिस्से में आती हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई इसी राज्य की भी राजधानी है। उप्र के 80 सांसदों के बाद महाराष्ट्र से ही 48 सांसद चुनकर लोकसभा में जाते हैं। विधानसभा भी 288 विधायकों का सदन है। महाराष्ट्र के चुनाव में बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी, भ्रष्टाचार, किसानी के साथ-साथ मराठा आरक्षण या गौरव, शरद पवार की 'चाणक्यगीरी', वोट जेहाद, दलित-बौद्ध आदि कोई भी मुद्दा 'जनादेशी' साबित नहीं हुआ। शिवसेना और बाल ठाकरे की विरासत भी जनादेशी तौर पर उद्धव ठाकरे से छिन गई। पवार परिवार में 'चाचा' की प्रासंगिकता बेहद धुंधली पड़ गई। अगले चुनाव तक शरद पवार 89 साल के होंगे। वह उम्र चुनाव लडऩे लायक नहीं बचती। जनता को कुल मिलाकर भाजपा गठबंधन की स्थायी और डबल इंजन सरकार पर ही भरोसा हुआ। राहुल गांधी के संविधान, अडानी और जातीय जनगणना सरीखे मुद्दे भी फ्लॉप साबित हुए। कांग्रेस इतनी रसातल में पहुंच चुकी है कि राजनीतिक और चुनावी तौर पर उसे गहरा आत्ममंथन करना पड़ेगा। बहरहाल मोदी ने इसे विकास, सुशासन और सच्चे सामाजिक न्याय का जनादेश माना है।

> बेशक यह जीत प्रचंड, ऐतिहासिक और अभूतपूर्व रही है, तो उतनी ही अपमानजनक पराजय कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और एनसीपी (शरद) के गठबंधन 'महा विकास अघाड़ी' की है। चूंकि सबसे बड़ी पार्टी भाजपा रही है, लेकिन इतनी बड़ी जीत की कल्पना भाजपा नेतृत्व ने भी नहीं की थी। मतदान से एक दिन पहले तक 'महायुति' 165-170 सीटों का आकलन कर रहा था। भाजपा भी 105-108 सीटें जीतने को आश्वस्त थी, लेकिन जो जनादेश सामने आया है, उसे खुद भाजपा-महायुति के बड़े नेता भी 'अप्रत्याशित' और 'अविश्वसनीय' मान रहे हैं। भाजपा को अकेले ही 132 सीटों पर जनादेश हासिल हुआ है और उसका स्ट्राइक रेट करीब 90 फीसदी रहा है।

भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों के द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना बड़ी संख्या में निवेश निकाल रहे

वैश्विक संघर्ष से भारत की आर्थिक चिंताएं

डा. जयंती लाल भंडारी

> चिंताएं बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढऩे, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा युद्ध में उलझे हुए देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि वैश्विक शेयर बाजार के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पडऩा शुरू हुआ है।

यकीनन इस समय बढ़ते हुए रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण भारत की भी आर्थिक चिंताएं बढ़ गई हैं। ये चिंताएं बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढऩे, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा युद्ध में उलझे हुए देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि वैश्विक शेयर बाजार के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पडऩा शुरू हुआ है। पश्चिम एशिया संकट और चीन से सरकारी प्रोत्साहन के दम पर बाजार चढऩे के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों के द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना बड़ी संख्या में निवेश निकाल रहे हैं। स्थिति यह है कि सेंसेक्स और निफ्टी के लिए अक्टूबर और नवंबर 2024 दो साल की बड़ी गिरावट के महीनों के रूप में दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीदी का भी रुख कर रहे हैं। इससे वैश्विक स्तर के साथ-साथ भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमतें बढ़ी हैं। एक चिंताजनक बात यह है कि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक-तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। इससे खाद्य पदार्थों, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढऩे लगेंगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि ईरान और इजरायल के बीच युद्ध का अप्रत्यक्ष प्रभाव भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अभी भी ज्यादातर दवाओं के लिए कच्चे माल का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका होगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बढऩे पर भारतीय शेयर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई वृद्धि का दौर निर्मित होते हुए दिखाई दे रहा है। लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत के कई ऐसे मजबूत आर्थिक पक्ष हैं जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं हो सकेगा। खास बात यह है कि इस समय भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। भारत खाद्यान्न अतिशेष

वाला देश है और देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना हुआ है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 21 नवंबर तक भारत के पास 650 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे भारत किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम है। यदि दुनिया के युद्धग्रस्त देशों में युद्ध और तेजी से बढ़ेगा, तो कच्चे तेल के वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढऩे का सिलसिला शुरू हो सकता है और अब यदि कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी, तो दुनियाभर में कई वस्तुओं के दाम बढऩे के साथ-साथ भारत में भी कीमतें बढऩे का सिलसिला शुरू हो सकता है। चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़े कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है, ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढऩे पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। यह भी चिंताजनक है कि अभी देश में महंगाई बढऩे का रुझान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। 14 नवंबर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में थोक महंगाई दर बढक़र 2.36 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 4 महीने का उच्चतम स्तर है। बीते महीने खाद्य पदार्थों, विशेष रूप से सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतें महंगी हो गई हैं। सितंबर 2024 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 1.84 प्रतिशत थी। ज्ञातव्य है कि 12 नवंबर को प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2024 में खुदरा महंगाई दर बढक़र 6.21 प्रतिशत हो गई। यह महंगाई का 14 महीने का उच्चतम स्तर है। इससे पिछले महीने सितंबर में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई थी तथा अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी। आलू, प्याज के साथ अन्य सभी प्रकार की सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि तथा महंगे हुए अनाज व फलों के कारण अक्टूबर माह में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर भी बढक़र 10.87 प्रतिशत हो गई, जबकि सितंबर माह में यह 9.24 प्रतिशत तथा माह अगस्त में 5.66 प्रतिशत थी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच अब सरकार को भी महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी रणनीति की डगर पर आगे बढऩा होगा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक तेल की कीमतों में आए उछाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में अधिक तनाव बढऩे पर भारत कच्चे तेल के किसी भी संकट से निपटने में सक्षम होगा। पहले भारत 27 देशों से कच्चा तेल खरीदता था, अब इन देशों की संख्या बढक़र 39 हो गई है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट के तहत शीघ्र खराब होने वाले सामान की बाजार में समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जो प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, उनका उपयोग किया जाने लगा है। बजट के तहत उपभोक्ता मामलों के विभाग को दाम स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के लिए जो धनराशि आवंटित की गई है, उसका उपयोग जहां दाल, प्याज और आलू के बफर स्टॉक को रखने के लिए किया जाने लगा है, वहीं अन्य खाद्य वस्तुओं के बढ़े दामों को नियंत्रित करने के लिए भी इस कोष का इस्तेमाल किया जाने लगा है। हम उम्मीद करें कि पश्चिम एशिया संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने पर सरकार बाजार की गिरावट रोकने के लिए भी रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि सरकार पीएलआई योजना के तहत दवाई उद्योग में काम आने वाले जिन 35 प्रमुख कच्चे मालों (एपीआई) का उत्पादन देश में ही कर रही है, उनके अलावा करीब 18 प्रकार के एपीआई का उत्पादन भी देश में ही करने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी, ताकि दवाइयों के दामों पर नियंत्रण रखा जा सके। ऐसे बहुआयामी रणनीतिक प्रयासों से देश के आमजन व देश की अर्थव्यवस्था को पश्चिम एशिया संघर्ष और विस्तारित होते रूस-यूक्रेन युद्ध के दुष्प्रभावों से बहुत कुछ बचाया जा सकेगा। भारत को किसी ठोस योजना पर काम करना चाहिए।

दृष्टि कोण

हमारा संविधान : कितना सफल, कितना विफल ?

विश्व के सर्वश्रेष्ठ संविधानों का अध्ययन करने के पश्चात जो हमारे देश के प्रति अनुकूल हो, ऐसी व्यवस्थाओं को अपनाकर देश की स्थितियों के अनुसार परिवर्तन कर, उन्हें लागू करने की गाथा अपने आप में एक गौरवमयी यात्रा रही है। इससे भी अधिक भारतीय संविधान निर्माण की गाथा ऐतिहासिक भी रही है, क्योंकि जब भारत स्वतंत्र हुआ तो नीति निर्माताओं के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती देश को संचालित करने के लिए अपने कानून, नियमों का होना था, जिसकी पूर्ति के लिए संविधान सभा का गठन हुआ, जोकि देश के प्रत्येक क्षेत्र की प्रतिनिधि थी। भारतीय संविधान की रचना भी कोई एक दिन की कहानी नहीं है, बल्कि कई वर्षों के अथक प्रयासों का सम्मिलित रूप है। आज की पीढ़ी को सब कुछ थाली में सजा-परोसा मिलता है न, इसीलिए उसे इसकी कीमत पता नहीं है। हमारे देश ने करीब दो सौ सालों तक केवल ब्रिटिश हुकूमत की गुलामी झेली है। यह समय कितना असहनीय और पीड़ादायी रहा है, यह हमारे लिए कल्पना के भी परे है। किसी भी देश-समाज के संतुलित विकास में उस देश के नियम व कानून बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। भारत में इन कानूनों-नियमों का शासन शास्त्र संविधान कहलाता है। शासन प्रशासन की शक्तियों का स्त्रोत हमारा भारतीय संविधान अपने आप में एक विशेष आयाम रखता है जिस आधार पर ही इसे विश्व के सबसे लंबे व विस्तृत संविधान होने का गौरव प्राप्त है। हम सभी बेहद भाग्यशाली हैं, जो हमने स्वतंत्र भारत में जन्म लिया। हम कुछ भी कर सकते हैं, कहीं भी आ-जा सकते हैं। कुछ भी बोल सकते हैं। जरा सोचिए, कितना हृदय विदारक होता होगा, जब आपको बात-बात पर यातनाएं दी जाती हों। भारत ने कभी गुलामी स्वीकार नहीं की, बल्कि सदैव संघर्ष किया तथा 1947 में अंग्रेजों को भगाया और देश के कुशल संचालन की चिंता चिंतन में परिवर्तित हुई तथा संविधान सभा ने संविधान को 26 नवंबर 1949 को पारित किया तथा 26 जनवरी 1950 से यह प्रभावी हुआ। 26 नवंबर भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। 02 वर्ष 11 महीने 18 दिन तक चले रचना कार्य में निर्माताओं ने एक ऐसा कानूनी दस्तावेज तैयार किया जो वर्तमान की स्थिति, भविष्य की योजना व पूर्व के इतिहास को एक साथ लेकर आगे बढ़ा और आज पूरे विश्व के लिए एक आदर्श मिसाल प्रस्तुत करता है। वर्तमान काल में चिंतन का विषय आ जाता है कि क्या 'शासन का शास्त्र' सही मायने में बन भी पाया है हमारा संविधान, या वास्तविकता कुछ और ही है? वैसे किसी भी राष्ट्र का सबसे पवित्र ग्रंथ उस देश का संविधान होता है, लेकिन भारत में अधिकांश लोगों को संविधान का सार, यानी प्रस्तावना तक का एक भी अंश याद नहीं होगा। लोगों को समझना होगा कि भारत के संविधान का जब निर्माण हुआ था तो यह देश की भौगोलिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक-सामाजिक विरासत व परिस्थितियों का एक प्रतिबिंब था। इसका अनुसरण करके हम भारत को समझ सकते थे। हमें यह 'शासन शास्त्र' ऐसे ही विरासत में नहीं मिला है। इसका एक-एक नियम, अधिकार, कत्र्तव्य, निर्देशक सिद्धांत, उपबंध व सभी व्यवस्थाएं कड़े संघर्ष के पश्चात हमें प्राप्त हुए हैं व विकट परिस्थितियों के बीच प्राप्त हुए हैं, लेकिन आज यह भारत का कानून है, देश का कोई भी व्यक्ति इस 'शासन शास्त्र' से उच्च नहीं है और न कभी हो सकता है। यही बात तो हमारे संविधान को जीवंत बना देती है। हमारा संविधान इसलिए भी विरला और जीवंत है क्योंकि भारत की प्रत्येक परिस्थिति के अनुसार इसमें उपबंध शामिल हैं, जो प्रत्येक अनुकूल व प्रतिकूल स्थिति के अनुसार ढल जाते हैं। भारत के संविधान पर भले ही अन्य विदेशों के संविधानों का थोड़ा या ज्यादा प्रभाव जरूर पड़ा हो, लेकिन इस बात को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि हमारे संविधान पर हमारी पुरातन भारतीय संस्कृति की अमिट छाप है। इसे हम सब ने आत्मार्पित किया है।

कुछ अलग

जनादेश का संदेश

पहली नजर में महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह है कि राज्यों की जनता ने सत्तारूढ़ गठबंधनों में ही विश्वास जताया है। हालांकि, दोनों राज्यों के मुद्दे व राजनीतिक परिदृश्य एक दूसरे से भिन्न हैं, लेकिन महाराष्ट्र में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की अप्रत्याशित जीत ने सबको चौंकाया है। इतनी बड़ी कामयाबी की उम्मीद शायद भाजपा गठबंधन को भी नहीं रही होगी। वहीं दूसरी ओर भले ही झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सत्ता बरकरार रखी हो, मगर महाराष्ट्र की महाविजय झारखंड के मुकाबले अधिक महत्वपूर्ण है, जिसके गहरे निहितार्थ हैं। ऐसा लगा कि भाजपा ने कुशल संगठन और रणनीति के बूते जीतने की आदत विकसित कर ली है। महाराष्ट्र में ऐसी शानदार जीत की कल्पना राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार व उद्धव ठाकरे के होते हुए शायद ही किसी ने की हो। दरअसल, छह माह से कम समय पहले महा विकास अघाड़ी, जिसमें कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना के उद्धव ठाकरे धड़े ने लोकसभा चुनाव में भाजपा व उसके सहयोगियों को पछाड़ दिया था। ऐसे में विधानसभा चुनाव में गठबंधन की उम्मीदें बढ़ गई थीं। लेकिन अति आत्मविश्वास और दलों में फूट के कारण गठबंधन ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। कांग्रेस भी हरियाणा में मिले झटके से कोई सबक नहीं सीख पायी। इसके विपरीत, महायुति ने मतदाताओं को लुभाने के लिये हर संभव प्रयास किया। खासकर महिला केंद्रित लाड़ली बहन योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं ने अद्भुत काम किया। वैसे महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को ध्रवीकरण का भी खासा लाभ मिला। उनकी सफलता में इसके अलावा शिवसेना व राकांपा में विभाजन का लाभ भी भाजपा को मिला। लेकिन वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव परिणामों में गठबंधन द्वारा पूर्ण बहुमत मिलने के बाद जैसी अराजकता व अनिश्चितता पैदा हुई, उम्मीद की जानी चाहिए कि फिर वैसे हालात पैदा नहीं होंगे। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विजयी गठबंधन सरकार का गठन सुचारु रूप से करे। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन के जो मुद्दे चले, वे झारखंड में निष्प्रभावी रहे। हेमंत सोरेन झारखंड की जनता को विश्वास दिलाने में कामयाब रहे कि वे आदिवासी हितैषी हैं। 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा तथा घुसपैठियों का मुद्दा झारखंड के लोगों को रास नहीं आया। कहीं न कहीं प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कथित भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन के खिलाफ हुई कार्रवाई उनके लिये सहानुभूति जगाने की वजह बनी। वहीं महिलाओं के खातों में गई एकमुश्त रकम ने उन्हें बड़ा संबल दिया। महिला कल्याण केंद्रित योजनाओं के चलते महिला वोटर महाराष्ट्र और झारखंड में निर्णायक साबित हुए। लेकिन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिये बड़ा झटका हैं। एक ओर जहां वह झारखंड में झामुमो के कनिष्ठ सहयोगी के रूप में सरकार का हिस्सा रहेगी, वहीं महाराष्ट्र में हुई हार ने उसे इंडिया गठबंधन में बड़ी भूमिका निभाने की स्थिति को कमजोर किया है। आशा है भविष्य की रणनीति बनाने में उसके लिये महाराष्ट्र के सबक मददगार साबित होंगे।

देश दुनिया से

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सुक्खू सरकार को राहत

हाल ही में, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने छह मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। यह निर्णय संविधान की गरिमा रक्षा में न्यायपालिका की अहम भूमिका को ही उजागर करता है। साथ ही शासन की राजकोषीय जिम्मेदारी, तथा कार्यपालिका की सीमाओं को दर्शाता है। राजनीतिक हितों साधने के लिये विधायकों को सुविधा देने को चुनौती देकर, यह फैसला एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के शुक्रवार को आए फैसले ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा नियुक्त छह मुख्य संसदीय सचिवों की नियुक्ति मामले में राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट निर्देश राज्य में हटाये गए छह मुख्य संसदीय सचिवों की विधानसभा सदस्यता को बरकरार रखा है। वे विधायक बने रहेंगे। दरअसल, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न उच्च न्यायालयों जैसे पंजाब-हरियाणा (2009), राजस्थान (2018), और गुवाहाटी (2017) के पिछले फैसलों के अनुरूप है, जिन्होंने इसी तरह मुख्य संसदीय सचिवों नियुक्तियों को अवैध ठहराया था। ये फैसले संविधान के 91वें संशोधन के तहत इन पदों पर रोक लगाने की पुष्टि करते हैं, जो राज्य विधानमंडल की कुल सीटों के 15 प्रतिशत तक मंत्रिपरिषद का आकार सीमित करता है। हिमाचल सरकार के महाधिवक्ता अनूप कुमार रतन ने राज्य का पक्ष रखते हुए दावा किया कि सीपीएस नियुक्तियां विधायिका सदस्यता को समाप्त नहीं करेंगी। उन्होंने असम के सीपीएस मामलों का हवाला दिया, जिनमें नियुक्तियों को रद्द किया गया था, लेकिन विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया गया। वहीं, भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट दायर कर सीपीएस को अयोग्य ठहराने की मांग की है। मौजूदा सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पहली नहीं है जिसने ऐसी नियुक्तियां की हों। इससे पहले 2013 में भाजपा की धूमल सरकार और कांग्रेस की वीरभद्र सिंह सरकार ने भी सीपीएस नियुक्तियों का भरपूर उपयोग किया था। हालांकि, पूर्व जयराम ठाकुर सरकार ने ऐसी नियुक्तियां करने से परहेज किया। इन पदों को रद्द कर, कोर्ट ने मंत्री प्रभाव के विस्तार की एक अनौपचारिक प्रथा को रोक दिया है। यह निर्णय अन्य राज्यों को भी अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर सकता है, खासकर जहां मुख्य संसदीय सचिवों नियुक्तियां आंतरिक पार्टी संघर्षों को प्रबंधित करने के लिए उपयोग की जाती हैं। दरअसल, सीपीएस को पदों से हटाने से प्रशासनिक संरचनाओं को सरल बनाया गया है, जिससे शक्ति के एक अनावश्यक विस्तार को समाप्त किया गया है। अब, शासन मंत्रियों और नौकरशाहों पर केंद्रित होगा, जिससे दक्षता और जवाबदेही बढ़ सकती है। निस्संदेह, सीपीएस नियुक्तियां राज्य पर वित्तीय बोझ डालती हैं। हिमाचल प्रदेश, जो पहले से ही बढ़ते कर्ज और सीमित केंद्रीय सहायता के चलते वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। अब राज्य सरकार के पास स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में खर्च करने के लिए धन को पुनः आवंटित करने का अवसर होगा। यह निर्णय आर्थिक सुधारवादियों और करदाताओं के लिए लाभकारी है, साथ ही अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करता है। हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला न्यायपालिका की संवैधानिक अखंडता को सुदृढ़ करता है। यह 91वें संशोधन की प्रासंगिकता की पुष्टि करता है और भविष्य की सरकारों को संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन करने से हतोत्साहित करेगा। यह निर्णय राजनीतिक फिजूलखर्ची को सीमित कर, अन्य राज्यों में समान कानूनी चुनौतियों को प्रेरित कर सकता है। यह फैसला न्यायपालिका पर जनता के विश्वास को भी मजबूत करता है। जब हिमाचल प्रदेश को अपने कर्मचारियों को वेतन और सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन देने में कठिनाई हो रही है, तो ऐसे में इन पदों को रद्द करने को एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा सकता है। दरअसल, मुख्य संसदीय सचिवों की अवधारणा लंबे समय से विवादास्पद रही है। अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से बनाए गए ये पद अक्सर कार्यपालिका और विधायिका के बीच शक्ति पृथक्करण को बाधित कर देते हैं। 91वें संशोधन ने मंत्रिपरिषद के आकार को सीमित करके इस तरह की विसंगतियों को दूर करने की कोशिश की गई है, जिसे राज्य सरकारें अक्सर नजरअंदाज करती हैं। हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला संकेत देता है कि इस तरह की नियुक्तियां संवैधानिक उपायों को कमजोर करती हैं। हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला अन्य राज्यों को भी सीपीएस जैसे पदों को संवैधानिक सीमाओं में रखने के लिए प्रेरित कर सकता है, जिससे न्यायपालिका का सम्मान और पारदर्शी शासन प्रणाली सुनिश्चित हो सके। हालांकि, यह फैसला राज्य सरकारों के लिए असहज होते हुए भी, शासन को संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप परिभाषित करने का अवसर प्रदान करता है।

आप का नजरिया

शहर के आगोश में गांव

शहरीकरण के नक्शे पर हिमाचल ने नए सफर की शुरुआत करते हुए कुछ पंचायतों को नगर पंचायत, नगर पंचायतों को नगर परिषद और नगर परिषदों को नगर निगम का दर्जा दे दिया है। इस तरह संधोल, धर्मपुर, बड़सर, भोरंज और बंगाणा अब ग्रामीण इलाके नहीं रहे, जबकि नादौन और ज्वाली पूरी तरह अपनी व्यवस्था में शहरी हो गए। नगर निकायों के नए दर्पण में बद्दी, हमीरपुर और ऊना अब निगम की परिपाटी में कई गांवों को शहरी आगोश में लेंगे। गांवों पर शहरों की तख्तियां कोई सरहद नहीं, बल्कि मानवीय व्यवहार का तखल्लुस है। अपनी आर्थिक संरचना, जीवन शैली, रोजगार प्राथमिकता व सामाजिक सुरक्षा के कारण हिमाचल के नागरिक पूरी तरह शहर के व्यवहार में गांव में रह रहे हैं। शहर पूरी तरह जीवन में रच-बस गया है, लेकिन कर अदायगी के आचरण में हिमाचली परिदृश्य खुद को अनछुआ घोषित करता रहा। यह तो राष्ट्रीय नीतियां व केंद्रीय योजनाओं में वित्त पोषण की वजह है जो अब बड़े ही कसीदे से कुछ गांवों के गले में शहरी मंगलसूत्र डाला जा रहा है, वरना आधी सदी से यहां अमल में लाया गया ग्राम एवं नगर योजना कानून इस तरह असहाय न होता। शहरीकरण को सही मायने में अंगीकार करने में कहीं न कहीं हिमाचल ने काफी वक्त खोया है, वरना हमारी दृश्यावलियां व खेत बिगडऩे से पहले बच गए होते। हम पहाड़ की भौगोलिक परिस्थिति को शहरीकरण के अनुकूल मानते ही नहीं रहे, वरना आधुनिकता के बोझ में पहाड़ यूं ही नहीं काटे जाते। आधुनिक हिमाचल में विस्थापन के कारण कुछ मायने में बिलासपुर को नए शहर में बसाया गया या औद्योगिक खोज ने परवाणू की पैमाइश में नया नगर बना दिया, वरना बीबीएन की आर्थिकी में शहरीकरण आज तक उपेक्षित है। लिबास में प्रदेश का सबसे बड़ा शहरी कस्बा बीबीएन अगर आवासीय व अन्य सुविधाओं में शहरी होता, तो औद्योगिक आर्थिकी से हिमाचल के हिस्से में भी पंचकूला या मोहाली सरीखा एक व्यवस्थित शहर होता। आज बीबीएन की शहरी क्षमता रोज रात को चंडीगढ़ के आसपास निकल जाती है। इस नुकसान का आकलन केवल वित्तीय नहीं, बल्कि सामूहिक निष्कासन से हमने शहरीकरण से जुड़ा अपना रुतबा खो दिया। खैर अब बद्दी को नगर निगम की तरजीह में सजाने-संवारने का अवसर मिल रहा है, तो हमीरपुर व ऊना अपने भीतर शहरी क्षमता का विस्तार व आर्थिक उजास पैदा कर रहे हैं। इस तरह हिमाचल में आठ नगर निगम स्थापित हो रहे हैं। अब सवाल यह कि नगर निगमों की व्यवस्था के तहत शहर और गांव के बीच नागरिक तहजीब में कितना अंतर आता है। करीब नौ साल पहले नगर निगम बने धर्मशाला शहर में आए परिवर्तन अगर मानक हैं, तो हकीकत यह है कि सम्मिलित क्षेत्र अभी भी एक पांव गांव और दूसरा शहर में रखे हुए हैं। न तो शामिल किए गए क्षेत्र पूरी तरह शहरी बन पाए और न ही यहां से आय के साधन बढ़े। आश्चर्य यह कि हिमाचल में आजादी से पूर्व सैन्य छावनी का दर्जा हासिल योल कैंप जब से आजाद हुआ है, इसकी ख्वाहिश में ग्रामीण पंचायतों का चयन बढ़ रहा है, जबकि यहां दशकों की शहरी व्यवस्था को नए इंतजाम के तहत धर्मशाला नगर निगम से जोड़ देना चाहिए।

जापान ने सादो द्वीप गोल्ड माइंस समारोह से द. कोरिया की गैरमौजूदगी पर विरोध जताया

टोक्यो, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

जापान ने सादो द्वीप गोल्ड माइंस स्मृति समारोह से दक्षिण कोरिया की गैरमौजूदगी पर विरोध जताया है। जापान सरकार ने यूनेस्को के सादो द्वीप गोल्ड माइंस को सालभर पहले विश्व धरोहर स्थल घोषित करने के बाद पहली बार रविवार को स्मृति समारोह का आयोजन किया। दक्षिण कोरिया ने सरकारी अधिकारियों और पूर्व खदान श्रमिकों के रिश्तेदारों के समारोह में भाग लेने की स्वीकृति दी थी। दक्षिण कोरिया ने शनिवार को अंतिम समय में समारोह से दूर रहने का फैसला किया।

खबर में समारोह का पूरा विवरण दिया गया है। विवरण के मुताबिक बंद हो चुकी सादो द्वीप गोल्ड माइंस में काम करने वाले दक्षिण कोरिया प्रायद्वीप और अन्य जगह के दिवंगत श्रमिकों की स्मृति में मौन रखा गया। समारोह सादो के निगाटा शहर में दोपहर एक बजे शुरू हुआ। निगाटा के गवर्नर हिदेयो हनाज़ुमी सहित लगभग 70 प्रतिभागियों ने मृत खदान श्रमिकों को पुष्पांजलि अर्पित की। जापानी सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह अफसोसजनक है कि दक्षिण कोरिया ने सादो द्वीप पर अब बंद हो चुकी सोने की खदानों में काम करने वाले युद्धकालीन श्रम पीड़ितों को सम्मानित करने के लिए रविवार को आयोजित स्मारक समारोह से हाथ खींच लिया।

हालांकि माना जाता है कि सियोल उन मीडिया रिपोर्टों पर आपत्ति जता रहा है कि समारोह में जापानी सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले विदेश मामलों के संसदीय उप मंत्री अकीको इकुइना ने पिछले दिनों टोक्यो के युद्ध संबंधी यासुकुनी तीर्थ का दौरा किया था। समारोह आयोजन समिति के प्रमुख 83 वर्षीय को नाकानो ने कहा, समारोह में दक्षिण कोरियाई प्रतिभागियों की अनुपस्थिति अफसोसजनक थी। हमें उम्मीद थी कि दक्षिण कोरियाई पक्ष के लोग भी इसमें शामिल होंगे।

न्यूज ब्रीफ

आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के 12 कमांड सेंटरों पर हमला किया

दहीह। इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने लेबनान के दहीह में हिजबुल्लाह के 12 कमांड सेंटरों पर हमला किया है। इजराइल ने ताजा हमले में हिजबुल्लाह की खुफिया इकाई, तट से समुद्र तक मार करने वाली मिसाइल इकाई और यूनिट 4400 द्वारा उपयोग की जाने वाली साइटों को निशाना बनाया है। आईडीएफ के एक्स हैंडल में यह जानकारी दी गई। आईडीएफ ने कहा है कि इन कमांड सेंटरों पर ईरान से सीरिया के माध्यम से लाए गए हथियारों का जखीरा मौजूद था। इन सेंटरों में इजराइल के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई जाती थी। उल्लेखनीय है कि दहीह, लेबनान के बाबदा जिले में बेरूत के दक्षिण का शिया मुस्लिम उपनगर है।

एशिया में महासंकट की आहटः ताइवान के खिलाफ चीन के साथ आया रूस

मॉस्को। रूस ने चीन के समर्थन में खड़े होते हुए अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रूस का कहना है कि अमेरिका ताइवान का इस्तेमाल एशिया में अस्थिरता और संकट पैदा करने के लिए कर रहा है। रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रेई रुडेंको ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि उनका देश ताइवान पर चीन के दावे का पूरी तरह समर्थन करता है। उन्होंने कहा, वाशिंगटन एक चीन सिद्धांत का उल्लंघन कर रहा है और ताइवान को उकसाने के लिए सैन्य सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। अमेरिका एशिया में अपने स्वार्थी हितों के तहत जानबूझकर तनाव पैदा कर रहा है। रुडेंको ने दावा किया कि ताइवान को लेकर अमेरिका का यह रवैया एशियाई क्षेत्र में स्थिरता के लिए खतरनाक है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस, ताइवान मुद्दे पर चीन के साथ मजबूती से खड़ा है। इधर,विशेषज्ञों का मानना है कि रूस का यह रुख यूक्रेन युद्ध में चीन द्वारा किए गए समर्थन का परिणाम है। चीन ने रूस को आर्थिक और सैन्य तौर पर मजबूती प्रदान की है, और यह गठबंधन अब ताइवान मुद्दे पर भी स्पष्ट नजर आ रहा है। रूस के इस कड़े बयान ने ताइवान विवाद को और अधिक जटिल बना दिया है। क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के लिए यह विवाद आने वाले समय में और अधिक गंभीर रूप ले सकता है। रूस ने आरोप लगाया कि अमेरिका सैन्य-राजनीतिक संपर्कों के जरिए ताइवान को भड़काने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ताइवान को हथियार सप्लाई बढ़ाकर क्षेत्रीय मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। सितंबर 2024 में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने ताइवान के लिए 567 मिलियन के सैन्य समर्थन को मंजूरी दी थी, जिसे लेकर रूस ने कड़ी आलोचना की है। चीन ताइवान को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान एक स्वतंत्र लोकतांत्रिक सरकार के रूप में काम करता है।

अमेरिकी डॉलर और यूरो सहित तीन भारतीय नागरिक नेपाल में गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने अमेरिकी एवं अन्य देश की मुद्रा के साथ तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। काठमांडू से बीरगंज के तरफ जा रहे एक में सवार यात्रियों की तलाशी के दौरान बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा के साथ तीन भारतीयों को गिरफ्तार किया गया। मकवानपुर जिले के पुलिस अधीक्षक विश्वराज खड़का ने सोमवार को बताया कि करीब 63 लाख रुपये के अमेरिकी डॉलर और यूरो के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मकवानपुर पुलिस को मिली विशेष सूचना के आधार पर चेकिंग के दौरान यह अवैध करेंसी बरामद हुई। तीनों भारतीय नागरिकों के पास से करीब 63 लाख रुपये मूल्य के बराबर अमेरिकी डॉलर और यूरो मिले हैं। खड़का के मुताबिक पकड़े गए भारतीय नागरिक उत्तर प्रदेश के जालौन के 40 वर्षीय विजय सिंह कुशवाहा के पास 12,000 अमेरिकी डॉलर, गोरखपुर के 26 वर्षीय प्रशांत पाठक के पास 14,000 यूरो और राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के 23 वर्षीय राहुल कुमार मंडावत के पास 20,000 अमेरिकी डॉलर बरामद किया गया।

इस्लामाबाद के डी-चौक पर अभूतपूर्व सुरक्षा, गंडापुर का काफिला गाजी बरोथा पुल पार कर गया

इस्लामाबाद, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद का डी-चौक अभी भी छावनी में तबदील है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के हजारों समर्थकों का काफिला यहां अभी पहुंच नहीं पाया है। हुकूमत ने सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त किया है।

पीटीआई ने इमरान खान के आह्वान पर 24 नवंबर को डी चौक पर प्रदर्शन का ऐलान किया था। इमरान समर्थक भारी सुरक्षा बलों की तैनाती और मोबाइल व इंटरनेट सेवाओं पर रोक के बीच विरोध प्रदर्शन करने के लिए संघीय राजधानी के लिए कूच कर चुके हैं। जेल में बंद 72 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री खान ने 13 नवंबर को, 24 नवंबर को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के लिए अंतिम आह्वान किया था। पीटीआई ने जनता से गुलामी की बेड़ियां तोड़ने के लिए मार्च में शामिल होने का आह्वान किया है।

डी-चौक कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों के करीब स्थित है। यहां राष्ट्रपति आवास, प्रधानमंत्री कार्यालय, संसद और उच्चतम न्यायालय मौजूद है। समूचे इलाके में पुलिस और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के साथ रेंजर्स तैनात हैं। प्रदर्शन के मद्देनजर श्रीनगर राजमार्ग, जीटी रोड और एक्सप्रेस-वे सहित सारे इस्लामाबाद में मार्गों पर कंटेनर रखवा दिए गए हैं। डी-चौक, इस्लामाबाद हवाई अड्डे और न्यू मर्गल्ला रोड पर ए-11 प्वाइंट क्षेत्रों में आसानी से नहीं पहुंचा जा सकता है।

इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर के नेतृत्व में एक काफिला पेशावर से शनिवार को इस्लामाबाद के लिए रवाना हुआ।

गंडापुर के काफिले पर आंसू गैस के गोले दागे गए

पुलिस ने तड़के ढोक घर के पास खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर के नेतृत्व में पीटीआई के काफिले पर आंसू गैस के गोले दागे। बावजूद इसके मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर के नेतृत्व में पीटीआई का मुख्य काफिला सोमवार तड़के गाजी बरोथा पुल को पार कर गया। गाजी बरोथा पुल इस्लामाबाद से 100 किलोमीटर दूर है। पीटीआई समर्थकों ने गाजी बरोथा के पास ठंड से बचने के लिए झाड़ियों में आग लगाकर तापी। उधर, इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक सैयद अली नासिर रिजवी ने तड़के संघीय राजधानी में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के लिए सुरक्षा प्रभाग कमांड और नियंत्रण केंद्र का दौरा किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश भी जारी किए।

वित्तमंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने कहा- रोजाना 190 अरब का नुकसान

वित्तमंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने कहा कि विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों की वजह से सड़कें बंद होने और शटडाउन के कारण पाकिस्तान को प्रतिदिन 190 अरब रुपये का नुकसान हो रहा है। मंत्री की टिप्पणी तब आई है जब विपक्षी दल पीटीआई के संस्थापक इमरान खान के आह्वान पर इस्लामाबाद के डी-चौक पर करो या मरो विरोध प्रदर्शन करने के लिए इस्लामाबाद की ओर मार्च कर रहा है।

इमरान खान के समर्थन में अमेरिका में प्रदर्शन

खबर में कहा गया है कि पीटीआई संस्थापक इमरान खान के आह्वान पर ह्यूस्टन, डलास, ऑस्टिन और प्लानो सहित अमेरिकी राज्य टेक्सास के विभिन्न शहरों में पीटीआई ने रैलियां और प्रदर्शन आयोजित किए। इन विरोध प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में पुरुषों और महिलाओं ने हिस्सा लिया। ह्यूस्टन में पीटीआई नेता सज्जाद बुर्की और आतिफ खान ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। डलास में नदीम जमान, लुबना खान, हाफिज रियाज हुसैन और नाजिया खान ने भाषण दिए। वक्ताओं ने इमरान खान और सभी निर्दोष राजनीतिक कैदियों की तत्काल रिहाई, 26वें संवैधानिक संशोधन को रद्द करने, पाकिस्तान में लोकतंत्र और संवैधानिक अधिकारों की बहाली और सार्वजनिक जनादेश की वापसी की मांग की।

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने युद्ध नायकों को किया नमन

कोलंबो, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

श्रीलंका के राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर अनुरा कुमारा दिसानायके ने राजधानी के विहारमहादेवी पार्क के सेनोटाफ युद्ध स्मारक में आयोजित सशस्त्र बल स्थापना दिवस-2024 समोराह और पोपी फूल उत्सव में हिस्सा लिया। उन्होंने मातृभूमि की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान करने वाले युद्धनायकों को नमन किया।

सशस्त्र बल स्थापना दिवस-2024 समोराह और पोपी फूल उत्सव का आयोजन श्रीलंका पूर्व सैनिक संघ ने सशस्त्र सेवाओं के सहयोग से किया। समारोह में प्रथम विश्व युद्ध से लेकर अब तक के संघर्ष में अपना सर्वोच्च बलिदान करने वालों को याद किया गया। राष्ट्रपति दिसानायके का श्रीलंका एक्स सर्विसमैन एसोसिएशन के महासचिव लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) अजित सियाम्बलपतिया ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

सेनोटाफ युद्ध स्मारक में धार्मिक अनुष्ठान के बाद शहीद युद्ध नायकों की याद में दो मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद राष्ट्रपति ने विशिष्ट अतिथियों और श्रीलंका पूर्व सैनिक संघ के प्रतिनिधियों के साथ युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उप रक्षामंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) अरुणा जयशेखरा, रक्षा मंत्रालय के सचिव एयर वाइस मार्शल (सेवानिवृत्त) संपत थुआकोंथा, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल शैवेंद्र सिल्वा, सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एचएलवीएम लियानाज, वायुसेना के कमांडर मार्शल उडेनी राजपक्षे, नौसेना के कमांडर वाइस एडमिरल प्रियंता परेरा, विदेशी राजदूत, त्रि-सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारी, पूर्व सैनिक संघ के सदस्य और देश के लिए अपनी जान देने वाले तीनों सेनाओं के सदस्यों के परिवारों के रिश्तेदार शामिल हुए।

विदेशमंत्री जयशंकर रोम में भारतीय समुदाय से मिले भारतीय दूतावास के नए कार्यालय का उद्घाटन किया

रोम, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के विदेशमंत्री डॉ. जयशंकर ने इटली की राजधानी रोम में भारतीय समुदाय से मुलाकात की। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा, रोम में भारतीय समुदाय और भारत के दोस्तों के साथ बातचीत करके बहुत अच्छा लगा। इससे पहले कल (रविवार) उन्होंने भारतीय दूतावास के नये कार्यालय का उद्घाटन किया।

इस मौके पर विदेशमंत्री जयशंकर ने कहा कि यह द्विपक्षीय साझेदारी का निरंतर विस्तार है। इससे भारतीय समुदाय को बेहतर सेवा प्रदान करने में मदद मिलेगी। विदेश मंत्री ने एक्स पर कहा कि रोम में भारतीय दूतावास की नई चांसरी का उद्घाटन करते हुए खुशी महसूस हो रही है।

इस अवसर पर इटली विदेश मंत्रालय के महासचिव, राजदूत रिकार्डो गुआरिग्लिया, भारत-इटली संसदीय मैत्री समूह के अध्यक्ष सीनेटर गुइलियो टेरजी और अन्य उपस्थित रहे।

चीन ने लॉन्ग मार्च श्रृंखला के 2 सी कैरियर रॉकेट को लॉन्च किया

बीजिंग, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

चीन ने अपने रॉकेट लॉन्ग मार्च श्रृंखला के 547वें मिशन के अंतर्गत 2 सी कैरियर रॉकेट को लॉन्च किया। इस रॉकेट ने दो उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित किया। यह रॉकेट उत्तर पश्चिमी चीन में जिउक्वान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से सुबह 7:39 बजे (बीजिंग समयानुसार) रवाना हुआ और उपग्रहों की जोड़ी को सिवेई गाओजिंग -203 और सिवेई गाओजिंग-204 को पूर्व निर्धारित कक्षा में भेजा।

खबर में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि इसे शंघाई अकादमी ऑफ स्पेसफ्लाइट टेक्नोलॉजी ने विकसित किया है। सिवेई गाओजिंग-203 और सिवेई गाओजिंग-204 चीन सिवेई सर्वेइंग एंड मैपिंग टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड के स्वामित्व वाले वाणिज्यिक माइक्रोवेव मैपिंग उपग्रह हैं। सिवेई उपग्रह उच्च परिशुद्धता वाले रडार पेलोड से लैस हैं।

अकादमी ने कहा कि दो नए उपग्रहों में नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग से पेलोड दक्षता में 25 प्रतिशत की वृद्धि होगी और उत्पादों के सर्वेक्षण और मानचित्रण की सटीकता में काफी सुधार होगा। इससे वाणिज्यिक सर्वेक्षण और मानचित्रण डेटा के लिए चीन की जरूरी आवश्यकता को पूरा किया जा सकेगा। सिवेई उपग्रहों का उपयोग मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों, शहरी सुरक्षा, आपातकालीन प्रबंधन और समुद्री अनुप्रयोगों जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ओली ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, बीआरआई पर सहमति बनाने का प्रयास

काठमांडू, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

अपने प्रस्तावित चीन भ्रमण के दौरान बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव (बीआरआई) कार्यान्वयन समझौता पर हस्ताक्षर करने से पहले प्रधानमंत्री केपी ओली ने इसको लेकर उठ रहे विवाद को कम करने और बीआरआई पर आम सहमति बनाने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है। सोमवार को प्रधानमंत्री ओली ने अपने दफ्तर सिंहदरबार में बीआरआई पर चर्चा करने और आम सहमति बनाने के लिए सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों और पूर्व विदेश मंत्रियों को बुलाया था।

इस बैठक में प्रधानमंत्री ओली ने 2 दिसंबर से शुरू होने जा रहे चीन भ्रमण के दौरान बीआरआई के कार्यान्वयन समझौते को लेकर जानकारी दी। उन्होंने आगामी चीन भ्रमण के दौरान उठाए जाने वाले एजेंडे को लेकर भी इस बैठक में जानकारी साझा की।

प्रधानमंत्री ओली के साथ बैठक करने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री तथा एकीकृत समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष माधव नेपाल ने कहा कि नेपाल को बीआरआई को स्वीकार कर लेना चाहिए और उसे नेपाल के अधिकतम हित में प्रयोग करना चाहिए। पत्रकारों के साथ बातचीत में माधव नेपाल ने कहा कि जब अमेरिका के साथ एमसीसी से लाभ ले सकते हैं तो फिर चीन के बीआरआई से लाभ लेने से पीछे नहीं हटना चाहिए।

इस बैठक में सहभागी पूर्व विदेश मंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के सांसद एनपी साउद ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सभी को आश्वासन दिया है कि चीन के बीआरआई के तहत नेपाल ऋण को स्वीकार नहीं करेगा।

प्रधानमंत्री ओली ने इस बैठक के दौरान यह भी बताया कि नेपाल अपने हित को और राष्ट्रीय प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए ही कोई समझौता करेगा। साउद ने कहा कि प्रधानमंत्री ओली द्वारा बीआरआई में ऋण को अस्वीकार किए जाने की बात कहना एक सकारात्मक कदम है।

इसी बैठक में सहभागी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेता एवं पूर्व विदेश मंत्री डा प्रकाश चंद्र लोहनी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा अभी यह बात कहना कि हम बीआरआई में ऋण नहीं लेंगे, यह कूटनीतिक तौर पर सही नहीं है। डा. लोहनी ने कहा कि यह सही विदेश नीति नहीं है। बिना चीन के साथ वार्ता किए, पहले ही यह धारणा बना लेना कि ऋण लेना है या नहीं लेना है, यह गलत परंपरा है।

कुश्ती प्रतियोगिता में छाई बेटियां मुरादाबाद की बेटियों को चार गोल्ड

मुरादाबाद, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

उप्र खेल निदेशालय एवं उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के समन्वय से राज्य स्तरीय सब जूनियर बालिका कुश्ती प्रतियोगिता के सोमवार को विभिन्न भार वर्ग के फाइनल मुकाबले सोनकपुर स्टेडियम में खेले गए। एक के बाद एक खिलाड़ियों ने अपने दांव से प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को चित किया। प्रतियोगिता में मेजबान टीम की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन कर पांच पदक अपने नाम किए। इसमें वैष्णवी, पलक आयुषी और तराना ने स्वर्ण पदक हासिल किया। तो वहीं अंजलि ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल ने विजेता बेटियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी नरेश चंद यादव, उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डा. अजय पाठक, पवन सिसोदिया आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डा. अजय पाठक ने बताया कि कुश्ती में मुरादाबाद मंडल की बेटियां चार गोल्ड और एक ब्रांज मेडल जीतकर चैंपियन बन गईं। बेटियों ने 43, 61, 69 व 73 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड और 65 किलोग्राम भार वर्ग में ब्रांज मेडल जीता। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दूसरे मंडलों की बेटियों ने भी गोल्ड, सिल्वर व ब्रांज मेडल जीतकर अपने मंडल का नाम रोशन किया।

फ्रीस्टाइल कुश्ती में आगरा, झांसी, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़, बरेली, अयोध्या, गोरखपुर, आजमगढ़, मेरठ, देर्वपाटन, चित्रकूट धाम, सहारनपुर, मिर्जापुर और मुरादाबाद के टीमों के 140 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। 43 किलोग्राम भार वर्ग में मुरादाबाद मंडल की वैष्णवी ने प्रथम, रहीं।

न्यूज ब्रीफ

श्याम ने की शानदार गेंदबाजी, एसएमआर ने जीता मैच

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डीविजन में एसएमआर क्रिकेट क्लब ने एसएस क्रिकेट क्लब को 23 रन से हरा दिया। इस मैच में श्याम कुमार विश्वकर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए छह विकेट झटके। एसएमआर क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 225 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज तुषार वर्मा मात्र 19 रन बनाकर आउट हो गये। अपनी टीम में सबसे अधिक अर्जुन यादव ने 63 रन का योगदान दिया। शिवांश तिवारी ने 43 रन बनाये, जबकि सुशील सिंह ने 36 रन का योगदान दिया। वहीं एस.एस. क्रिकेट क्लब की टीम 192 रन ही बना सकी और एसएमआर ने 23 रन से मैच को जीत लिया। एसएस क्रिकेट क्लब के सलामी बल्लेबाज मनीष यादव ने 24 रन का योगदान दिया। वहीं ओम ठाकुर ने अपनी टीम में सर्वाधिक 62 रन बनाये। वहीं हिमांशु ने 41 रन बनाये।

लीसेस्टर सिटी ने कोच कूपर को बर्खास्त किया

लंदन। लीसेस्टर सिटी ने रविवार को कोच स्टीव कूपर को सिर्फ 12 मैच के बाद बर्खास्त कर दिया। लीसेस्टर ने कूपर के 12 मैचों में से दो जीते, चार ड्रॉ खेले और छह हारे। नॉटिंघम फॉरेस्ट के पूर्व बॉस ने हाल ही में पदोन्नत क्लब को प्रीमियर लीग में 16वें स्थान पर रखा है, शनिवार को चेल्सी से घरेलू मैदान पर 2-1 से हार के बाद, जिसे अब एन्जो मारेस्का द्वारा कोचिंग दी जा रही है, कूपर को बर्खास्त कर दिया गया। मारेस्का के जाने के बाद कूपर को स्टैमफोर्ड ब्रिज में पदभार संभालने के लिए नियुक्त किया गया था, जिसमें लीसेस्टर को बचाने का कठिन काम था, और वह टीम को रिलीगेशन जोन से बाहर बैठाकर चले गए। लीसेस्टर के बयान में कहा गया, पुरुषों की प्रथम टीम के प्रशिक्षण की देखरेख प्रथम टीम के कोच बेन डावसन करेंगे, जिन्हें कोच डैनी एल्कॉक और एंडी ह्यूजेस का सहयोग प्राप्त होगा, क्लब एक नए मैनेजर की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर रहा है, जिसे हम जल्द से जल्द पूरा करने की उम्मीद करते हैं।

आईएसएल: ओडिशा एफसी की मेजबानी करेगी हैदराबाद एफसी

हैदराबाद। हैदराबाद एफसी जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में ओडिशा एफसी की मेजबानी करेगी, तो दोनों टीमें अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के बाद इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में जीत पाना चाहेंगी। पिछले साल खराब सीजन के बाद, हैदराबाद एफसी इस बार सात मैचों में दो जीत, एक ड्रा और चार हार से सात अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर हैं। उसका इरादा जीत से उच्च रैंक वाले प्रतिद्वंद्वियों के साथ अंतर पाटना होगा। वहीं, ओडिशा एफसी आठ मैचों में दो जीत, तीन ड्रा और तीन हार नौ अंक लेकर तालिका नौवें स्थान पर है। हेड कोच सर्जियो लोबेरा इस लीग में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी रणनीतिकारों में से एक रहे हैं, इसलिए वह जगरनॉट्स से लगातार बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे। हैदराबाद एफसी ने आईएसएल 2024-25 में खेले अपने मैचों के शुरुआती 15 मिनट में अपने 43त्न गोल किए हैं, जिसमें से अब तक उनके सात में से तीन गोल मैच की इस अवधि में आए हैं। हैदराबाद एफसी ने अपने घरेलू मैदान पर खेले पिछले 15 मैचों में जीत दर्ज नहीं की है। वास्तव में, यहां उनकी आखिरी जीत फरवरी 2023 में मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ 1-0 से हुई थी। ओडिशा एफसी ने आईएसएल 2024-25 में प्रति मैच 10+ ओपन प्ले पास के आठ सीक्वेंस दर्ज किए हैं। यह किसी भी टीम का सबसे अधिक औसत है। मोर्टाडा फॉल और कार्लोस डेलगाडो जैसे अनुभवी सेंट्रल डिफेंडर होने के बावजूद, ओडिशा एफसी आईएसएल 2024-25 में अब तक खेले अपने आठ मैचों में कोई क्लीन शीट नहीं रख पाई है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी

पर्थ टेस्ट में भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत, ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराया

पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से बनाई बढ़त

पर्थ, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम ने पर्थ में खेले जा रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 534 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम चौथे दिन 238 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में ट्रैविस हेड ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 89 रन बनाए। उनके अलावा मिचेल मॉर्श ने 47 और एलेक्स कैरी ने 36 रन बनाए।

भारतीय टीम ने हासिल की खास उपलब्धि – इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पहली पारी में केवल 150 (या उससे कम) स्कोर करने के बावजूद बड़े अंतर से जीतने वाली केवल दूसरी टीम बन गई है। इससे पहले 1991 में ब्रिजटाउन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वेस्टइंडीज ने 343 रनों से जीत हासिल की थी, जहां उन्होंने अपनी पहली पारी में केवल 149 रन बनाए थे।

जसप्रीत बुमराह को मिला प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार – कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द मैच रहे, जिन्होंने आठ विकेट लिए, जिसमें पहली पारी में लिए गए महत्वपूर्ण पांच विकेट भी शामिल थे।

मैच रिपोर्ट– भारतीय टीम ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर सिमट गई थी। भारत को दूसरी पारी में 46 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी में भारत ने 6 विकेट के नुकसान पर 487 रन बनाकर पारी घोषित कर दी है। इस लिहाज से भारतीय टीम की कुल बढ़त 533 रन की हुई और ऑस्ट्रेलिया को 534 रन का लक्ष्य मिला।

534 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही और केवल 17 रनों के स्कोर पर नाथन मेकस्विनी (00), पैट कमिंस (02), मार्नश लाबुशेन (03) और उस्मान ख्वाजा (04) पवेलियन लौट गए। यहां से स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड ने पांचवे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया के मैच में वापसी दिलाने की कोशिश की। हालांकि 79 के कुल स्कोर पर मोहम्मद सिराज ने स्मिथ को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराकर उनकी कोशिशों पर पानी फेर दिया। स्मिथ ने 17 रन बनाए।

मॉर्श और हेड ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला – दूसरी तरफ से शानदार बल्लेबाजी कर रहे हेड ने इसके बाद अपना अर्धशतक पूरा किया। हेड को मॉर्श का अच्छा साथ मिला और दोनों ने छठे विकेट के लिए 82 रन जोड़े। 161 के कुल स्कोर पर जसप्रीत बुमराह ने हेड को पंत के हाथों कैच कराकर यह साझेदारी तोड़ी। हेड ने 101 गेंदों पर 89 रन बनाए। 182 के कुल स्कोर पर नीतीश रेड्डी ने मॉर्श को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका दिया। मॉर्श ने 47 रन बनाए।

यहां से एलेक्स कैरी और मिचेल स्टॉर्क ने मिलकर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 225 के पार पहुंचाया। 227 के कुल स्कोर पर वाशिंगटन सुंदर ने स्टॉर्क (12) को आउट कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। इसी ओवर में सुंदर ने नाथन लियोन (00) को बोल्ड कर मैच में अपना दूसरा विकेट लिया। हर्षित राणा ने 238 के कुल स्कोर पर एलेक्स कैरी (36) को बोल्ड कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिला दी।

दूसरी पारी में भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने और मोहम्मद सिराज ने 3-3, वाशिंगटन सुंदर ने 2, नीतीश रेड्डी और हर्षित राणा ने 1-1 विकेट लिया।

भारत ने दूसरी पारी 6 विकेट पर 487 रन बनाकर घोषित की, जायसवाल, कोहली का शतक – इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 487 रन बनाकर घोषित कर दी। दूसरी पारी में भारत के लिए यशस्वी जायसवाल ने 161 रनों की बेहतरी शतकीय पारी खेली। जायसवाल के अलावा विराट कोहली (100) ने भी नाबाद शतकीय पारी खेली, जो उनके करियर का 30वां टेस्ट शतक था। इन दोनों के अलावा केएल राहुल ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 77 रन बनाए। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने 29 और नीतीश रेड्डी ने 27 गेंदों पर 38 रनों की तेज नाबाद पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन लियोन ने 2, मिचेल स्टॉर्क, जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिचेल मॉर्श ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रनों पर सिमटी– इससे पहले जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 104 रनों पर समेट दिया। बुमराह ने 5 विकेट लिए। इसी के साथ पहली पारी के आधार पर भारत को 46 रनों की बढ़त मिली गई है। भारतीय टीम पहली पारी में केवल 150 रनों पर सिमट गई थी। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टॉर्क ने सर्वाधिक 26 रन बनाए। स्टॉर्क के अलावा एलेक्स कैरी ने 21, ट्रैविस हेड ने 11 और मेकस्विनी ने 10 रन बनाए। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 5, हर्षित राणा ने 3 और मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट लिए।

भारत ने पहली पारी में बनाए 150 रन– मैच में भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय बल्लेबाजों ने एक बार फिर निराश किया और पूरी टीम केवल 150 रनों पर सिमट गई। भारत की तरफ से नीतीश रेड्डी ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। नीतीश के अलावा ऋषभ पंत ने 37 और केएल राहुल ने 26 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से जोश हेजलवुड ने 4, मिचेल स्टॉर्क, पैट कमिंस और मिचेल मॉर्श ने 2-2 विकेट लिए।

नाइजीरिया के खिलाफ केवल 7 रन पर ऑल आउट हुई आइवरी कोस्ट की टीम, 264 रन से हारी मैच

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

आइवरी कोस्ट ने पुरुषों के टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में न्यूनतम स्कोर का रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है। रविवार को लागोस में आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप उप-क्षेत्रीय अफ्रीका क्वालीफायर ग्रुप सी के मैच में आइवरी कोस्ट की टीम नाइजीरिया के खिलाफ मात्र 7 रन पर सिमट गई और टीम को 264 रन की हार झेलनी पड़ी।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नाइजीरिया ने प्लेयर-ऑफ़-द-मैच सेलिम सलाउ की 53 गेंदों में 112 रन की पारी (रिटायर्ड आउट) और सुलेमान रनसेवे (29 गेंदों में 50 रन) और इसाक ओक्पे (23 गेंदों में 65* रन) के अर्धशतकों की बदौलत 4 विकेट पर 271 रन बनाए। जवाब में नाइजीरिया के बाएं हाथ के स्पिनर इसाक डानलाडी और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रॉस्पर उसेनी ने तीन-तीन विकेट लिए, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज पीटर अहो ने दो और सिल्वेस्टर ओक्पे ने एक विकेट लिया, जबकि एक बल्लेबाज रन आउट हुआ, जिससे आइवरी कोस्ट 7.3 ओवर में ऑल आउट हो गई। ओपनर ओउटारा मोहम्मद छह गेंदों में 4 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। आइवरी कोस्ट बल्लेबाजों के स्कोर 4, 0, 1, 0, 0, 1, 0, 1, 0, 0*, 0, थे। पुरुषों के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में एकल अंक का स्कोर बनाने वाली टीम का यह पहला उदाहरण था, और इसने इस प्रारूप में सबसे कम स्कोर, 10 ऑल आउट, को पीछे छोड़ दिया, जो दो बार (इस साल सितंबर में मंगोलिया बनाम सिंगापुर और पिछले साल आइल ऑफ मैन बनाम स्पेन) दर्ज किया गया था। नाइजीरिया की 264 रनों की जीत ने पुरुष टी20आई में सबसे बड़े अंतर से जीत की सूची में भी तीसरा स्थान हासिल किया। पिछले महीने जिम्बाब्वे ने गाम्बिया को 290 रनों से हराया था, जिसके बाद नेपाल ने सितंबर 2023 में हांग्जो में एशियाई खेलों में मंगोलिया पर 273 रनों से जीत दर्ज की थी। यह जीत नाइजीरिया की ग्रुप में इतने ही मैचों में दूसरी जीत थी, और आइवरी कोस्ट की इतने ही मैचों में दूसरी हार थी - वे अपने पहले मैच में सिएरा लियोन के खिलाफ 21 रन पर आउट हो गए थे और 168 रनों से हारे थे। नाइजीरिया छह टीमों की तालिका में शीर्ष पर है, जबकि आइवरी कोस्ट सबसे नीचे है।

मुम्बई इंडियंस के लिए खेलने के बाद सिपाही का बेटा अब राजस्थान रॉयल्स में

झांसी, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश पुलिस के जवान का लाल तीन साल आईपीएल में मुंबई इंडियन के लिए खेलने के बाद अब राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलेंगे। क्रिकेटर कुमार कार्तिकेय को अब राजस्थान रॉयल्स टीम ने खरीद लिया है। आईपीएल 2025 की दो दिवसीय लगने वाली बोली में पहले दिन उत्तर प्रदेश के मूल रूप से सुलतानपुर निवासी खिलाड़ी कुमार कार्तिकेय को राजस्थान रॉयल्स में तीस लाख रुपये में खरीदा है। कुमार कार्तिकेय इसके पूर्व वर्ष 2022, 2023 व 2024 में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे थे। कुमार कार्तिकेय एक अच्छे गेंदबाज के रूप में आईपीएल में एंट्री की थी। गौरतलब है कि कुमार कार्तिकेय के पिता उत्तर प्रदेश पुलिस में जनपद झांसी में पुलिस लाइन में हेड कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं, वह पुलिस लाइन में ही सरकारी आवास में परिवार के साथ रहते हैं। उनके बेटे पहली बार आईपीएल में पहुंचे थे। तब जनपद झांसी में तैनात एसएसपी शिवहरि मीना ने उसे उत्तर प्रदेश पुलिस का मान बढ़ाने वाली बात मानते हुए सम्मानित किया था। कुमार कार्तिकेय अब अपनी गेंदबाजी की धार से राजस्थान रॉयल्स को चमकाने के लिए तैयार हैं।

डब्ल्यूबीबीएल : मेलबर्न स्टार्स ने कोच जोनाथन बैटी से नाता तोड़ा

मेलबर्न, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) टीम मेलबर्न स्टार्स ने एक और सत्र में फाइनल में जगह बनाने में असफल रहने के बाद कोच जोनाथन बैटी से नाता तोड़ लिया है। स्टार्स ने सोमवार को एक बयान जारी कर खुलासा किया कि बैटी और क्लब ने एक निराशाजनक सीज़न के बाद आपसी सहमति से अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत अपने पहले तीन मैचों में दो जीत के साथ की, लेकिन फिर लगातार छह मैच हार गए, और सीज़न का आखिरी गेम बारिश की भेंट चढ़ गया, जिससे वे तालिका में सबसे नीचे आ गए।

बैटी, जो महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के भी कोच हैं, ने तीन सत्रों तक स्टार्स को कोचिंग दी थी, लेकिन वे छठे, सातवें और आठवें स्थान पर रहे।

स्टार्स के महाप्रबंधक ब्लेयर क्राउच ने कहा, हम जोनाथन और पिछले 3 वर्षों में स्टार्स के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहते हैं। हम जोनाथन और उनके परिवार को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं। हमें लगता है कि यह सूची सफलता प्राप्त करने की स्थिति में है और आखिरकार, हम फिर से डब्ल्यूबीबीएल के फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। डब्ल्यूबीबीएल के इतिहास में स्टार्स ने केवल एक बार फाइनल में जगह बनाई है, जब ट्रेंट वुडहिल ने 2020-21 में उन्हें फाइनल में पहुंचाया था, लेकिन निर्णायक मैच में सिडनी थंडर से हार गए थे। वुडहिल ने उद्घाटन कोच डेविड हेम्प से पदभार संभाला था, जिन्होंने फाइनल खेले बिना पहले पांच सत्रों तक उन्हें कोचिंग दी थी। वुडहिल ने एक सत्र के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में पद संभालने के लिए भूमिका छोड़ दी थी। बैटी को नियुक्त किए जाने से पहले 2021-22 में एक सीज़न के लिए जेरार्ड लॉफ़नन ने पदभार संभाला था। स्टार्स और होबार्ट हरिकेंस केवल दो ऐसी फ़्रैंचाइज़ी हैं जिन्होंने एक भी डब्ल्यूबीबीएल या बिग बैश लीग (बीबीएल) खिताब नहीं जीता है।

हाओ रान ने ग्वांगडोंग-हांगकांग-मकाओ रोड साइकिलिंग रेस जीती

झुहाई, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

अगले वर्ष होने वाले 15वें चीनी राष्ट्रीय खेलों के लिए एक परीक्षण कार्यक्रम, 2024 ग्वांगडोंग-हांगकांग-मकाओ रोड साइकिलिंग रेस, रविवार को यहां इनर मंगोलिया के हाओ रान के खिताब जीतने के साथ संपन्न हुई। 230 किलोमीटर की यह रोमांचक रेस, जिसमें हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज को पार करना भी शामिल था, झुहाई संग्रहालय के बाहर शुरू हुई और यहीं पर आकर समाप्त हुई।

67 एथलीटों ने मकाओ में प्रवेश करने से पहले झुहाई में 17 किलोमीटर की राइड के साथ शुरुआत की। इसके बाद वे हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज को पार करके हांगकांग पहुंचे, हांगकांग डिजनीलैंड में वापस लौटे और हेंगकिन द्वीप के चारों ओर तीन चक्कर पूरे करते हुए झुहाई वापस लौटे।

अंतिम दो किलोमीटर में, हाओ ने बढ़त हासिल की और 5 घंटे, 15 मिनट और 18 सेकंड के समय के साथ अपनी जीत सुनिश्चित की। शेडोंग के मियाओ चेंगशुओ दूसरे स्थान पर रहे, दोनों राइडर्स ने लगभग समान समय में फिनिश लाइन पार की। तियानजिन के वांग रुइदोंग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। हाओ ने अपनी जीत के बाद कहा, यह पहली बार था जब मैंने समुद्री पुल पर 60 किलोमीटर से अधिक की राइड की। प्रकृति की विशालता का अनुभव करना वास्तव में विस्मयकारी था। पुल पर साइड विंड कठिन थे, लेकिन कई क्षेत्रों को पार करना इसे और भी रोमांचक बनाता है। हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज दुनिया का सबसे लंबा क्रॉस-सी ब्रिज है, जो ग्वांगडोंग प्रांत को हांगकांग और मकाओ से जोड़ता है। हांगकांग और मकाओ दोनों ने ही तीन-तीन एथलीट प्रतियोगिता में भेजे। विन्सेंट वान याउ लाउ हांगकांग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता रहे, जो आठवें स्थान पर रहे। हांगकांग टीम के मुख्य साइकिलिंग कोच हर्वे डागोर्न ने आयोजकों की खूब प्रशंसा की। फ्रांस और कजाकिस्तान की राष्ट्रीय टीमों का प्रबंधन करने वाले डागोर्न ने कहा, मैंने जो देखा वह एकदम सही था। मैं अगले साल के बारे में बिल्कुल भी चिंतित नहीं हूं। यह निश्चित रूप से एक बेहतरीन संगठन होगा। पुरुषों की रोड साइक्लिंग स्पर्धा एकमात्र प्रतियोगिता है जो अगले वर्ष के राष्ट्रीय खेलों के लिए तीन सह-मेजबानों गुआंग्डोंग, हांगकांग और मकाऊ के बीच होगी, जो 9 से 21 नवंबर, 2025 के बीच आयोजित होंगे।

पेटीएम ने यूपीआई लाइट के लिए स्वचालित टॉप-अप सुविधा की शुरुआत की

नई दिल्ली,25 नवंबर (एजेंसियां) ।
देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) की बढ़ती मांग और इस्तेमाल के बीच डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म पेटीएम ने यूपीआई लाइट ऑटो टॉप-अप फीचर लॉन्च किया है। इस नए फीचर्स के जरिए यूजर्स बिना पिन के भी यूपीआई पेमेंट का लाभ उठा सकेंगे। पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसिएल) ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर दी जानकारी में

यूजर्स पहले से तय यूपीआई लाइट बैलेंस को ऑटो-मैटिक रूप से कर सकेंगे रिचार्ज

बताया कि नई सुविधा की मदद से पेटीएम यूपीआई लाइट का इस्तेमाल करने वाले ग्राहक अब पहले से तय यूपीआई लाइट बैलेंस को ऑटो-मैटिक रूप से रिचार्ज कर सकेंगे और बिना पिन के 500 रुपये तक के छोटे अमाउंट वाले पेमेंट निर्बाध्य रूप से कर सकेंगे जबकि पेटीएम यूपीआई लाइट की डेली पेमेंट लिमिट 2000 रुपये है। कंपनी के मुताबिक पेटीएम यूपीआई लाइट के जरिए अब ग्राहक ग्रॉसरी स्टोर पर भुगतान, ट्रांसपोर्ट के लिए पेमेंट और छोटे बिल पेमेंट के लिए बिना पिन के भी ट्रांजेक्शन कर सकते हैं। इसके अलावा नए फीचर के जरिए पेटीएम यूपीआई लाइट यूजर्स अपने अकाउंट में एक लिमिट भी सेट कर सकते हैं, जिसके कम होने पर आपका पेटीएम अकाउंट ऑटोमेटिकली रिचार्ज हो जाएगा। ऐसे बिना पिन के आपके अकाउंट में पैसे आ जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पेटीएम यूपीआई लाइट ऑटो टॉप-अप सुविधा चुनिंदा उपयोगकर्ताओं के लिए यस बैंक और एक्सिस बैंक उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। यूपीआई लाइट बैलेंस के पूर्व निर्धारित सीमा से कम होने पर स्वचालित रूप से रिचार्ज हो जाता है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल का व्यापार घाटा 460 अरब के पार

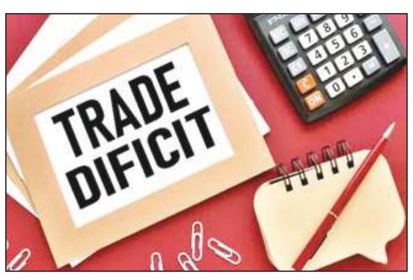

काठमांडू । नेपाल का व्यापार घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह में 460 अरब रुपये से अधिक हो गया है। सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार नेपाल ने चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान 513.38 अरब रुपये के सामान का आयात किया, जबकि निर्यात केवल 52.67 अरब रुपये तक ही रहा। विभाग के अनुसार नेपाल ने चार महीनों में कुल 566.5 अरब रुपये के विदेशी व्यापार में 460.71 अरब रुपये का व्यापार घाटा देखा। आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में आयात 0.17 प्रतिशत बढ़ा, जबकि निर्यात में 4.16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में नेपाल का भारत के साथ व्यापार घाटा 281 अरब रुपये को पार कर गया है। इस अवधि के दौरान नेपाल ने भारत से करीब 317 अरब रुपये का सामान आयात किया, जबकि उसने भारत को सिर्फ 36 अरब रुपये का सामान निर्यात किया। इन चार महीनों में नेपाल ने 29.4 अरब रुपये का डीजल, 21.56 अरब रुपये का पेट्रोल और 18.85 अरब रुपये का एलपीजी आयात किया।

भारत और नॉर्वे के बीच टेपा समझौते पर हुई चर्चा, व्यापारिक संबंधों को और प्रगति देने की योजना बनाई

नई दिल्ली । भारत के वाणिज्य सचिव सुनील भार्थवाल ने हाल ही में नॉर्वे का दौरा किया। उनका यह दौरा भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ ईएफटीए देशों के साथ व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टेपा) लागू करने में तेजी लाने और 100 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से था। भार्थवाल का नॉर्वे दौरा भारत और ईएफटीए देशों के बीच टेपा समझौते को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए था। इस समझौते के तहत, भारत को ईएफटीए देशों के बाजारों में अपने उत्पादों और सेवाओं के निर्यात के लिए 99.6 प्रतिशत बाजार का अधिकार मिलेगा। इसमें गैर-कृषि उत्पादों और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों पर महत्वपूर्ण टैक्स छूट दी जाएगी। भारत ने ईएफटीए देशों को 82.7 प्रतिशत अपनी टैक्स लाइनों की पेशकश की है, जो ईएफटीए के निर्यात का 95.3 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। भारत ने ईएफटीए के लिए 105 उप-क्षेत्रों की पेशकश की है, जबकि नॉर्वे ने 114 क्षेत्रों में प्रतिबद्धता की है। भार्थवाल ने नॉर्वे में टॉमस नॉर्वोल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इन बैठकों में मुख्य रूप से व्यापार संबंधों को बढ़ावा देना भारतीय निर्यात को प्रोत्साहन देना, और टेपा के अनुमोदन में तेजी लाने के मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा वाणिज्य सचिव ने नॉर्वेजियन संसद के सदस्यों से भी मुलाकात की और समझौते के संभावित लाभों पर जोर दिया।

अमेरिकी चुनाव के परिणाम ने बढ़ाई बिटकॉइन की चमक, 2011 में जिस निवेशक ने 100 रुपये लगाया वह है 1.65 करोड़ का मालिक

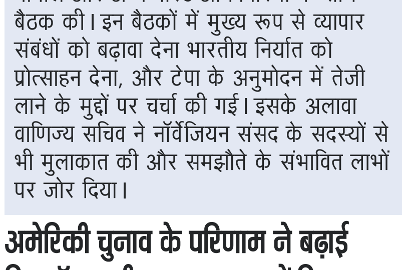

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम आने के बाद दुनिया भर में क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की चर्चा में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इलेक्शन रिजल्ट्स के बाद से ही बिटकॉइन की कीमत में जोरदार उछाल देखा जा रहा है। साल 2011 को जब बिटकॉइन की कीमत केवल 1 डॉलर थी, यह क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ने वाले एक निवेशक ने सिर्फ 100 रुपये निवेश किए थे, जिसका वर्तमान मूल्य लगभग 1.65 करोड़ रुपये है7 बिटकॉइन का सफर साल 2009 में शुरू हुआ था और साल 2024 में इसकी कीमत 1 करोड़ रुपये के आसपास पहुंच चुकी है। 24 नवंबर को बिटकॉइन की कीमत 97,654.9 डॉलर (लगभग 82.43 लाख रुपये) थी। इस चौंकाने वाली बढ़ोतरी के साथ बिटकॉइन ने महामारी के समय में भी दिखाया कि यह एक सुरक्षित निवेश हो सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नेता भड़काएंगे...

नेता घटनाक्रम को इस तरह से पेश कर रहे हैं जैसे पत्थरबाजी करने वाली इस्लामी भीड़ पीड़ित हो। जैसे बिना किसी अदालती आदेश के मस्जिद का सर्वे किया जा रहा था।हिंसक भीड़ ने जामा मस्जिद के पास खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी। संभल के पुलिस अधीक्षक आईपीएस कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि इस हिंसा को पूरी तरह से सोची-समझी साजिश के तहत अंजाम दिया गया है। इस्लामी भीड़ ने उन बाइकों और कारों में आग लगाई जिस पर पुलिस लिखा हुआ था या उसका स्टिकर चिपका था। इन्ही वाहनों के बगल कई मुस्लिमों के वाहन भी खड़े थे, जिसे भीड़ ने हाथ भी नहीं लगाया। पुलिस अधीक्षक बताया है कि घटना की वीडियोग्राफ़ी ड्रोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से करवाई गई है। हमलावरों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत भी केस दर्ज होगा। कई हमलावरों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ के साथ उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इनमें पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद के जनसम्पर्क अधिकारी, डिप्टी कलेक्टर और डिप्टी एसपी अनुज चौधरी शामिल हैं। हिंसा में तीन लोगों की मौत हुई, लेकिन उनकी मौत कैसे हुई, यह रहस्य में है, क्योंकि आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट किया जा चुका है कि पुलिस ने गोली नहीं चलाई।

हिंसक भीड़ में करीब 2 हजार से अधिक दंगाई शामिल थे। हिंसा के वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि भीड़ किसी भी हालत में मस्जिद में सर्वे कर रही टीम तक पहुंचना चाहती थी। रास्ते में पुलिस ने पहले बैरिकेड और बाद में समझा-बुझाकर भी भीड़ को रोकने की कोशिश की। यहां बड़ा सवाल ये है कि हजारों की भीड़ को एक ही दिशा और टारगेट की तरफ पीछे से कौन बढ़ा रहा था? भीड़ लगभग एक ही तरह का नारा लगा रही थी।

उनके पहनावे भी कमोबेश एक जैसे थे। इन सभी के हमले का तरीका भी एक जैसा ही था। छतों और गलियों में दीवालों की ओट ले कर पत्थरबाजी भी एकदम प्रशिक्षित तरीके से भीड़ कर रही थी। यही कारण है कि शुरुआत में पुलिस को भी पीछे हटना पड़ा। हमले के अंदाज से साफ लग रहा था कि कोई इसे कंट्रोल कर रहा है।

हिंसक भीड़ के हमले से गलियां और सड़कें पत्थरों से पट गईं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि नगर निगम का ट्रैक्टर ईंट के टुकड़े और पत्थरों को ट्रालियों में भर रहा है। अगर पूरे हिंसाग्रस्त इलाके के पत्थरों को जमा किया जाए तो यह ट्रक भर से ज्यादा निकलेगा। ऐसे में सवाल बनता है कि ये पत्थर कब से जमा किए जा रहे थे और इन्हें लाया कहां से गया। खबर लिखे जाने तक चार ट्राली ईंट-पत्थर बरामद किए जा चुके थे। इन ईंट पत्थरों को बाकायदा काट-काट कर साइज दिया गया था। वह साइज जिससे पुलिस पर फेंकने में आसानी रहे। इतना ही नहीं, हिंसक भीड़ में बुजुर्ग से लेकर नाबालिग बच्चों तक के हाथों में ईंट-पत्थर दिख रहे थे।सर्वे के बाद संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहा था, यहां पर मस्जिद है, मस्जिद थी और मस्जिद ही रहेगी। हम चाहते हैं कि देश का माहौल खराब न हो। इशारों में जियाउर्रहमान ने विष्णु शंकर जैन को सम्बोधित करते हुए कहा था, कुछ लोग बाहर से आकर यहां का माहौल खराब करना चाहते हैं। इसी बीच शुक्रवार 22 नवंबर को इसी जामा मस्जिद में भारी भीड़ देखी गई थी। इसी मस्जिद में नमाज पढ़ने वाले एक वकील ने मीडिया को बताया था कि सामान्य तौर पर मस्जिद में 500-600 लोग जुमे की नमाज पढ़ने आते थे। लेकिन मुकदमे और सर्वे के बाद जुमे को 4000 से अधिक लोग पहुंचे। आखिर इस जुमे में ऐसा क्या था जो 10 गुना अधिक लोग जुट गए?

शुक्रवार को ही जुमे की नमाज के दौरान सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने इस्लाम को शांति का मजहब बताते हुए पुलिस की तैनाती पर आपत्ति जताई थी। हिंसा के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने हमलावरों का बचाव करते हुए प्रशासन पर ही सारा दोष मढ़ने की कोशिश की है। मुजफ्फरनगर की ही तरफ इस बार भी उन्होंने पूरी हिंसा की एक छोटी क्लिप काट कर प्रशासन को ही गुनहगार ठहराने की कोशिश की। सपा नेताओं की यह बयानबाजी ही है जिसके कारण पत्थरबाज युवकों को समझाने की कोशिश करते हुए एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा कि बेटा अपना भविष्य खराब न करो। बार-बार उन्होंने इन युवकों से कहा, अपना भविष्य बर्बाद मत करो इन नेताओं के चक्कर में।

जनता ने ...

और जब समय आता है, तब सजा भी देती है। सबसे ज्यादा पीड़ा की बात ये है कि जो नए सांसद नए विचार और नई ऊर्जा लेकर आते हैं, उनके अधिकारों को कुछ लोग दबोच देते हैं। सदन में उनको बोलने का अवसर नहीं मिलता।

लोकतांत्रिक परंपरा में हर पीढ़ी का काम करना है अगली पीढ़ी को तैयार करें, लेकिन 80-90 बार जनता ने जिनको लगातार नकार दिया है, वे न संसद में चर्चा होने देते हैं और न ही लोकतंत्र की भावना का सम्मान करते हैं। न ही वे लोगों की आकांक्षाओं को समझते हैं। उसका परिणाम है कि वे जनता की उम्मीदों पर कभी भी खरे नहीं उतरते। इसके चलते जनता को उन्हें बार-बार रिजेक्ट करना पड़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि साथियों ये सदन लोकतंत्र के आम चुनाव के बाद देश की जनता को अपने-अपने राज्यों में कुछ स्थानों पर अपनी भावना, अपने विचार प्रकट करने का अवसर मिला है। उसमें भी 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों को और अधिक ताकत दी गई है और अधिक समर्थन का व्याप बढ़ा है। लोकतंत्र की ये शर्त है कि हम जनता-जनार्दन की भावनाओं का आदर करें उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए लगातार मेहनत करें। मैं बार-बार विपक्ष के साथियों से आग्रह करता रहा है और कुछ विपक्ष जिम्मेदारी से व्यवहार करते भी हैं कि सदन में सुचारू रूप से काम हो, लेकिन लगातार जिनको जनता ने नकार दिया है, वे अपने साथियों की भावनाओं का भी अनादर करते हैं, लोकतंत्र की भावनाओं का अनादर करते हैं। मैं आशा करता हूं कि हमारे नए साथियों को अवसर मिले, सभी दल में नए साथी हैं, उनके पास नए विचार हैं, भारत को आगे ले जाने के लिए नई कल्पनाएं हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद में बैठे हुए हम सभी को जनता जनार्दन की भावनाओं पर खरा उतरना ही पड़ेगा। समय की मांग है कि हम जितना समय गंवा चुके हैं, उसका थोड़ा प्रायश्चित करें। हम बहुत ही तंदरुस्त तरीके से संसद में चर्चा करें। आने वाली पीढ़ियां उसे पढ़ेंगी और उससे प्रेरणा लेगी। मुझे आशा है कि ये सत्र बहुत ही परिणामकारी हो। भारत की वैश्विक गरिमा को बल देने वाला हो, नए सांसद और विचारों को बल देने वाला हो। इसी भावना के साथ मैं फिर एक बार सभी सांसदों को उत्साह और उमंग के साथ सभी साथियों का स्वागत करता हूं।

अडाणी और संभल...

विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों ही सदनों में शून्यकाल एवं प्रश्नकाल नहीं हो पाया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के जॉन ब्रिटास, कांग्रेस के नीरज डांगी, प्रमोद तिवारी और अखिलेश प्रसाद सिंह और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह समेत कई सदस्यों ने अडाणी समूह के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों के रिश्वतखोरी के आरोपों पर चर्चा की मांग को लेकर नोटिस दी। आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा सहित विपक्ष के कुछ अन्य सदस्यों ने मणिपुर में हिंसा और उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के मुद्दे पर नोटिस दी थी।सभापति धनखड़ ने इन सभी नोटिस को अस्वीकार कर दिया और खड़गे को अपनी बात रखने का मौका दिया। खड़गे ने कहा कि अडाणी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि अगर सूचीबद्ध कामकाज को निलंबित कर दिया जाता है तो विपक्षी सदस्य बता सकते हैं कि यह बहुत अहम मुद्दा है और यह कैसे पूरे देश को कैसे प्रभावित कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वैश्विक स्तर पर देश की छवि खराब हुई और फिर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अडाणी का समर्थन कर रहे हैं। सभापति ने कहा कि वह इस मुद्दे पर उनके नोटिस को अस्वीकार कर चुके हैं इसलिए वह इसे उठा नहीं सकते। इसके बाद कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और आसन से खड़गे को बोलने देने की मांग करते रहे।

सपा सांसद...

लाठियां चलाकर हिंसक लोगों को दौड़ाया और सर्वे टीम को सुरक्षित मस्जिद से बाहर निकाला। कुछ देर में भीड़ फिर जुट गई और पथराव शुरू कर दिया। फायरिंग भी की गई। मौके पर पहुंची अन्य जिलों की पुलिस और पीएसी के साथ अधिकारियों ने उपद्रव करती भीड़ से मोर्चा लिया। इसके बावजूद करीब डेढ़ घंटे हालात बेकाबू रहे। जैसे-तैसे भीड़ को तितर-बितर कर पुलिस आगे बढ़ी। पूरे इलाके की नाकेबंदी कर दी। इस बीच पूरे शहर में तनाव गहरा गया। शाम होने तक सख्ती इतनी बढ़ा दी गई कि शहर में अघोषित कर्फ्यू जैसा माहौल हो गया।

19 नवंबर को संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए हिंदू पक्ष कोर्ट पहुंचा था। चंदौसी स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य कुमार सिंह की अदालत में वाद दाखिल किया गया था। कोर्ट ने कमीशन गठित कर रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव के नेतृत्व में टीम ने 19 नवंबर की शाम को ही सर्वे की की शुरुआत कर दी थी। रविवार को टीम सर्वे की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए दोबारा मस्जिद पहुंची थी। इस मामले में कोर्ट में अगली सुनवाई 29 नवंबर को होगी।

हिंदू पक्ष का कहना है कि मंदिर पृथ्वी-राज चौहान के शासन से पहले बना था, जबकि मस्जिद मुगल काल में मंदिर को तोड़कर बनाई गई थी। वहीं मुस्लिम पक्ष का कहना है कि मस्जिद टीले पर बनी है। किसी मंदिर को तोड़कर नहीं बनाई गई है। 19 नवंबर को हिंदू पक्ष द्वारा दावा पेश करने के दिन ही न्यायालय ने कोर्ट कमिश्नर नियुक्त कर दिया। उसी दिन कोर्ट कमिश्नर ने मस्जिद पहुंचकर सर्वे भी किया था। करीब दो घंटे तक वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की गई थी। कोर्ट कमिश्नर 29 नवंबर को न्यायालय में रिपोर्ट पेश करेंगे। सर्वे के बाद से जामा मस्जिद के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। जुमे की नमाज के दौरान शहर को छावनी में तब्दील कर दिया था, जिससे शांतिपूर्वक नमाज अदा हुई। रविवार की सुबह कोर्ट कमिश्नर दोबारा सर्वे करने पहुंचे तो बवाल शुरू हो गया।

यह राजनीति से ...

एक तरह से हम भारत के संविधान का सम्मान कर रहे हैं और इसकी बातों को देश की जनता के सामने ला रहे हैं। हम संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। जब राष्ट्रपति दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करेंगे, तो मेरा मानना है कि इसमें दलगत राजनीति नहीं होगी। हम भारतीय संविधान दिवस मनाएंगे। आज शाम हम राष्ट्रपति जी के पास जाएंगे और उन्हें कल के कार्यक्रम के लिए आमंत्रित करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ विपक्षी दलों के साथ समस्या यह है कि उन्होंने व्यवस्थाओं को जाने बिना ही प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री कल समारोह में बोल भी नहीं रहे हैं। केवल लोकसभा अध्यक्ष, उपराष्ट्रपति और भारत के राष्ट्रपति ही बोलेंगे। हमने लोकसभा और राज्यसभा के विपक्षी नेताओं के लिए मंच पर बैठने की व्यवस्था की है। बिना कुछ जाने गंभीर अवसर पर इस तरह की प्रतिक्रिया निंदनीय है।केंद्रीय संस्कृति सचिव अरुनीश चावला ने कहा कि मंगलवार को संविधान दिवस को 75 साल पूरे हो रहे हैं। पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल और संविधान सदन में कार्यक्रम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संबोधित करेंगी। इसके बाद पूरे साल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विशेष वेबसाइट बनाई जाएगी। इसमें संविधान सभा की बैठकों और पैनल रिपोर्ट का ब्यौरा होगा। देश के सभी स्कूलों, शहरों और गांवों में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया जाएगा। लोग प्रस्तावना पढ़ने की वीडियो रिकॉर्ड करके इसे पोर्टल पर अपलोड करेंगे। इसके बाद उनको प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इसके साथ ही सरकार डाक टिकट और सिक्का जारी करेगी।

ढाका एयरपोर्ट पर...

बांग्लादेश में हिदुओं और अन्य अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों पर हमले की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनके खिलाफ अल्पसंख्यक वर्ग द्वारा कई बार विरोध प्रदर्शन किए गए हैं।अक्तूबर से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और अधिकारों की मांग को लेकर सनातन जागरण मंच ने चटगांव में विरोध प्रदर्शन शुरू किए थे। इसमें चिन्मय कृष्ण दास प्रभु ने कई बार सरकार पर हमला बोला। उनके नेतृत्व में हिंदू अल्पसंख्यकों ने आठ प्रमुख मांगों को लेकर आवाज बुलंद की है। इसमें अल्पसंख्यकों के विरुद्ध अपराध शामिल लोगों पर मुकदमा चलाने के लिए न्यायाधिकरण का गठ, पीड़ितों को मुआवजा और उनका पुर्नवास, अल्पसंख्यक संरक्षण कानून को लागू करने, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का गठन, शैक्षिक संस्थानों और छात्रावास में अल्पसंख्यकों के प्रार्थना स्थल और पूजा कक्ष बनाने, हिंदू, बौद्ध और ईसाई वेलफेयर ट्रस्टों को प्राथमिकता देने, संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम लागू करने, पाली और संस्कृत शिक्षा बोर्ड के आधुनिकीकरण और दुर्गा पूजा में पांच दिन की छुट्टी की मांग शामिल है।

संविधान से ...

उल्लेखनीय है कि 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने 42वें संवैधानिक संशोधन करके संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द शामिल किए थे। इस संशोधन के बाद प्रस्तावना में भारत का स्वरूप संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य से बदलकर संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य हो गया था। सुनवाई के दौरान अपनी दलील देते हुए याचिकाकर्ता अधिवक्ता विष्णु कुमार जैन ने नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के एक हालिया फैसले का हवाला दिया। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 39(बी) पर 9 जजों की पीठ के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि उस फैसले में शीर्ष कोर्ट ने समाजवादी शब्द की उस व्याख्या पर असहमति जताई जिसे शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर और ओ चिन्नप्पा रेड्डी ने प्रतिपादित किया था।

इस पर मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने कहा कि भारतीय संदर्भ में हम समझते हैं कि भारत में समाजवाद अन्य देशों से बहुत अलग है। हम समाजवाद का मतलब मुख्य रूप से एक कल्याणकारी राज्य समझते है। कल्याणकारी राज्य में उसे लोगों के कल्याण के लिए खड़ा होना चाहिए और अवसरों की समानता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने 1994 के एसआर बोम्मई मामले में धर्मनिरपेक्षता को संविधान की मूल संरचना का हिस्सा माना था। वकील जैन ने आगे तर्क दिया कि संविधान में 1976 का संशोधन लोगों को सुने बिना पारित किया गया था क्योंकि यह आपातकाल के दौरान पारित किया गया था। इन शब्दों को शामिल करने का मतलब लोगों को विशिष्ट विचारधाराओं का पालन करने के लिए मजबूर करना होगा। उन्होंने कहा कि जब प्रस्तावना एक कट-ऑफ तारीख के साथ आती है, तो इसमें नए शब्द कैसे जोड़े जा सकते हैं? पीठ ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 368 संसद को संविधान में संशोधन करने की शक्ति देता है और इसके विस्तार में प्रस्तावना भी आती है।

धर्मांधता की...

बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर हसन और जस्टिस फहमीदा कादर की बेंच ने कहा, कुरान और पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ गैर-जरूरी, बेशर्म, अड़ियल, भड़काऊ भाषण और आचरण के लिए मृत्युदंड जैसी सजा का प्रावधान होना चाहिए, इस पर संसद को विचार करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, किसी भी ऐसे भड़काऊ भाषण या ऐसे कामों को खत्म करने के लिए, जो इस्लाम को ठेस पहुंचा सकता है, या फिर उसे लेकर डर, आतंक, परेशानी या आशंका पैदा करता है, इनके लिए सजा बढ़ाने और गैर जमानती बनाने पर विचार किया जाना चाहिए। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट की नई सिफारिश पर यदि यूनुस सरकार कानून बनाती है, तो इसका असर सबसे अधिक हिंदुओं पर ही पड़ेगा।

बांग्लादेश के भीतर अब किसी भी हिंदू को निशाना बनाने के लिए ईशनिंदा एक टूलकिट के तौर पर उपयोग होने लगा है। एक बार आरोप लग जाने के बाद, चाहे वह झूठा हो या सच्चा, भीड़ किसी की नहीं सुनती।

मोहम्मद यूनुस की सरकार में शामिल खालिद हुसैन ने चटगांव में एक मस्जिद को सऊदी अरब की मदीना मस्जिद की तरह विकसित करने का ऐलान किया है। खालिद हुसैन ने कहा, अंदरकिला शाही जामे मस्जिद मुगल वास्तुकला का एक अनूठा उदाहरण है। इसे स्थानीय मुस्लिम समुदाय की आकांक्षाओं के अनुरूप एक शानदार मस्जिद के रूप में विकसित किया जाएगा।

बांग्लादेश की ...

और आरोप लगाया कि सरकार हिंदुओं को आपस में बांटने की साजिश रच रही हैं। वॉयस ऑफ बांग्लादेशी हिंदू नामके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए चिन्मय कृष्ण प्रभु ने कहा, हम आर्य हैं, हम इस मिट्टी की सच्ची संतान हैं। इस देश को छोड़कर कहीं मत जाओ। वे हमें बांटने की कोशिश कर रहे हैं। एकजुट रहो, बंटे मत रहो। चिन्मय कृष्ण प्रभु के बयान पर कामिनी डी नामकी यूजर ने कहा, इस संसार में जीने का एक ही तरीका है बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे। साथ-साथ रहो। हिंदू-हिंदू भाई-भाई। रजनीश नाम के यूजर ने हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर कहा कि बांग्लादेश से अलग एक हिंदू राष्ट्र ही एकमात्र हल है। वहीं अरुण नाम के यूजर ने भी चिन्मय कृष्ण प्रभु की बातों का समर्थन करते हुए कहा कि हिंदू ही बांग्लादेश के सच्चे मालिक हैं।

उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त को शेख हसीना वाजेद की सरकार के गिरने के साथ ही वहां पर बीएनपी की अगुवाई में इस्लामिक कट्टरपंथी सरकार बांग्लादेश की सत्ता में आती है। इसके साथ ही अल्पसंख्यकों के खिलाफ अचानक से कट्टरपंथियों के हमले बढ़ गए। हर दिन हिंदुओं पर किसी न किसी तरह से हमले किए गए। जब इस्कॉन की अगुवाई में चटगांव में हिंदुओं ने रैली निकाली तो उसके अगले ही दिन बांग्लादेशी झंडे का अपमान करने का आरोप लगाते हुए इस्कॉन के अध्यक्ष चिन्मय कृष्ण दास समेत 19 लोगों के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज कर लिया गया। हाल ही में इस्कॉन को बांग्लादेश में आतंकी करार दे दिया गया।

साल 2025 में लगेंगे 2 चंद्र ग्रहण और 2 सूर्य ग्रहण

नए साल में चार ग्रहण होंगे। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य एवं चंद्र ग्रहण का विशेष महत्व है। इस दौरान शुभ कार्य और पूजा-पाठ करने की मनाही है। लापरवाही करने या बरतने से शारीरिक और मानसिक सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल 2025 में भी चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। वर्ष में कुल दो चंद्र ग्रहण लगने वाले हैं। इनमें से पहला ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा जबकि दूसरा चंद्र ग्रहण भारत में नजर आएगा। पहला चंद्र ग्रहण 14 मार्च 2025 को लगेगा। यह पूर्ण ग्रहण होगा। यह चंद्र ग्रहण होलिका दहन के दिन लगेगा। लेकिन भारत में दिखाई नहीं के कारण इस चंद्र ग्रहण का भारत में कोई असर नहीं होगा। ये चंद्र ग्रहण यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका और पैसिफिक में दिखाई देगा। दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को लगेगा। यह चंद्र ग्रहण पितृ पक्ष की शुरुआत में लगेगा और यह भारत में दिखाई देगा, जिससे इसका सूतक मान्य होगा।

पहला सूर्य ग्रहण 29 मार्च 2025 को लगेगा। यह आंशिक सूर्य ग्रहण और रात को लगने के कारण भारत में दिखाई नहीं देगा। पहला सूर्य ग्रहण यूरोप, रूस और अफ्रीका में दिखाई देगा। दूसरा सूर्य ग्रहण 21 सितंबर 2025 को लगेगा यह भी भारत में नहीं दिखेगा। यह भी आंशिक सूर्य ग्रहण होगा और न्यूजीलैंड, पैसिफिक व अंटार्कटिका में दिखाई देगा।

29 मार्च को पहला सूर्य ग्रहण

पहला सूर्य ग्रहण 29 मार्च 2025 को चैत्र मास की कृष्ण पक्ष के दिन लगेगा। यह पूर्ण ग्रहण दोपहर 14:21 बजे से शाम 18:14 बजे तक रहेगा। यह विशेष रूप से बरमूडा, बारबाडोस, डेनमार्क, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, उत्तरी ब्राज़ील, फिनलैंड, जर्मनी, फ्रांस, हंगरी, आयरलैंड, मोरक्को, ग्रीनलैंड, कनाडा का पूर्वी भाग, लिथुआनिया, हॉलैंड, पुर्तगाल, उत्तरी रूस, स्पेन, सूरीनाम, स्वीडन, पोलैंड, पुर्तगाल, नॉर्वे, यूक्रेन, इंग्लैंड और अमेरिका के पूर्वी क्षेत्र, आदि में देखा जा सकेगा। यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए इसका कोई धार्मिक प्रभाव नहीं माना जाएगा। साथ ही इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। इस दौरान मीन राशि और उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में ग्रहों का विशेष संयोग बनेगा। दिन मीन राशि में सूर्य और राहु के अतिरिक्त शुक्र, बुध और चंद्रमा उपस्थित होंगे। इससे द्वादश भाव में शनि विराजमान होंगे। इससे तीसरे भाव में वृषभ राशि में बृहस्पति, चौथे भाव में मिथुन राशि में मंगल और सप्तम भाव में कन्या राशि में केतु स्थित होंगे। पांच ग्रहों प्रभाव एक साथ होने के कारण इस ग्रहण का राशियों पर बहुत गहरा प्रभाव देखने को मिल सकता है।

21 सितंबर को दूसरा सूर्य ग्रहण

दूसरा सूर्य ग्रहण 21 सितंबर की रात्रि में लगेगा, जो आश्विन मास की पक्ष अमावस्या के दिन रात 22:59 बजे से शुरू होकर 22 सितंबर की सुबह 03:23 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस पूर्ण ग्रहण को न्यूजीलैंड, फिजी, अंटार्कटिका और ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी भागों में देखा जा सकेगा। यह ग्रहण भी भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए यहां इसका धार्मिक प्रभाव भी होगा और न ही इसका सूतक काल मान्य होगा। साल का दूसरा ग्रहण कन्या राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में आकार लेगा। इस दौरान सूर्य, चंद्रमा और बुध के साथ कन्या राशि में स्थित होंगे और उन पर मीन राशि में बैठे शनि देव की पूर्ण दृष्टि रहेगी। इससे भाव में तुला राशि में मंगल होंगे, छठे भाव में कुंभ राशि में राहु, दशम भाव में बृहस्पति और द्वादश भाव में शुक्र और केतु की युति होगी। कन्या राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए यह सूर्य ग्रहण विशेष रूप से प्रभावशाली हो सकता है।

मार्च को पहला चंद्र ग्रहण

साल 2025 का पहला चंद्र ग्रहण 14 मार्च को फाल्गुन मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन लगेगा। यह ग्रहण भारतीय समयानुसार सुबह 10:41 बजे से दोपहर 14:18 बजे तक यह पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया के अधिकांश भाग यूरोप अफ्रीका के अधिकांश भाग, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत अटलांटिक आर्कटिक महासागर, पूर्वी एशिया और अंटार्कटिका, आदि क्षेत्रों में दिखाई देगा। यह भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए इस ग्रहण का धार्मिक दृष्टि से भारत कोई महत्व नहीं होगा। खगोलीय दृष्टि से यह चंद्र ग्रहण सिंह राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में लगेगा, इसलिए सिंह राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए यह ग्रहण विशेष रूप से प्रभावशाली रहने वाला है।

चंद्र ग्रहण के दिन चंद्रमा से सप्तम भाव में सूर्य शनि विराजमान रहेंगे और चंद्रमा को पूर्ण सप्तम दृष्टि से देखेंगे। ऐसे में इसका प्रभाव और भी गहरा देखने को मिलेगा। इस दिन चंद्रमा से दूसरे भाव में केतु, सप्तम भाव में सूर्य और शनि, अष्टम भाव में राहु, बुध और शुक्र, दशम भाव में बृहस्पति और एकादश भाव मंगल विराजमान होंगे।

7 सितंबर को दूसरा चंद्र ग्रहण

वर्ष का दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को भाद्रपद मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन लगेगा। यह रात्रि 21:57 बजे शुरू होकर 1:26 बजे प्रभावी रहेगा और भारत समेत संपूर्ण एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका के पूर्वी क्षेत्रों में दिखाई देगा। यह चंद्र ग्रहण भारत में भी नजर आएगा इसलिए इसका सूतक काल मान्य होगा और धार्मिक दृष्टि से इसका महत्व होगा। इस ग्रहण का सूतक काल सितंबर को दोपहर 12:57 बजे से आरंभ होगा और ग्रहण की समाप्ति तक रहेगा।

यह पूर्ण चंद्र ग्रहण कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में लगेगा, जिसमें चंद्रमा के साथ राहु और सप्तम भाव में सूर्य, केतु और बुध विराजमान होंगे। इस संयोजन का कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में व्यक्तियों पर विशेष प्रभाव पड़ सकता है। इन जातकों को सावधानी बरतने का आवश्यकता रहेगी।

प्राकृतिक आपदाओं की आशंका

चार ग्रहणों की वजह से प्राकृतिक आपदाओं का समय से ज्यादा प्रकोप देखने को मिलेगा। इसमें भूकंप, बाढ़, सुनामी, विमान का संकेत मिल रहे हैं। प्राकृतिक आपदा में जनहानि कम ही होने की संभावना है। फिल्म एवं राजनीति से दुखद समाचार। व्यापार में तेजी आएगी। बीमारियों में कमी आएगी।

रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक उच्च होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दिसंबर में शादी के 6 शुभ मुहूर्त, पंचक भी लगेगा

देवउठनी एकादशी के बाद से मांगलिक शुरू हो चुके हैं। विवाह, गृह प्रवेश और मुंडन जैसे शुभ कार्यों लिए दिसंबर में भी शुभ मुहूर्त हैं। इंदौर के ज्योतिषाचार्य पं. हर्षित मोहन शर्मा ने बताया कि दिसंबर में शादी के छह शुभ मुर्हूत पड़ रहे हैं। इसके अलावा, चार दिन ऐसे हैं जब गृह प्रवेश किया जा सकता है। इसके अलावा नामकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध और उपनयन संस्कार के भी अलग-अलग दिनों में शुभ मुहूर्त हैं।

दिसंबर माह के शुभ मुहूर्त की पूरी लिस्ट

शुभ विवाह: दिसंबर माह की 04, 05, 09, 10, 14 और 15 तारीख को शुभ मुहूर्त के योग हैं।

नामकरण: किसी भी शिशु के नामकरण के लिए दिसंबर माह की 05, 06, 08, 11, 22, 23, 25, 26, 27 तिथियां उत्तम बताई गई हैं।

अन्नप्राशन: इसके लिए 05, 06 और 25 दिसंबर की तारीख शुभ है।

कर्णवेध: दिसंबर माह में कर्णवेध के लिए 01, 06, 07, 11, 12, 15, 23, 25, 28 की तारीख शुभ रहेगी।

उपनयन: दिसंबर में 04, 05, 06, 11, 15, 16, 19 तारीख को शुभ मुहूर्त में उपनयन संस्कार किए जा सकते हैं।

गृह प्रवेश: नूतन भवन में प्रवेश और वास्तु शांति पूजा के लिए 05, 11, 25, 28 दिसंबर की तारीख पर शुभ मुहूर्त हैं।

विद्यारम्भ: 04, 05, 06, 11, 12, 19, 25, 26 और 27 दिसंबर विद्यारंभ के मुहूर्त हैं।

दिसंबर में कब खरीदें वाहन और प्रॉपर्टी

प. हर्षित मोहन शर्मा के अनुसार, दिसंबर माह में प्रॉपर्टी और वाहन खरीदने के कई शुभ मुहूर्त है। यदि कोई वाहन खरीदने की योजना बना रहे हैं तो 05, 06, 08, 11, 15, 23, 25 और 26 दिसंबर दिन आने वाले शुभ मुहूर्त देखें।

इसी तरह,प्रॉपर्टी क्रय करने संबंधी किसी भी शुभ कार्य के लिए 01, 10, 11, 15, 19, 20, 21, 26, 30 और 31 दिसंबर तारीख उत्तम है।

दिसंबर में सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि

दिसंबर में सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग भी रहे हैं, जो किसी भी तरह के शुभ कार्य के लिए उत्तम हैं। इन दिनों में शुरू किया गया व्यापार फलदायी होता है और क्रय की कई वस्तु लंबे समय तक बनी रहती है।

भूल से भी इन चीजों को न रखें इस दिशा में, राहु-केतु का होता है वास

राहु और केतु को ज्योतिष में पाप ग्रहों की श्रेणी में रखा गया है। वास्तु में भी इन ग्रहों को बेहद महत्वपूर्ण जाता है, क्योंकि ये दोनों ही ग्रह व्यक्ति के जीवन में उथल-पुथल मचा सकते हैं। हालांकि, इनकी स्थिति का सही से आकलन किया जाए और इनसे जुड़ी सावधानियां और उपाय आजमाए जाएं तो ये शुभ परिणाम भी व्यक्ति को दे सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि, घर में आपको राहु-केतु से जुड़ी क्या सावधानियां बरतनी चाहिए। घर की कौन सी दिशा में राहु-केतु का प्रभाव होता है? इन स्थानों पर आपको क्या चीजें रखने से बचना चाहिए।

इस दिशा में होता है राहु केतु का वास

घर के नैऋत्य कोण (दक्षिण-पश्चिम दिशा) में राहु-केतु का होता है। दक्षिण-पश्चिम दिशा के स्वामी भी राहु और केतु ही हैं। इसलिए कभी भी इस दिशा में आपको कुछ विशेष चीजों को नहीं रखना चाहिए। आइए जानते हैं इनके बारे में।

तिजोरी और आभूषण इस दिशा में न रखें

घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में आपको गलती से भी नहीं रखनी चाहिए। तिजोरी इस स्थान पर रखने से लाभ की जगह आपको नुकसान हो सकता है। इसके साथ ही सोने-चांदी के आभूषण आदि भी इस दिशा में रखना शुभ नहीं माना जाता।

इस दिशा में न रखें किताबें और ना ही बनाएं स्टडी रूम

राहु-केतु को ज्योतिष में पैदा करने वाला ग्रह माना जाता है। इसके साथ ही ये आपकी एकाग्रता पर भी बुरा असर डाल सकते हैं। इसलिए कभी भी इस दिशा में पढ़ाई का सामान आपको नहीं रखना चाहिए। इसके साथ ही बच्चों का स्टडी रूम भी इस दिशा में नहीं होना चाहिए, इससे बच्चों मन पढ़ाई से भटक सकता है।

इस दिशा में न रखें तुलसी का पौधा

नैऋत्य कोण में तुलसी का पौधा रखना भी अच्छा नहीं माना जाता। इस दिशा में तुलसी को रखने से आपको शुभ परिणामों के स्थान पर अशुभ प्रभाव मिल सकते हैं। तुलसी का पौधा इस दिशा हो तो घर में नकारात्मकता का वास हो सकता है।

दक्षिण-पश्चिम दिशा में न बनाएं पूजा स्थल

घर का पूजा स्थल भी इस दिशा में नहीं बनाना चाहिए। पूजा स्थल के लिए सबसे सही दिशा उत्तर-पूर्व को माना जाता है। अगर आप गलती से दक्षिण-पश्चिम दिशा में पूजा स्थल हैं तो घर-परिवार में कलह हो सकते हैं। साथ ही पूजा का वैसा परिणाम आपको नहीं मिलता जैसा आप चाहते हैं।

घर का टॉयलेट भी न हो इस दिशा में

दक्षिण-पश्चिम दिशा में आपको घर का टॉयलेट बनाने से भी बचना चाहिए। अगर आप इस दिशा में टॉयलेट बनाते तो आपको कई परेशानियों का सामना जीवन में करना पड़ सकता है। यहां टॉयलेट बनाने से आपके घर में दरिद्रता आ सकती है।

दक्षिण पश्चिम दिशा में बनाएं ये चीजें

इस दिशा में आप मशीनें, टीवी, रेडियो, खेलकूद का सामान, घर के मुखिया का कमरा आदि बना सकते हैं। चीजों को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखने से आपको लाभ होता है।

सुबह सवेरे यह करें काम अच्छी सेहत के साथ किस्मत के सितारे भी हो जाएंगे आप पर मेहरबान

अगर आपकी सुबह अच्छी होगी तो शाम भी। शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख है। यूं तो अपना दिन अच्छा बनाने के लिए लोग सुबह सुबह कई सारे काम करते । सुबह जब सोकर उठते हैं तो ज्यादातर सोचते हैं कि आज कुछ ऐसा हो जिससे पूरा दिन बन जाए। कुछ लोग सुबह सुबह उठते ही स्नान आदि के बाद ईश्वर की आराधना करते हैं। साथ ही दान-पुण्य करते हैं। आंख खुलते ही कोशिश करते हैं कि कोई अच्छी दिखे ताकि पूरा दिन अच्छा हो। लेकिन शास्त्रों में ऐसी तमाम बातें बताई गई हैंए अगर समझ लें तो जीवन में होने वाली सभी परेशानियों को खत्म किया जा सकता है। ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सुबह उठकर कुछ काम कर लें तो आपका मन शांत हो सकता है और पूरे दिन आपका अच्छा व्यतीत हो सकता है। में किस्मत के सितारे आप पर मेहरबान हो इसके लिए कुछ कार्य करने चाहिए और कुछ कार्य नहीं करने चाहिए आइए जानते हैं सुबह सवेरे क्या कार्य करने चाहिए और क्या कार्य नहीं करने चाहिए। आइए जानते हैं इनके बारे में

हल्दी या केसर का तिलक से गुरु की है कृपा

सुबह हल्दी या केसर का तिलक लगाकर ही घर से बाहर निकलना चाहिए। ऐसा करने से देवताओं के गुरु बृहस्पति देव की कृपा बनी रहती है और कुंडली में भी शुभ स्थिति बनती है। ऐसा करने पर गुरु की विशेष कृपा होती है और करियर में सदैव लाभ मिलता है। गुरु के मजबूत रहने से जीवन के हर क्षेत्र में लाभ होता है।

तुलसी की पूजा से बुध व गुरु देते हैं शुभ फल

सुबह स्नान आदि से निवृत होकर तुलसी की पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से ना सिर्फ घर में सुख-शांति बनी रहती है बल्कि ग्रहों के राजकुमार बुध और देवताओं के गुरु बृहस्पति भी शुभ फल देने लगते हैं। इनकी पूजा करने से इन ग्रहों के दोष दूर हैं और जीवन में ऐश्वर्य और प्रगति आती है। साथ ही कुंडली में इनकी स्थिति मजबूत होती है।

सूर्य पूजा से दूर होता है सूर्य दोष

सुबह जल्दी हर रोज सूर्य को जल देना चाहिए। ऐसा करने से में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है और घर.परिवार और समाज में आपका यश फैलता है। साथ ही ऐसा करने से सूर्य से संबंधित दोष भी खत्म होने लगते हैं। सूर्य को जल देने से हड्डियों और आंख की समस्या खत्म होती है और कई तरह के रोगों से मिलती है।

पीपल की पूजा से खत्म होता है शनि व राहु दोष

हिंदू धर्म में पीपल को पूजनीय बताया गया है इसलिए सुबह पीपल को जल अवश्य देना चाहिए। शास्त्रों में बताया गया है कि पीपल की करने से जिन जातकों की कुंडली में शनि व राहु दोष है तो उन्हें इनके कुप्रभाव से मुक्ति मिलती है। साथ ही कई शास्त्रों और पुराणों में बताया गया है कि पीपल को जल देने से भगवान विष्णु का भी आशीर्वाद मिलता है और पूर्वज भी प्रसन्न होते हैं।

सप्तशती से शुक्र होता है मजबूत

ज्योतिष शास्त्र के अनुसारए सुबह दुर्गा सप्तशती के कवचए कीलक अर्गला स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से जातक की कुंडली में बुध और शुक्र की स्थिति मजबूत होती है और दोनों ही शुभ फल देने लगते हैं। इनके पाठ करने से सभी कष्ट दूर होते हैं और आपके ऊपर आने वाली परेशानियां पहले ही खत्म हो जाती हैं। इनका पाठ करने से देवी दुर्गा का आशीर्वाद मिलता है और सभी कार्य आसानी से पूरे होते हैं।

महमृत्युंजय मंत्र का जप करना बहुत उत्तम

सुबह महमृत्युंजय मंत्र का जप करना बहुत उत्तम माना गया है। शास्त्रों में बताया गया है कि ऐसा करने से भगवान शिव के आशीर्वाद के साथ-साथ चंद्र मंगल राहु केतु और शनि के भी दोष दूर होते हैं और सभी शुभ फल देने लगते हैं। इन के शुभ फल देने से जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलती है और साहस व उत्साह बना रहता है।

नींद खुले तो तुरंत बिस्तर छोड़ दें

अगर सुबह आपकी नींद खुल गई है तो फिर आप बिस्तर पर न लेटे रहें। तुरंत उठ जाएं। आलस्य करके लेटे रहने आपकी सारी ऊर्जा नष्ट हो जाती है।

न करें एल्कोहल का सेवन

सुबह के समय एल्कोहल का सेवन न करें। इससे आपके सेहत में कई समस्या आएंगी। जिससे आगे चलके आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सिगरेट से दूरी बनाए

सिगरेट आप कभी भी लें ये आपके सेहत को नुकसान पहुंचाएगा ही लेकिन फिर भी इसे सुबह लेने से दूरी बनाएं। यदि सुबह के समय आपने इसका सेवन किया तो कैंसर की संभावना और अधिक बढ़ जाती है।

लड़ाई-झगडा न करें

सुबह.सुबह कभी भी लड़ाई-झगडा न करें। इससे आपका तनाव बढ़ेगा। और आपका पूरा दिन खराब हो जाएगा।

मसालेदार खाना न खाएं

सुबह के समय मसालेदार खाना खाने से परहेज करें। कोशिश करें कि सुबह हल्का खाना डाइट में शामिल करें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
अजमेर

दिसंबर महीने में इन राशि के जातकों के शुरू होंगे अच्छे दिन, आर्थिक तंगी से मिलेगी निजात

दिसंबर का महीना कई राशियों के लिए बेहद शुभ रहने वाला है। इस महीने 3 ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। वहीं, दिसंबर महीने के पहले सप्ताह में सुखों के कारक शुक्र देव राशि परिवर्तन करेंगे। शुक्र देव के राशि परिवर्तन राशि चक्र की सभी राशियों पर भाव अनुसार प्रभाव पड़ेगा। इनमें 4 राशि के जातकों को सर्वाधिक लाभ होगा। आइए, इसके बारे में सबकुछ जानते हैं।

शुक्र ग्रह राशि परिवर्तन

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, सुखों के कारक शुक्र देव 02 दिसंबर को राशि परिवर्तन करेंगे। इस दिन शुक्र देव समयानुसार दिन में 11 बजकर 57 मिनट पर धनु राशि से निकलकर मकर राशि में गोचर करेंगे। इस दौरान 11 दिसंबर को श्रवण और 22 दिसंबर को धनिष्ठा नक्षत्र में गोचर करेंगे। इसके बाद 28 दिसंबर को कुंभ राशि में गोचर करेंगे।

मेष राशि – शुक्र देव राशि परिवर्तन से मेष राशि के जातकों को लाभ प्राप्त हो सकता है। वर्तमान समय में गुरु की भी कृपा मेष राशि के जातकों पर बरस रही है। वहीं, आने वाले समय में शुक्र देव के राशि परिवर्तन से मेष राशि के जातकों को लाभ मिल सकता है। मेष में सूर्य देव उच्च के होते हैं। वहीं, राशि परिवर्तन के दौरान शुक्र देव की भी कृपा मेष राशि के जातकों पर बरसेगी। उनकी कृपा से करियर और कारोबार में लाभ प्राप्त होगा। सुखों में वृद्धि होगी। कारोबार में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

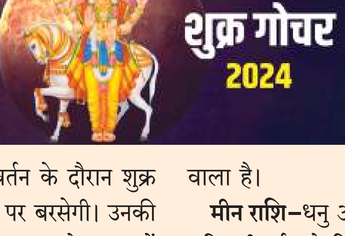

वृषभ राशि– सुखों के कारक शुक्र देव की कृपा वृषभ राशि के जातकों पर बरसेगी। उनकी कृपा से वृषभ राशि के जातकों को धन लाभ हो सकता है। निवेश करने से धन प्रॉफिट मिल सकता है। घर में उत्सव का आयोजन हो सकता है। मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। बिगड़े बन सकते हैं। किसी पुराने मित्र का घर आगमन से मन प्रसन्न हो सकता है। किसी कार्य में सफलता मिलने से घर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। कुल मिलाकर वृषभ राशि के जातकों के लिए दिसंबर का महीना उत्तम रहने वाला है।

मीन राशि–धनु और मीन राशि के जातकों शुक्र देव के राशि परिवर्तन से विशेष लाभ मिलने वाला है। मीन राशि में शुक्र देव उच्च के होते हैं। अतः मीन राशि के जातकों पर शुक्र देव की विशेष कृपा बरसेगी। वहीं, आय भाव में शुक्र देव के विराजमान होने से मीन राशि के जातकों को धन लाभ सकता है। वहीं, धनु राशि के द्वितीय भाव में शुक्र देव की दृष्टि रहेगी। इसके लिए धनु राशि के जातकों की भी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सभी बिगड़े काम बन जाएंगे।

फ्री होते ही बॉक्स ऑफिस पर छाई द साबरमती रिपोर्ट

दूसरे वीकेंड पर किया शानदार कलेक्शन

विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट 15 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। लेकिन ये फिल्म पर्दे पर आने से पहले से ही चर्चा में बनी हुई है। रिलीज के बाद ने भले ही शानदार ओपनिंग ना की हो लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह तक ने इसकी तारीफ की है।देश के कई राज्यों में द साबरमती रिपोर्ट टैक्स फ्री भी हो गई है जिसके बाद फिल्म के कलेक्शन में बढ़ोतरी हो गई है। के प्रोडक्शन हाउस के मुताबिक द साबरमती रिपोर्ट ने पहले हफ्ते 14.3 करोड़ रुपए कमाए थे। दूसरे शुक्रवार फिल्म ने 1.86 करोड़ कमाए थे। वहीं अब दूसरे शनिवार द साबरमती रिपोर्ट ने कुल 2.6 करोड़ रुपए का कारोबार किया है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अब विक्रांत मैसी की फिल्म कुल 18.99 करोड़ रुपए कमा लिए हैं।बता दें कि देश के कई राज्यों की सरकारों ने गोधरा कांड पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को टैक्स फ्री कर दिया है। छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश और यूपी में फिल्म को टैक्स फ्री कर दिया गया है।

हाल ही में साबरमती रिपोर्ट की देश के गृह मंत्री ने फिल्म की स्टार कास्ट से मुलाकात की थी। विक्रांत मैसी ने मीटिंग की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर भी की हैं। विक्रांत ने गृह मंत्री अमित शाह के साथ तस्वीरें शेयर कर कैप्शन में लिखा- माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी, दयालु शब्दों और मान्यता के लिए धन्यवाद। द साबरमती रिपोर्ट की आपकी सराहना और सच्चाई को उजागर करने के इसके साहसिक प्रयास, जैसा कि फिल्म हाइलाइट करती है- इतिहास का आईना कभी झूठ नहीं बोलता, हमारी टीम को अनकही कहानियों पर रोशनी डालना जारी रखने के लिए इंस्पायर करता ।

घाटी से अनुष्का शेट्टी की पहली दमदार झलक जारी, 5 भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

बाहुबली एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी 43 साल की हो गई हैं। इस खास दिन पर फैंस से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक के लोगों ने अपने-अपने अंदाज में क्वीन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।यूवी क्रिएशन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी आगामी फिल्म घाटी से अनुष्का शेट्टी की झलक शेयर की है और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। खास झलक में बर्थडे गर्ल के खूंखार अवतार ने उनके फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म की झलक साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, खूंखार और खतरनाक। द क्वीन अनुष्का शेट्टी की सांस लेती आग। घाटी झलक आउट। तेलुगू, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में घाटी।घाटी की स्टोरी की बात करें तो यह एक ऐसी महिला की स्टोरी हैजो एक पीड़ित, एक अपराधी और एक लीजेंड है। घाटी भारत की घाटियों की एक रॉ स्टोरी है। फिल्म में अनुष्का शेट्टी और अन्य कलाकार हैं। कृष जगरलामुदी द्वारा लिखित और निर्देशित है। नागवेल्ली विद्या सागर ने संगीत दिया है।इससे पहले अनुष्का शर्मा की आगामी फिल्म कथानार से उनकी झलक दिखाई गई थी। मेकर्स ने एक्ट्रेस के किरदार के नाम का भी खुलासा किया है। वह कथानार में नीला की भूमिका निभाएंगी।

पारंपरिक रीति-रिवाज से शादी के बंधन में बंधेंगे शोभिता - नागा चैतन्य

आठ घंटे से ज्यादा तक चलेंगी रस्में

स्टार कपल शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य इन दिनों अपनी शादी की तैयारियों में जुटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि इनकी शादी की सभी रस्में आठ घंटे से ज्यादा तक चलेंगी।

जैसे-जैसे शादी का दिन नजदीक आ रहा शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य ने अपनी सभी तैयारियां तेज कर दी हैं। इस शादी से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि यह शादी पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ पुराने ढंग से होने जा रही है।

शोभिता के एक करीबी सूत्र ने बताया, तेलुगु ब्राह्मण परंपराओं के अनुसार शादी की रस्में 8 घंटे से ज्यादा तक चलेंगी।'' सूत्र ने आगे कहा, सांस्कृतिक पहलुओं का सम्मान करने और तेलुगु शादी की सभी रस्मों का सम्मान करते हुए इस शादी की सभी रस्में 8 घंटे से ज्यादा समय तक चलेंगी।''

बता दें कि यह जोड़ा 4 दिसंबर को विवाह बंधन में जा रहा है। अपने खास दिन के लिए, अभिनेत्री ने असली सोने की ज़री से सजी एक पारंपरिक कांजीवरम रेशमी साड़ी चुनी है।

एक सूत्र ने बताया: शोभिता धुलिपाला ने अपनी मां के साथ खरीदारी करते समय असली सोने की जरी वाली एक खूबसूरत कांजीवरम रेशमी साड़ी चुनी है। परंपरा का पालन करते हुए आंध्र प्रदेश के पोंडुरु में बुनी गई एक साधारण सफेद खादी की साड़ी और चैतन्य के लिए एक मैचिंग सेट भी खरीद रही हैं। शोभिता हर छोटी-बड़ी बात में व्यक्तिगत रूप से शामिल हैं।''

अंदरूनी सूत्र ने कहा कि शोभिता की शादी की तैयारियां विरासत से उनके गहरे जुड़ाव को दर्शाती हैं, साथ ही परंपरा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भी स्पष्ट है। नागा और शोभिता की शादी में करीबी दोस्त और परिवार के लोग शामिल होंगे। उनके शादी के कार्ड की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। कार्ड उनके परिवार के सदस्यों के नाम और और तारीख भी दी गई हैं। नागा और शोभिता की शादी से पहले का जश्न अक्टूबर में शुरू हुआ, जिसमें अभिनेत्री ने अपने घर पर आयोजित एक पारंपरिक समारोह की एक झलक अपने फैंस के साथ शेयर की थी।

यामिनी मल्होत्रा की बिग बॉस 18 में होगी एंट्री

घर में शामिल होने से पहले ही कंटेस्टेंस से ले ली दुश्मनी

बिग बॉस सीजन 18 में इन दिनों वाइल्ड कार्ड एंट्री को लेकर काफी चर्चाएं हो रही हैं। ऐसे में खबर है कि तीन वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट शो शामिल होंगे। उनमें से एक कंटेस्टेंट यामिनी मल्होत्रा है। बता दें कि यामिनी टीवी के हिट शो गुम है किसी के प्यार में क़े लिए जानी जाती हैं। इस शो में उन्होंन शिवानी चव्हाण का किरदार निभाया था।बिग बॉस 18 अब और भी ज्यादा इंटरस्टिंग होने वाला है। इस में तीन वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट की एंट्री होने वाली है। हालांकि घर में रह बंद प्रतिभागियों की मुश्किल और भी ज्यादा बढने़ वाली है। ऐसी खबर है कि शो में ग्लैमर का तड़का लगाने के लिए तीन नए वाइल्डकार्ड की एंट्री होने वाली है। ये तीन वाइल्ड कार्ड एंट्री अदिति मिस्त्री, एडिन रोज और यामिनी मल्होत्रा। चलिए बताते हैं तीनों वाइल्ड कार्ड में से एक यामिनी मल्होत्रा के बारे में।यामिनी मल्होत्रा टीवी इंडस्ट्री का जाना-माना नाम है। उन्होंने गुम है किसी के प्यार में ़सीरियल में शिवानी चव्हाण का रोल निभाया था। इस शो में दर्शकों ने उन्हें पसंद भी किया था। हालांकि एक्ट्रेस ने बीच में ही यह शो छोड़ दिया था जिसके बाद उनकी भूमिका तन्वी ठक्कर ने निभाई थी।रिपोर्ट्स के मुताबिक यामिनी अभिनेत्री होने के साथ एक डेंटिस्ट भी हैं। एक्टिंग से पहले एक्ट्रेस ब्रांडो के कई विज्ञापनों का हिस्सा भी रही हैं। बता कि एक्ट्रेस की सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें एक मिलियन से ज्यादा यूजर्स फॉलो करते हैं। वहीं, एक्ट्रेस का यूट्यूब चैनल भी है जिसपर उन्हें 76 हजार से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।अगर एक्ट्रेस के नेटवर्थ की बात करें तो उनकी कुल संपत्ति लगभाग करोड़ रुपये के आसपास है। ये ही नहीं एक्ट्रेस यामिनी सोशल मीडिया से भी तगड़ी कमाई करती हैं।बता दें कि यामिनी ने घर में जाने से पहले इंटरव्यू दिया है जिसमें उन्होंने घर के अंदर के कुछ लोगों पर निशाना साधा और उन्हें फेक बताया है। उन्होंने रजत दलाल कहा की वो अच्छा खेलते हैं और किसी भी मुद्दे पर खुलकर बात करते हैं। वहीं उन्होंने शिल्पा को फेक बताया है।यामिनी ने ईशा, एलिस, अविनाश और विवियन को लेकर कहा कि वह लोग केवल घर में बैठकर चुगली करते हैं।

भरूचा ने स्टाइलिश लहंगा पहन शेयर किया ग्लैमरस लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा हमेशा अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से इंस्टाग्राम पर तबाही मचाती रहती हैं। उनका सिजलिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में नुसरत भरूचा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।एक्ट्रेस नुसरत भरूचा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।उनका कातिलाना इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं।इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस रेड कलर का रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है।ओपन हेयर, गले में नेकलेस और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट कर दिया है।नुसरत भरूचा की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं वो कैमरे के सामने सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई इंटरनेट का बढ़ा रही हैं।नुसरत भरूचा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

घर की पार्टी में करीना कपूर ने पहनी साड़ी, तो सूट में नजर आईं करिश्मा कपूर

फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री करीना कपूर ने सोशल मीडिया पर साड़ी तस्वीरें शेयर की है। वहीं, उनकी बड़ी बहन और अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने सूट में खूबसूरत झलक दिखाई है। घर की पार्टी में तैयार हुईं अभिनेत्रियों ने सोशल मीडिया पर खूबसूरत झलक दिखाई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर दो तस्वीरें शेयर कर करीना ने अपनी की चमक बिखेरी, जिसमें वह साड़ी पहने नजर आ रही हैं। प्रिंटेड साड़ी के साथ 'जब वी मेट' अभिनेत्री हल्के मेकअप में नजर आ रही हैं, जो कि उनकी खूबसूरती को और भी बढ़ाता नजर आ रहा है। वहीं, घर में आयोजित फुफेरे भाई की पार्टी के लिए तैयार कपूर ने सूट में खूबसूरती का जलवा बिखेरा। इस बीच बता दें कि राज कपूर की बेटी रीमा कपूर के बेटे आदर जैन की सगाई में पूरा कपूर खानदान सजधज कर पहुंचा। आदर जैन ने अलेखा आडवाणी के साथ सगाई कर ली है, शनिवार को हुए रोका सेरेमनी में खानदान जोड़े को जिंदगी के नए कदम के लिए आशीर्वाद देने पहुंचा। रोका सेरेमनी में करीना कपूर, करिश्मा कपूर, रणबीर कपूर के साथ नीतू सिंह भी नजर आईं। बता दें कि आदर जैन ने कुछ महीनों पहले अलेखा को स्वप्निल अंदाज में शादी के लिए प्रपोज किया था, जिसकी उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस को झलक दिखलाई थी। तस्वीरों में वह समंदर के किनारे अलेखा को अंगूठी पहनाते और प्रपोज करते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने रोमांटिक तस्वीरों को ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर कर कैप्शन में लिखा पहला क्रश, पहला प्यार और अब सबकुछ। आदर जैन फिल्मों भी काम कर चुके हैं।

तमन्ना भाटिया ने पारंपरिक पहनावे को बनाया आकर्षक

तमन्ना भाटिया ने अपने नवीनतम लुक में पारंपरिकता और हाई-एंड फैशन को बेहतरीन तरीके मिलाया, और उनके जूते ने सचमुच सबका ध्यान खींचा। पैन-इंडिया स्टार ने अबू जानी और संदीप खोसला द्वारा डिजाइन किए गए अपने एथेरियल सफेद और गोल्ड अनारकली को खूबसूरत क्रिश्चियन लुबोटिन स्टिलेटो हील्स के साथ जोड़ा। स्वारोवस्की क्रिस्टल के चमकदार पैनल से सजी ये अति सुंदर गुलाबी ब्रोकेड और हील्स, उनके पारंपरिक पहनावे में एक लग्जरी टच जोड़ा है। अभिनेत्री ने अपनी सोशल मीडिया पर कुछ शानदार तस्वीरें अपलोड कीं, जिसमें वह बेहद एलिगेंट लग रही थीं। उनकी अनारकली की चमक और लुबोटिन्स की शानदार एम्बेलिशमेंट का संयोजन एक बेहतरीन मिश्रण था, जिसमें गरिमा और ग्लैम का अद्भुत बनाया।

तमन्ना भाटिया ने स्पष्ट रूप से पारंपरिक पोशाक को आधुनिक परिष्कार के साथ जोड़ने का मानक स्थापित किया है। फिलहाल, वह 29 नवंबर को रिलीज होने वाली अपनी फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। उन्होंने हाल ही में अपनी तेलुगु फिल्म 'ओडेला 2' की शूटिंग की है, जो जल्द ही रिलीज होने वाली है और इसके बाद उनके पास करण जौहर की 'डेयरिंग पार्टनर्स' है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिन अच्छा है दिन भर उत्साह बना रहेगा. आप अपने प्रियजनों के साथ कहीं बाहर जाने का प्रोग्राम बनेगा अपने प्रिय की ख़ामियों को ढूंढने में समय बर्बाद न करें. अविवाहित लोगों को विवाह या प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं. परिवार में वैचारिक मतभेद खत्म हो सकता हैं. पड़ोस में कोई विवाद होने पर आप स्वयं सकारात्मक रहें.व्यायाम करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज धरती को प्रणाम करें कर दर्शन करें , दिन बढ़ीया बितेगा . आप अपने कारोबार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे. आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जी–वनसाथी के साथ संतोषप्रद जीवन का लाभ उठाएंगे. स्वास्थ्य के सन्दर्भ में आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं.दिन के पीछले भाग मे कुछ आराम का व्यवहार करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आमदनी मे बढ़ोतरी होगी पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है. इनकम बढ़ाने के कुछ अच्छे मौके भी आपको मिल सकते हैं. जिनसे आप खुद भी हैरान हो सकते हैं. हाल ही में कुछ नए दोस्त मिल सकते हैं. आप अपनी पसंद या मनमर्जी के कामों के लिए उत्सुक होंगे. जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उससे आप–को फायदा ही होगा. जो खास बात है उसे गंभीरता से ही लें. आज अपनी सोच पॉजिटिव रखें कार्यशैली मे बदलाव करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज काम का बोझ ज्यादा रहेगा लेकिन शाम तक पूरा काम आसानी से निपटा लेंगे.साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिल सकती है.आपके करियर में अचानक बदलाव आ सकता है, जिससे आपको धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा.आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा.आज आपको कुछ चीज़ों का खास ध्यान रखना चाहिए और जोखिम भरे काम को करने से बचना चाहिए.शिवजी पर काले तिल चढाए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लोगों से व्यवहार करते समय चौकन्ना रहने की जरुरत हैं उन्नति का कोई बढ़िया अवसर आपको मिल सकता है. स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा. घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें. आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा. सामान्य रूप से आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार के बड़े लोगों का आपको आज सहयोग मिले–गा.खर्चा ज्यादा होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दिन मिलाझुला रहेगा लेन–देन और निवेश के मामलों में नई नीति अपना होगा . आपके आसपास चहल–पहल भी रहेगी. आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं. लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है. काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे फिर भी सिद्धि मिलेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लाभ मिलेगा चिंता मुक्त होंगे किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो मुश्किलें ही आएगी काम नही होंगे चलती हुई व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है. वित्तीय मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए ख अविवाहितों के जीवन में आज प्रेम का प्रवेश हो सकता है ख छात्रों के लिए समय अनुकूल हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप के काम बनेंगे आप की प्रशंसा होगी कुछ लोग आपसे प्रभावित भी हो सकते हैं.आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी .उधार दिया हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है.धन लाभ के नए रास्ते खुले नज़र आ सकते हैं.आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है.इससे आपको सफलता मिलेगी । कामकाजी महिलाओं को कोई छोटा उद्योग शुरू करने में घर वालों का सहयोग प्राप्त हो सकता है.गाय को गेहूँ गुड़ और नंदी को भूसा खिलाए ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य उपासना करें आरोग्यता मिलेगी सूर्य अष्टक का पाठ करें आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढ़ने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग हैं आज आप गुस्से और व्यवहार मे बदलाव बहुत जरुरी हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज व्यापार मे और कार्य शैली मे साथ ही साथ बिजनेस में कुछ बदलाव करना पड सकता हैं किसी खास मामले को लेकर परिवार से बातचीत हो सकती है. ऑफिस के काम या अपने किसी शौक के कारण आप व्यस्त हो सकते हैं . कुछ जिम्मेद–ारियां और जरूरी काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. निवेश करने या किसी को आर्थिक मदद देने के पहले सलाह कर लें. नए जमीन और वाहन खरीदने का विचार बन रहा है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आय के स्रोत खुले रहेंगे वित्तीय मोर्चे पर आज अच्छा लाभ संभव है. आप इस चरण में कई गतिविधियों में शामिल होंगे. व्यापार के कारण यात्रा सम्भव हैं नए संपर्कों से भी लाभ होगा जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा. व्यावसायिक व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ देंगे. भूमि , वाहन आदि की बिक्री और खरीद के लिए समय अनुकूल हैं आप सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद लेंगे दाम्पत्यजीवन सुखमय बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर काम आरंभ करें कार्य सिद्ध होंगे जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे.आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा..सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके मन में नए–नए विचार आ सकते हैं.जिनको आप अपने जीवन में उतारने में कामयाब रहें–गे.सीनियर आपके कामों की प्रशंसा करेंगे.जो लोग स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में पद–न्नति और प्रशंसा मिल सकती है.दोस्तों के साथ मौज–मस्ती में आपका दिन बीत सकता है.शिवजी पर दूध जल चढ़ाए।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 26 नवंबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 03:49 तक
नक्षत्र : हस्त रात्रि 04:34 तक
योग : प्रीति दोपहर 02:12 तक
करण : बव दोपहर 02:27 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:27, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : उत्पन्ना एकादशी व्रत, वैतरणी व्रत

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान को बनाएंगे मॉडल स्टेट : भजनलाल शर्मा

जयपुर,25 नवंबर (एजेंसियां)।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में शिक्षा की अहम भूमिका है, क्योंकि आज के बच्चे ही भविष्य के नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी विद्यार्थियों को उच्च गुण–वत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए तकनीकों का उपयोग करने के साथ ही, खाली पदों पर भर्ती तथा स्कूलों में कक्षा–कक्षों का निर्माण कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि हम नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने तथा शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान को मॉडल बनाने हेतु विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय बजट घोषणाओं को त्वरित गति से पूरा करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शिक्षण सुचारू रूप से चले इस हेतु सत्र के प्रारंभ में ही विद्यार्थियों को लगभग साढ़े 3 करोड़ पाठ्यपुस्तकों का निः शुल्क वितरण किया गया है तथा कक्षा 1 से 8 के समस्त विद्यार्थियों एवं 9 से 12 तक की बालिकाओं को स्कूल बैग भी दिए जाएंगे। श्री शर्मा ने कहा आगामी माह में 1 लाख 25 हजार बालिकाओं को साइकिल वितरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता बेहतरीन करने हेतु सरकार खाली पदों पर भर्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी में अब तक लगभग साढ़े 20 हजार पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं तथा लगभग 18 हजार पदों पर पदोन्नति की गई है। प्राध्यापक स्कूल शिक्षा, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड 2 एवं ग्रेड 3 तथा वरिष्ठ अध्यापक के कुल 5 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। साथ ही, संवर्गों में चयनित 515 अभ्यर्थियों को दिसम्बर माह में नियुक्तियां दे दी जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को रिक्त पदों पर चरणबद्ध रूप से भर्ती करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी स्कूलों शिक्षकों और विद्यार्थियों की संख्या का सर्वे करवाकर विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के ड्रेस कोड में एकरूपता लाई जाए। मुख्यमंत्री ने स्कूलों में कक्षा कक्षों तथा बालिका विद्यालयों में शौचालयों की स्थिति का सत्यापन कर आवश्यकतानुसार उनकी मरम्मत और नव निर्माण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भौतिक सत्यापन के कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। श्री शर्मा ने विद्यालयों में सुरक्षा और अन–ुशासन बनाए रखने की दृष्टि से चरणबद्ध रूप से सीसीटीवी कैमरे लगवाने के दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में भामाशाहों का भी सहयोग लिया जाए।

बैठक में शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने मुख्यमंत्री को स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न उपलब्धियों और नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत विभाग को 12 हजार करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। हरियालो राजस्थान तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विभाग द्वारा रिकॉर्ड संख्या में वृक्षारोपण किया गया। साथ ही राज्य के 1.34 करोड़ विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसके अतिरिक्त, विभाग द्वारा शाला स्वास्थ्य प्रखर राजस्थान रीडिंग कैम्पेन, पीएमश्री विद्यालय, शाला सम्बलन एप, खेल प्रतियोगिता एवं ई–पाठशाला कार्यक्रम सहित अन्य नवाचार भी किए जा रहे हैं। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा अभियान अविचल निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी सहित स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

शेखावत फोन टेपिंग मामला

लोकेश शर्मा को कोर्ट से अग्रिम जमानत मिली

जयपुर,25 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से जुड़े फोन टेपिंग मामले में पूर्व ओएसडी शर्मा को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तारी के बाद उन्हें कोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई है।

कुछ ही देर पहले दिल्ली क्राइम ब्रांच ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जडऊरहे लोकेश शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है।लोकेश शर्मा ने 14 नवम्बर को दिल्ली में अपनी याचिका वापस ले ली थी , जिसमें उन्होंने एफआईआर खारिज करने की मांग की थी।

मार्च 2021 : गजेंद्र सिंह शेखावत ने दिल्ली क्राइम ब्रांच में अवैध फोन टेपिंग का आरोप लगाते हुए एफआईआर (नं. 50/2021) दर्ज कराई। इस एफआईआर में भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, आईटी अधिनियम और के प्रावधान शामिल थे।

जुलाई – अक्टूबर 2021 : राजस्थान सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट में स्थिति रिपोर्ट दायर की और दिल्ली पुलिस की क्षेत्राधिकार को चुनौती दी।

दिसंबर 2023 – अगस्त 2024 : राजस्थान सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक मूल वाद दायर कर दिल्ली पुलिस की जांच के को चुनौती दी और केवल राजस्थान को इस मामले की जांच का अधिकार देने की मांग की। 29 अगस्त 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को वाद वापस लेने की अनुमति दी।

27 सितंबर 2024 : दिल्ली हाईकोर्ट में एएजी शिव मंगल शर्मा ने राजस्थान सरकार का बदला रुख पेश किया, जिसमें दिल्ली पुलिस की जांच को पूरी तरह से समर्थन देने की घोषणा की गई। इस बयान के बाद लोकश शर्मा ने अपनी एफआईआर खारिज करने की याचिका वापस ले ली।

छात्रों की आत्महत्याओं को रोकने के सुझावों पर कदम उठाए सरकार : हाईकोर्ट

जयपुर,25 नवंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में आए दिन शहरों में स्कूल के बच्चों के द्वारा लगातार आत्महत्याओं से व्यथित होकर डॉक्टर टी शर्मा एडवोकेट की ओर से अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी ने जन हित याचिका पेश की थी लेकिन न्यायालय के लगातार निर्देशों के बावजूद सरकार कोई भी सख्त कदम नहीं उठाए।

राजस्थान हाई कोर्ट ने दिनांक 23.08.2023 को याचिककर्ता को कोचिंग संस्था में सुधार एवं आत्महत्याओं को रोकने के सुझाव देने के लिए निर्देश दिए थे उसके पश्चात तन शर्मा और पूनम चंद भंडारी एडवोकेट ने विभिन्न शहरों में भ्रमण कर छात्र–छात्राओं से इस संबंध में जानकारी ली और उस जानकारी के आधार पर राजस्थान हाई कोर्ट में सुझाव पेश किए थे।

अधिवकता ने बताया कि छात्र–छात्राओं से से अध्यापकों से विचार विमर्श करने के पश्चात कोर्ट में सुझाव प्रस्तुत किये, मुख्य सुझाव के अनुसार कोचिंग संस्थानों में लगातार टेस्ट के सिस्टम को बंद किया जाए क्योंकि नियमित कैसे बच्चे मानसिक दवा में रहते हैं सिर्फ त्रैमासिक या अर्धवार्षिक टेस्ट ही होने चाहिए और उनमें भी बच्चों मार्क्स नहीं देना चाहिए बल्कि ग्रेड देने चाहिए ताकि बच्चों में हीन भावना उत्पन्न नहीं हो, सप्ताहिक अवकाश नहीं होने से बच्चे बिना आराम किए रोबोट की तरह काम करते हैं और जिससे वह टेंशन में रहते हैं इसलिए सप्ताह में दो दिन कोचिंग संस्था व स्कूल बंद रहने ताकि बच्चों में पढ़ाई का तनाव नहीं रहे और वे परिवार के साथ रहे, अध्यापकों मनोवैज्ञानिकों द्वारा ट्रेनिंग दी जानी चाहिए ताकि यह बच्चों की मां है स्थिति को समझ सकें । कोचिंग संस्थानों में एक कक्षा में बहुत ज्यादा बच्चे होते हैं यहां तक की कई स्कूलों में 500 600 बच्चे होते हैं इसलिए कोचिंग संस्थानों स्कूलों को निर्देश दी जाए की एक कक्षा में 30 बच्चों से ज्यादा ना हो यह भी देखा गया है की कोचिंग इंस्टिट्यूट में कई घंटे तक लगातार बच्चों को पढ़ाया जाता है इसलिए निर्देश देने चाहिए की कोचिंग संस्था और में 6 घंटे से ज्यादा पढ़ाई ना हो, कोचिंग में पढ़ने वाले बच्चे नियम स्कूल में पढ़ने नहीं जाते हैं और उनको फर्जी तरीके से नियमित स्कूल के छात्र बताया जाता है ऐसे डमी स्कूलों पर कार्रवाई होनी चाहिए। बच्चों को होमवर्क बहुत कम दिया जाना चाहिए सभी स्कूलों और कोचिंग संस्थानों में यूनिफॉर्म एक जैसी होनी चाहिए ताकि बच्चों में हीन भावना उत्पन्न ना हो जैसे कई मुद्दे शामिल है।

कुल राज्य बजट का 8.26 प्रतिशत चिकित्सा को समर्पित : भजनलाल

जयपुर,25 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि चिकित्सा सेवा का क्षेत्र है तथा सेवा अर्थ से नहीं मन की शांति से जोड़ी जाती है। ऐसे में, चिकित्सकों द्वारा मानवता की सेवा का महती कार्य किया रहा है। उन्होंने मेडिकल के विद्यार्थियों से आशा व्यक्त की वे अपने चिकित्सकीय ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज की बेहतरी के लिए करेंगे। श्री शर्मा ने कहा कि हमने इस वर्ष के बजट में 27 हजार 660 करोड़ रुपये अर्थात बजट का 8.26 प्रतिशत हिस्सा केवल चिकित्सा एवं को समर्पित किया है। प्रदेशवासियों की सेहत हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शर्मा सोमवार को एक निजी यूनिवर्सिटी के 7वें दीक्षांत एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मेडिकल की विभिन्न डिग्री प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राजस्थान डिजिटल हेल्थ मिशन हर नागरिक का स्वास्थ्य रिकॉर्ड ऑनलाइन मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान डिजिटल हैल्थ मिशन के माध्यम से प्रत्येक नागरिक का स्वास्थ्य रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत चिकित्सकीय बुनियादी ढ़ांचे को बेहतर बना रही है, जिसमें सेक्टर में 3 वर्ष में 15 हजार करोड़ के कार्य करवाये जायेंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने से मेडिकल टूरिज्म तेजी से बढ़ा है। ऐसे में, मेडिकल ट्रैवल पॉलिसी के माध्यम से इसको और विस्तार मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को पूर्ण इलाज उपलब्ध करवाने के लिए काम कर रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में 57 हजार करोड़ रुपये के निवेश आए शर्मा ने कहा की आगामी 9 से 11 दिसम्बर आयोजित होने वाली राइजिंग राजस्थान समिट के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र सहित हर क्षेत्र में निवेश लाया जा रहा है। इस समिट के लिए अभी तक 25 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि राजनिवेश पोर्टल पर चिकित्सा से जुड़े 57 हजार करोड़ रुपये अधिक के 300 निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं, जिससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 6 लाख लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

मारपीट के आरोपी कांस्टेबल राज्य सेवा से बर्खास्त

बारां,25 नवंबर (एजेंसियां)।

बारां जिला एसपी राजकुमार चौधरी ने शराब के नशे में सहकर्मी कांस्टेबल पर कांच की बोतल से जानलेवा हमला करने के मामले में कोर्ट से दोषी करार दिए गए कांस्टेबल भैरूलाल सहरिया पुत्र बेल्ट नंबर 1216 को राज्य सेवा से बर्खास्त कर दिया है।

एसपी चौधरी ने बताया कि कांस्टेबल भैरूलाल सहरिया पुलिस लाईन बारां में पदस्थापित था। लाईन की बैरिक में 8 सितंबर 2019 को शराब के नशे में अपने सहकर्मी कांस्टेबल कीमत राम सहरिया पर शराब की कांच की बोतल हमला किया। जिससे कीमत राम के ललाट व आंख की भोंह पर गम्भीर चोटें आई। इस संबंध में कानिस्टेबल भैरूलाल के विरूद्ध थाना कोतवाली में मुकदमा आईपीसी की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसमे अनुसंधान के बाद कानिस्टेबल भैरूलाल के विरूद्ध अपराध प्रमाणित पाये जाने पर अक्टूबर 2019 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में चालान पेश किया गया।

सरकार ने खरीदा नया हेलीकॉप्टर, पॉलिटिक्स को मिलेगी नई उड़ान

चंडीगढ़,25 नवंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार ने राज्य की आपातकालीन सेवाओं और प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने के लिए हाल ही एक नया हेलीकॉप्टर खरीदा है। इससे हरियाणा की पॉलिटिक्स को भी नई उड़ान मिलेगी। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों, कैबिनेट मंत्री विपुल और मुख्यमंत्री नायब सैनी की मौजूदगी में नए हेलीकॉप्टर का औपचारिक रूप से हवन और पूजन के साथ उद्घाटन किया गया। यह अवसर समकालीन तकनीकों के उपयोग और राज्य के विकास को आगे बढ़ाने की दिशा में सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।बता दें कि नए हेलीकॉप्टर आधुनिक सुविधाएं और तकनीक शामिल हैं। यह न केवल प्रशासनिक कार्यों के लिए बल्कि चिकित्सा आपात स्थिति, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य महत्वपूर्ण सेव–ाओं के लिए भी उपयोगी होगा। हेलीकॉप्टर तेज, सुरक्षित और ईंधन–कुशल है क्योंकि यह नवीनतम विमानन प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है। इसमें आरामदायक बैठने की व्यवस्था और सुरक्षा विशेषताएं हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने इस अवसर को राज्य के लिए गर्व का क्षण बताया और कहा कि यह हेलीकॉप्टर प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने में उपयोगी होगा।

सीएम ने सूर्य नगर रेलवे लाइन के ऊपर बने पुल का किया उद्घाटन

हिसार,25 नवंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री सिंह सैनी ने सोमवार को हिसार में नवनिर्मित सूर्य नगर रेलवे डबल फाटक पर बने पुल का उद्घाटन किया। हिसार को समर्पित इस पुल के बनने से लोगों को जाम से बहुत बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर सीएम नायब सिंह सैनी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में पूरी गति के साथ देश को आगे बढ़ाया है। दुनिया में पीएम मोदी ने भारत का नाम ऊंचा किया है। मुझे खुशी है कि ये पुल सेक्टर–1 और सेक्टर–4 को जोड़ेगा। यहां पर बहुत जाम लगाता था, जिससे लोगों को निजात 68 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत से ये पुल बना है।

यह पुल हिसार के लोगों को समर्पित किया गया है। इस पुल से लोगों को बहुत बड़ी राहत मिलेगी। लोग जाम से बचेंगे, समय बचेगा और पैसा बचेगा। हमारी डबल इंजन की सरकार लोगों के जीवन को सरल करने के लिए तीव्र गति से कम कर रही है। प्रदेश में बनी तीसरी बार यह सरकार हरियाणा को और तेज गति से आगे बढ़ाने का काम करेगी।

इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में झूठ का सहारा लेकर इस पर ब्रेक लगाने का प्रयास किया था। पीएम मोदी इस देश को संविधान के अनुरूप चला रहे हैं।

कांग्रेस संविधान का सम्मान नहीं कर रही है। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में भी लोगों ने कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया है। कांग्रेस के नेता गिरगिट की तरह रंग बदलते इसके अलावा उन्होंने कहा कि एक भी अग्नि वीर घर नहीं बैठेगा। उसे सरकारी नौकरी देने का काम हमारी सरकार करेगी। हिसार एयरपोर्ट के उद्घाटन के बारे में सवाल पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि हिसार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही उद्घाटन अवसर पर आएंगे। यहां से जल्द विमान उड़ान भरेंगे। प्रदेश में खाद की कमी के सवाल पर उन्होंने कहा कि पिछले साल के मुकाबले इस बार 20 मीट्रिक टन खाद अधिक दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि किसान भाई थोड़ा धैर्य रखें। अगर खाद की खपत ज्यादा है तो व्यवस्था भी की जाएगी।

नशा मुक्ति अभियान के बावजूद नशा में 18 प्रतिशत की हुई बढ़ोत्तरी : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़,25 नवंबर (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एव सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि नशा मुक्ति को लेकर जो भी सरकारी योजनाएं है कागजों में कैद होकर रह गई है, जिनके नाम पर खानापूर्ति की जा रही है, इसी वजह से प्रदेश में नशे की आपूर्ति कम होने के बजाए गत वर्ष की अपेक्षा 18 प्रतिशत बढ़ी है जो गंभीर चिंता का विषय है, नशे के शिकार युवा मौत का शिकार हो हैं, ऐसे में सरकार को नशा मुक्ति की दिशा में सख्त कदम उठाना चाहिए। इस अभियान में पुलिस के साथ साथ समाज के हर व्यक्ति को सहयोग करना चाहिए क्योंकि समाज के साथ मिलकर ही इसे समाप्त किया जा सकता है।मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने है कि प्रदेश में नशा को लेकर जो आंकड़े सामने आ रहे है वे काफी भयावह है, समाज के हर वर्ग के लोगों को भी इस ओर ध्यान देना होगा। प्रदेश के 22 जिलों में से 16 जिलों में गंभीर हालात है, 900 गांव सबसे ज्यादा प्रभावित है, हरियाणा राज्य है जहां हर प्रकार का नशा आसानी से उपलब्ध हो जाता है। प्रदेश में 18 से 35 साल के युवा इसकी चपेट में ज्यादा है। हरियाणा के साथ साथ इसकी सीट से सटे पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और यूपी के साथ लगते जिले नशे की चपेट में है। उन्होंने कि सिरसा और फतेहाबाद जिले सबसे ज्यादा प्रभावित है, इसके अलावा हिसार, रेवाड़ी, यमुनानगर, अंबाला, जींद, फरीदाबाद, करनाल, कैथल, रोहतक, सोनीपत,

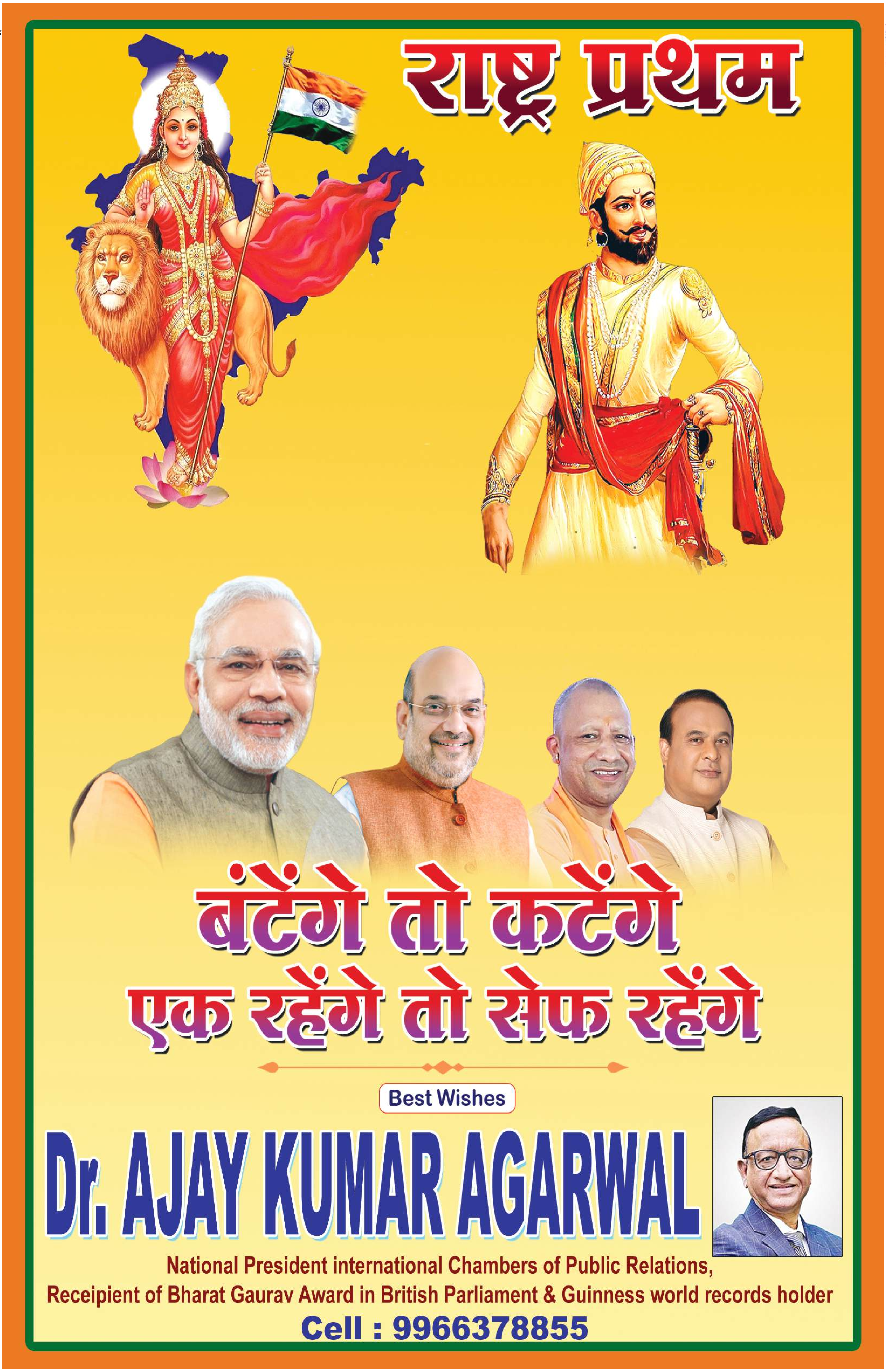

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.